वर्ष-11 अंक-18 पृष्ठ- 8 मूल्यः 3 रूपये

प्रयागराज, शुक्रवार 21 मार्च 2025

TM

आधुनिक भारत का आधुनिक नजरिया

आधुनिक समाचार

Adhunik Samachar

आधुनिक समाचार नेटर्वक

प्रयागराज से प्रकाशित एवं सम्पूर्ण भारत वर्ष में प्रसारित

Download From Google Play

Adhunik Samachar

11 YEARS ANNIVERSARY

संक्षिप्त समाचार

भाजपा-कांग्रेसी करते रहे हंगामा एमसीडी का बजट पास

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)

नई दिल्ली। सदन में भाजपा और कांग्रेस के पार्षदों ने जमकर हंगामा और नारेबाजी की। भाजपा व आप पार्षदों के बीच नोकझोंक और धक्का-मुक्की भी हुई। इस दौरान आप पार्षद ऊषा शर्मा के हाथ में चोट भी लग गई। दिल्ली नगर निगम (एमसीडी) का बजट बुधवार को हंगामे के बीच पास हो गया। सदन में भाजपा और कांग्रेस के पार्षदों ने जमकर हंगामा और नारेबाजी की। भाजपा व आप पार्षदों के बीच नोकझोंक और धक्का-मुक्की भी हुई। इस दौरान आप पार्षद ऊषा शर्मा के हाथ में चोट भी लग गई। वहीं, भाजपा पार्षदों ने बजट की औपचारिकता पूरी करने से रोकने के लिए पूरा प्रयास किया, लेकिन आप पार्षदों ने उन्हें नेता सदन मुकेश गोयल के पास पहुंचने नहीं दिया। इस तरह गोयल ने पार्टी पार्षदों के घेरे में प्रस्ताव पास किए, लेकिन वे बजट भाषण नहीं पढ़ सके।सदन की बैठक शुरू होते ही कांग्रेस पार्षदों ने हंगामा शुरू कर दिया। इसके बाद भाजपा पार्षद भी हंगामा करने लगे। बजट भाषण व प्रस्तावों की प्रति फाड़ने की आशंका के कारण आप पार्षदों ने मुकेश गोयल को घेरे में ले लिया। इसके बाद भाजपा पार्षदों के हंगामे के कारण गोयल अपनी सीट छोड़कर बेंच लांघते हुए पार्टी पार्षदों की सीटों के बीच जाकर बजट भाषण पढ़ने व प्रस्ताव पास करने की औपचारिकता करने लगे। इस दौरान उन्होंने कहा कि बजट भाषण पढ़ा हुआ माना जाए। हालांकि, उन्होंने सभी प्रस्तावों को पास व रद्द करने के संबंध में सदन को अवगत कराया।इधर, मुकेश तक पहुंचने में नाकाम होने के बाद भाजपा पार्षद नारेबाजी करते हुए मेयर महेश खींची के आसन तक पहुंच गए और बजट की प्रतियां फाड़कर हवा में उछालने लगे। इतना ही नहीं, मेयर के माइक को भी तोड़ दिया। इसके बाद भाजपा पार्षद मेयर के आसन पर चढ़ गए। इस पर मेयर ने 10 मिनट तक के लिए बैठक स्थगित कर दी। सदन की बैठ दोबारा शुरू होने के बाद भी भाजपा पार्षदों का विरोध जारी रहा, लेकिन मेयर ने नेता सदन के प्रस्तावों को मंजूरी देते हुए बजट पर अंतिम मुहर लगा दी।

'केंद्र की आतंकवाद पर जीरो टॉलरेंस नीति', नित्यानंद राय बोले- आतंकी अब जेल जाएंगे या जहन्नुम

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)

नई दिल्ली। एनआईए पर एक वर्ग विशेष के खिलाफ कार्रवाई करने के आरोपों पर राय ने कहा कि यह सरासर गलत है। इसमें कोई

सच्चाई नहीं है। उन्होंने कहा, 2008 में अपने गठन से आज तक एनआईए की कार्रवाई को लेकर कभी कोई शिकायत नहीं मिली। यह केवल वही कहते हैं, जो किसी न किसी तरह से आतंकियों के हमदर्द हैं। केंद्रीय गृह राज्यमंत्री नित्यानंद राय ने कहा कि आतंकवाद के मुद्दे पर मोदी सरकार की जीरो टॉलरेंस की नीति है। सरकार आतंकवाद खत्म करने के लिए पूरी तरह प्रतिबद्ध है। राय ने कहा कि मोदी सरकार में आतंकी या तो जेल जाएंगे या जहन्नुम। पहले आतंकियों का महिमामंडन किया जाता था। उन्हें बढ़िया खाना खिलाया जाता था। मोदी सरकार की कोशिशों का नतीजा है कि आतंकी घटनाओं में 71 फीसदी की कमी आई है। राज्यसभा में आतंकवाद के मुद्दे पर सदस्यों के सवालों का जवाब देते हुए राय ने कहा, आतंक प्रभावित इलाकों में भी घटनाएं लगभग शून्य हो गई हैं।एनआईए पर एक वर्ग विशेष के खिलाफ कार्रवाई करने के आरोपों पर राय ने कहा कि यह सरासर गलत है। इसमें कोई सच्चाई नहीं है। उन्होंने कहा, 2008 में अपने गठन से आज तक एनआईए की कार्रवाई को लेकर कभी कोई शिकायत नहीं मिली। यह केवल वही कहते हैं, जो किसी न किसी तरह से आतंकियों के हमदर्द हैं या ऐसी गतिविधियों के समर्थक हैं।राय ने कहा कि केंद्रीय जांच एजेंसी बनाने का मकसद देश की सुरक्षा से जुड़े मामलों की पारदर्शी व निष्पक्ष जांच करना है। एनआईए के मामलों के लिए जम्मू और रांची में एक-एक विशेष कोर्ट है। इसके अलावा देश में 30 न्यायालय हैं, जहां ऐसे मामले देखे जाते हैं। एनआईए की दोष सिद्धि दर 95.44 फीसदी है। आतंकी वित्त की स्थिति में यह सौ फीसदी है। कांग्रेस के दिग्विजय सिंह ने वर्ष 2006 से 2011 के बीच हुए मालेगांव, समझौता एक्सप्रेस, हैदराबाद की मस्जिद में धमाकों की जांच की स्थिति को लेकर सवाल पूछा था। इस पर राय ने कहा, कांग्रेस सांसद दिग्विजय शायद भूल गए कि ये सब मामले उनकी सरकार के दौरान ही हुए थे। इस पर सदन में ठहाके लगे। गृह राज्यमंत्री ने कहा कि वह इस संदर्भ में सदस्य को जानकारी दे देंगे। केंद्रीय गृह राज्यमंत्री राय ने कहा कि आतंकवाद के प्रति मोदी सरकार की शून्य सहिष्णुता की नीति है। एनआईए वर्तमान में ब्रिटेन की राजधानी लंदन और कनाडा की राजधानी ओटावा में भारतीय उच्चायोग तथा अमेरिका के सैन फ्रांसिस्को में भारतीय वाणिज्य दूतावास पर हुए हमलों की जांच कर रही है। उन्होंने कहा कि इन हमलों के पीछे कौन लोग हैं और उनकी मंशा क्या थी, इसका जल्द खुलासा किया जाएगा। केंद्रीय गृह राज्यमंत्री ने कहा कि 57 व्यक्तियों को आतंकवादी घोषित किया गया है। 2014 से अब तक नौ संगठनों को यूएपीए के तहत आतंकवादी संगठन घोषित किया गया है। उन्होंने सदन को बताया कि अब तक 23 संगठनों को गैरकानूनी घोषित किया गया है। मंत्री ने सदन को बताया कि मानव तस्करी के 23 मामलों, बम हमलों के 30 मामलों व साइबर अपराध के एक मामले की जांच की जा रही है, जिससे आतंकी गतिविधियों पर अंकुश लगाने में मदद मिल रही है।

गेटवे ऑफ इंडिया पर होगी सीआईएसएफ तटीय साइक्लोथॉन की गूंज, क्रिकेट बॉलीवुड के स्टार भी रहेंगे मौजूद

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)

नई दिल्ली। सीआईएसएफ की यह ऐतिहासिक यात्रा तटीय सुरक्षा के महत्व के बारे में लोगों को जागरूक करने के लिए प्रारंभ की गई है। यह बल अन्य कानून प्रवर्तन एजेंसियों के साथ मिलकर मछुआरे समुदायों से समुद्र के

जरिए ड्रग्स, हथियार और विस्फोटकों की तस्करी जैसी संभावित धमकियों पर नजर रखने की अपील कर रहा है।सीआईएसएफ कोस्टल साइक्लोथॉन-2025, ने भारत के समुद्र तटों की 6,553 किलोमीटर की दूरी में से आधी दूरी (लगभग 3300 किमी) को पार कर लिया है। यह यात्रा 20 मार्च को मुंबई पहुंचेगी। वहां स्थित 'गेटवे ऑफ इंडिया' पर एक भव्य समारोह आयोजित किया जाएगा, जिसमें क्रिकेट एवं बॉलीवुड के कई स्टार मौजूद रहेंगे। इस अभियान को 50 लाख से अधिक नागरिकों का समर्थन प्राप्त हुआ है। प्रमुख खेल हस्तियों ने भी सीआईएसएफ की इस पहल को अपना समर्थन दिया है।सीआईएसएफ की यह ऐतिहासिक यात्रा तटीय सुरक्षा के महत्व के बारे में लोगों को जागरूक करने के लिए प्रारंभ की गई है। यह बल अन्य कानून प्रवर्तन एजेंसियों के साथ मिलकर मछुआरे समुदायों से समुद्र के जरिए ड्रग्स, हथियार और विस्फोटकों की तस्करी जैसी संभावित धमकियों पर नजर रखने की अपील कर रहा है। सीआईएसएफ के सदस्य स्थानीय समुदायों के साथ बेहतर समन्वय स्थापित करने के लिए सार्वजनिक इंटरएक्शन कार्यक्रम आयोजित कर रहे हैं, जिससे सुरक्षा नेटवर्क मजबूत हो सके इन कार्यक्रमों में पश्चिमी तट पर खारवा और कोली मछुआरा समुदायों और पूर्वी तट पर कैबर्ता, नोली, जलरीपेटा, ठोता वेदी, और एगुवापेटा मछुआरा समुदायों का उत्साही समर्थन प्राप्त हुआ है। इन वार्तालाप के माध्यम से इन समुदायों को अपने तटीय जीवन के अनुभवों और उनके जीविकोपार्जन पहलुओं को साझा करने का एक मंच मिला है।

कर्नाटक में करदाता के पैसे से सीएम की हवाई यात्रा, 21 माह में फूंके 32 करोड़; विमान प्रेम पर बरसा विपक्ष

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)

नई दिल्ली। कर्नाटक के मुख्यमंत्री सिद्धरामैया का हेलीकॉप्टर यात्रा को लेकर उनका प्रेम जनता के लिए अतरिक्त आर्थिक दबाव के तौर पर है। जहां सदन में पेश एक रिपोर्ट में बताया गया कि 2023-24 में

सिद्धारमैया की हेलीकॉप्टर यात्राओं पर 12.65 करोड़ रुपये खर्च हुए, जो कि 2024-25 में 15 जनवरी तक यह खर्च बढ़कर 19.35 करोड़ रुपये हो गया। कर्नाटक के मुख्यमंत्री सिद्धारमैया की हवाई यात्रा पर हुए खर्च का विवरण सामने आया है। इसमें हेलीकॉप्टर को लेकर सीएम सिद्धारमैया का प्रेम का चौंकाने वाला रूप देखने को मिला। जहां सरकार ने हाल ही में जो दस्तावेज पेश किए हैं। इसके अनुसार 2023-24 में सिद्धारमैया की हेलीकॉप्टर यात्राओं पर 12.65 करोड़ रुपये खर्च हुए, जो कि 2024-25 में 15 जनवरी तक यह खर्च बढ़कर 19.35 करोड़ रुपये हो गया। सदन में पेश दस्तावेज के अनुसार इसमें सबसे चौंकाने वाली बात यह है कि मुख्यमंत्री ने मैसूर जैसे नजदीकी शहरों के लिए भी हेलीकॉप्टर का उपयोग किया, जबकि बेंगलुरु से मैसूर केवल 1.5 घंटे की ड्राइव दूर है। उदाहरण के तौर पर मैसूर के लिए एक हेलीकॉप्टर यात्रा पर 10.85 लाख रुपये खर्च हुए, जो सड़क मार्ग से बेहद पास है।साथ ही सिद्धारमैया ने दिल्ली और चेन्नई जैसे शहरों के लिए भी चार्टर फ्लाइट्स बुक कीं, जिनकी कीमत बहुत अधिक थी। जैसे कि दिल्ली के लिए एक चार्टर फ्लाइट पर 44.40 लाख रुपये खर्च हुए, जबकि आमतौर पर दिल्ली के लिए एक बिजनेस क्लास टिकट की कीमत सिर्फ 70,000 रुपये के आसपास होती है। अब इस बात पर राज्य की सियासत गर्म हो गई है। जहां विपक्षी पार्टी जेडीएस के नेता टीएन जावरायगौड़ा ने सवाल उठाए हैं और इस खर्च को लेकर मुख्यमंत्री से स्पष्टीकरण मांगा है। सीएम सिद्धारमैया के हवाई खर्च पर भाजपा ने भी निशाना साधा है।

औरंगजेब के नाम पर विवाद आज के दौर में प्रासंगिक नहीं

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)

नागपुर। नागपुर में हाल ही में भड़की हिंसा को लेकर राष्ट्रीय स्वंयसेवक संघ(आरएसएस) की ओर से प्रतिक्रिया सामने आई है।

अखिल भारतीय प्रचार प्रमुख सुनील आम्बेकर का कहना है कि, किसी भी तरह की हिंसा समाज के लिए ठीक नहीं हैं। शंभाजी नगर से औरंगजेब की कब्र को हटाने की वीएचपी और अन्य संगठनों की मांगों के बीच, राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) के प्रवक्ता सुनील आंबेकर ने बड़ा बयान दिया है। उन्होंने बुधवार को कहा कि मुगल बादशाह आज के समय में ठप्रासंगिक नहींठ हैं। उन्होंने जोर देकर कहा कि किसी भी तरह की हिंसा को हतोत्साहित किया जाना चाहिए। आंबेकर ने कहा, औरंगजेब आज प्रासंगिक नहीं हैं। किसी भी तरह की हिंसा को प्रोत्साहित नहीं जाना चाहिए। आरएसएस का यह रुख ऐसे समय में आया है जब औरंगजेब की कब्र को हटाने की मांग और इससे जुड़ी विभिन्न अफवाहों को लेकर नागपुर में भड़की हिंसा के बाद तनाव चरम पर है। अखिल भारतीय प्रचार प्रमुख सुनील आंबेकर का कहना है कि, किसी भी तरह की हिंसा समाज के लिए ठीक नहीं हैं।

यूट्यूब से पहाड़ पर चढ़ना सीख पहुंच गई एवरेस्ट, केरल की वसंती का अब चीन की दीवार है अगला सपना

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)

नई दिल्ली। हौसले बुलंद हों तो

किसी काम को करने में मुश्किलें रुकावट नहीं बनतीं। इसे साबित कर दिखाया है केरल की 59 साल की वासंती चेरुवेटिल ने। उन्होंने बिना किसी औपचारिक प्रशिक्षण के, सिर्फ यूट्यूब वीडियो देखकर एवरेस्ट पर चढ़ाई की तैयारी की। हौसले बुलंद हों तो किसी काम को करने में मुश्किलें रुकावट नहीं बनतीं। इसे साबित कर दिखाया है केरल की 59 साल की वासंती चेरुवेटिल ने। उन्होंने बिना किसी औपचारिक प्रशिक्षण के, सिर्फ यूट्यूब वीडियो देखकर एवरेस्ट पर चढ़ाई की तैयारी की। इसके बाद एवरेस्ट बेस कैंप तक चढ़ाई करने की असाधारण उपलब्धि भी हासिल कर ली। पेशे से दर्जी वासंती ने अब अगला लक्ष्य चीन की दीवार पर जाने का बनाया है।वासंती ने एवरेस्ट बेस कैंप तक चढ़ाई के लिए चार महीने तक यूट्यूब वीडियो के जरिये ही प्रशिक्षण लिया। ऐसा करना किसी के लिए भी बहुत चुनौतीपूर्ण हो सकता है, लेकिन वासंती ने अपने सपने को पूरा करने और हर चुनौती से पार पाने के लिए खुद को तैयार किया। बातचीत में आने वाली दिक्कतों को दूर करने के लिए उन्होंने हिंदी भी सीखी। वह ट्रैकिंग बूट्स पहनकर अपने दोस्तों के साथ रोजाना शाम को 5-6 घंटे पैदल चलती थीं। उन्होंने कहा कि जब उन्होंने अपने दोस्तों को बताया कि वह एवरेस्ट पर जाने के लिए तैयारी कर रही हैं तो उन्हें विश्वास ही नहीं हुआ। वासंती चेरुवेटिल ने मिशन की शुरुआत 15 फरवरी को नेपाल के सुर्के से की। 23 फरवरी को वह 5,364 मीटर की ऊंचाई पर स्थित साउथ बेस कैंप पर पहुंचीं। मिशन के दौरान खड़ी चढ़ाई, संकरे रास्ते और गहरी खाइयां जैसी मुश्किलों के बाद भी वासंती रोजाना 6 से 7 घंटे चढ़ाई करती थीं।

दंगाइयों ने महिला पुलिसकर्मियों के कपड़े फाड़ने की कोशिश की, पेट्रोल बम फेंके

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)

नई दिल्ली। गणेशपेठ पुलिस स्टेशन में दर्ज एफआईआर में कहा गया है कि कुछ लोगों ने भलदारपुरा चौक पर मौजूद पुलिसकर्मियों पर हमला किया। इस दौरान पुलिसकर्मियों पर पेट्रोल बम और पत्थर फेंके गए। एफआईआर के

अनुसार, अंधेरे का फायदा उठाकर भीड़ ने एक महिला पुलिसकर्मी को छूने और उसकी वर्दी फाड़ने की कोशिश की।नागपुर हिंसा के दौरान दंगाइयों की भीड़ ने कुछ महिला पुलिसकर्मियों के कपड़े फाड़ने की कोशिश की और पुलिसकर्मियों पर पत्थर और पेट्रोल बम फेंके। नागपुर हिंसा में दर्ज हुईं एफआईआर में यह खुलासा हुआ है। नागपुर में बीते सोमवार को उस वक्त हिंसा भड़क गई थी, जब विश्व हिंदू परिषद ने मुगल बादशाह औरंगजेब की कब्र हटाने को लेकर विरोध प्रदर्शन किया। इस दौरान अफवाह फैली कि प्रदर्शन के दौरान एक धार्मिक ग्रंथ को जलाया गया। जिससे हिंसा भड़क गई।हिंसा सोमवार शाम करीब साढ़े सात बजे नागपुर के चिटनिस पार्क के महाल इलाके में शुरू हुई। इस दौरान पुलिस पर दंगाइयों की भीड़ ने पथराव कर दिया और पेट्रोल बम भी फेंके गए। दर्जनों वाहनों में आग लगा दी गई। पुलिस ने बताया कि हिंसा के मामले में पांच एफआईआर दर्ज की गई हैं। इनमें से गणेशपेठ पुलिस स्टेशन में दर्ज एफआईआर में कहा गया है कि कुछ लोगों ने भलदारपुरा चौक पर मौजूद पुलिसकर्मियों पर हमला किया।

पीड़ित बच्चियों की पीड़ा को आंसुओं से समझा जाए, चुप्पी आरोपी को राहत देने का आधार नह

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)

नई दिल्ली। शीर्ष अदालत ने राजस्थान हाईकोर्ट के 2013 के फैसले को खारिज कर दिया जिसमें प्रतिवादी चतरा को दोषसिद्धि और सात साल की जेल की सजा को पलट दिया था। पीठ ने पाया कि पीड़िता मामले में मुकरी नहीं है। पीठ ने कहा कि उसके अंदर चुपचाप आघात समाया हुआ है। उसके छोटे कंधों पर पूरे अभियोजन पक्ष का भार डालना अनुचित होगा। सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि यौन उत्पीड़न की शिकार बच्चियों की पीड़ा को आंसुओं से समझना होगा। यौन उत्पीड़न की शिकार बच्ची आंसू बहाने के अलावा कोई बयान नहीं दे पाई तो यह आरोपी को राहत देने का आधार नहीं हो सकता है, जबकि उसके दोषी होने के अन्य सबूत, मेडिकल और परिस्थितिजन्य साक्ष्य मौजूद हों। शीर्ष अदालत ने यह भी कहा कि ऐसा कोई सख्त नियम नहीं है कि पीड़िता के बयान के अभाव में दोषसिद्धि कायम नहीं रह सकती। बच्ची के छोटे कंधों पर पूरे अभियोजन पक्ष का भार डालना अनुचित होगा। जस्टिस विक्रम नाथ और जस्टिस संजय करोल की पीठ ने 3 मार्च, 1986 को दर्ज कक्षा एक की छात्रा के यौन उत्पीड़न से संबंधित मामले में प्रतिवादी चतरा की दोषसिद्धि को पलटने के खिलाफ राजस्थान सरकार की अपील को स्वीकार कर लिया।अपने फैसले में पीठ ने कहा कि यह सच है कि बाल गवाह (पीड़िता) ने अपने खिलाफ अपराध के बारे में कुछ

भी बयान नहीं दिया है। घटना के बारे में पूछे जाने पर, ट्रायल जज ने दर्ज किया कि पीड़िता चुप थी और आगे पूछे जाने पर केवल चुपचाप आंसू बहाए और कुछ नहीं। इसलिए अपराध के बारे में गवाही से कुछ भी पता नहीं लगाया जा सका। पीठ ने कहा कि ङ्कहमारे विचार से इसे प्रतिवादी के पक्ष में एक कारक के रूप में इस्तेमाल नहीं किया जा सकता है। उसके आंसुओं को उनके महत्व के अनुसार समझना होगा। यह चुप्पी प्रतिवादी के लाभ के लिए नहीं हो सकती। यहां चुप्पी एक बच्ची की है। इसे पूरी तरह से जागरूक वयस्क पीड़िता की चुप्पी के बराबर नहीं माना जा सकता है।शीर्ष अदालत ने राजस्थान हाईकोर्ट के 2013 के फैसले को खारिज कर दिया जिसमें प्रतिवादी चतरा को दोषसिद्धि और सात साल की जेल की सजा को पलट दिया था। पीठ ने पाया कि पीड़िता मामले में मुकरी नहीं है। पीठ ने कहा कि उसके अंदर चुपचाप आघात समाया हुआ है। उसके छोटे कंधों पर पूरे अभियोजन पक्ष का भार डालना अनुचित होगा। साथ ही पीठ ने कहा कि लगभग सभी अन्य मामलों में, दुष्कर्म पीड़िता की गवाही मौजूद होती है और यह किसी आरोपी की सजा का एक अनिवार्य हिस्सा होती है लेकिन साथ ही ऐसा कोई कठोर नियम नहीं है कि इस तरह के बयान के अभाव में दोषसिद्धि नहीं हो सकती, खासकर तब जब अन्य साक्ष्य, चिकित्सा और परिस्थितिजन्य, ऐसे निष्कर्ष की ओर इशारा करते हुए उपलब्ध हों। दुख की बात, पीड़िता को भयावह अध्याय को खत्म करने में चार दशक लगे पीठ ने कहा कि यह बहुत दुख की बात है कि नाबालिग लड़की और उसके परिवार को अपने जीवन के इस भयावह अध्याय को बंद करने के इंतजार में लगभग चार दशक गुजारने पड़े।

चुनाव जीता हूं, किसी की कृपा से नहीं आया, गृह मंत्री शाह और टीएमसी नेता के बीच तीखी नोकझोंक

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)

नई दिल्ली। गृह मंत्री ने कहा, बंगाल में सुप्रीम कोर्ट और हाई कोर्ट के आदेश के बाद चुनावी हिंसा के मामले में केस दर्ज हुए हैं। तृणमूल के लोग सुप्रीम कोर्ट और हाईकोर्ट को नहीं मानते हैं।

इस पर तृणमूल सांसद सुष्मिता देव ने कहा, ये लोग कितना अनाप शनाप बोलते हैं, पर हम कुछ नहीं बोलते। सदन में तीखी बहस को देखते हुए सभापति जगदीप धनखड़ ने गोखले से कहा, आपने जो बयान दिया है, उसको वापस लीजिए। राज्यसभा में गृह मंत्रालय के कामकाज पर चर्चा के दौरान बुधवार को गृह मंत्री अमित शाह और तृणमूल कांग्रेस सांसद साकेत गोखले के बीच तीखी बहस देखने को मिली। शाह ने गोखले पर तंज कसते हुए कहा, मैं किसी की कृपा से यहां नहीं आया। चुनाव जीतकर संसद पहुंचा हूं गृह मंत्रालय के कामकाज पर चर्चा के दौरान गोखले ने ईडी और सीबीआई का मुद्दा उठाया। इस पर गृह मंत्री शाह ने कहा, सदन को गोखले गलत तरीके से जानकारी दे रहे हैं। गृह मंत्रालय के कामकाज पर चर्चा हो रही है, लेकिन गोखले ईडी और सीबीआई की चर्चा कर रहे हैं। अगर गोखले इस मुद्दे को लाना चाहते हैं, तो मुझे भी मौका दिया जाए, मैं हर सवाल का जवाब दूंगा। इसके बाद गोखले ने कहा, माननीय मंत्री जी बोलने से पहले ही डर गए हैं। इस पर गृह मंत्री शाह ने कहा, मैं किसी से डरता नहीं हूं। क्योंकि मैं किसी की कृपा के भरोसे यहां नहीं आया हूं। मैं किसी विचारधारा का विरोध करके यहां नहीं आया हूं। मैं चुनाव जीतकर संसद आया हूं गृह मंत्री ने कहा, बंगाल में सुप्रीम कोर्ट और हाई कोर्ट के आदेश के बाद चुनावी हिंसा के मामले में केस दर्ज हुए हैं। तृणमूल के लोग सुप्रीम कोर्ट और हाईकोर्ट को नहीं मानते हैं।

बंगलूरू में कल से संघ की प्रतिनिधि सभा की बैठक, बांग्लादेश हिंसा और शताब्दी वर्ष पर होगा मैराथन मंथन

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)

नई दिल्ली। बंगलूरू के जनसेवा विद्या केंद्र में कल शुरू हो रहे संघ के अखिल भारतीय प्रतिनिधि सभा की तीन दिवसीय अहम बैठक में बांग्लादेश की स्थिति और शताब्दी वर्ष पर प्रस्ताव पारित किए जाएंगे। संघ प्रमुख मोहन भागवत और सरकार्यवाह दत्तात्रेय होसबाले संयुक्त रूप से बैठक का उद्घाटन करेंगे। बंगलूरू के जनसेवा विद्या केंद्र में शुक्रवार से शुरू हो रहे संघ के अखिल भारतीय प्रतिनिधि सभा की तीन दिवसीय अहम बैठक में बांग्लादेश की स्थिति और शताब्दी वर्ष पर प्रस्ताव पारित किए जाएंगे। संघ प्रमुख मोहन भागवत और सरकार्यवाह दत्तात्रेय होसबाले संयुक्त रूप से बैठक का उद्घाटन करेंगे। बैठक में संघ शताब्दी वर्ष और बांग्लादेश की स्थिति पर अलग-अलग प्रस्ताव पेश और पारित किए जाएंगे। बैठक में संघ के विस्तार की व्यापक कार्ययोजना तैयार करने के साथ देश और समाज से जुड़े विभिन्न विषयों पर गहरा मंथन होगा।संघ के अखिल भारतीय प्रचार प्रमुख सुनील आंबेकर ने बताया कि पहला प्रस्ताव बांग्लादेश में हिंदुओं और अन्य अल्पसंख्यकों पर हो रहे अत्याचार और इससे निपटने के लिए भविष्य की कार्ययोजना पर आएगा। उन्होंने कहा कि संघ इस साल विजयदशमी से अगले साल की विजयदशमी तक संघ के शताब्दी वर्ष के रूप में मना रहा है।ऐसे में

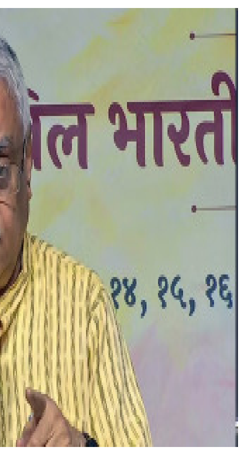

दूसरे प्रस्ताव में संघ की सौ साल की यात्रा, शताब्दी वर्ष के दौरान किए जाने वाले कार्यक्रमों, संगठन का विस्तार और भविष्य की राह पर चर्चा कर विस्तृत कार्ययोजना तैयार की जाएगी। बैठक में संघ प्रमुख भागवत और अन्य वरिष्ठ पदाधिकारियों के एक साल के प्रवास का कार्यक्रम भी तय होगा। बैठक के पहले दिन होसबाले संघ के कार्यों की स्थिति पर रिपोर्ट पेश करेंगे। इसी दौरान अलग-अलग प्रांतों की भी रिपोर्टिंग होगी। संघ के व्यापक प्रचार प्रसार के लिए रणनीति बनेगी। पंच परिवर्तन (सामाजिक समरसता, कुटुम्ब प्रबोधन, स्व का भाव, नागरिक कर्तव्यों का पालन और पर्यावरण संरक्षण) पर भी चर्चा होगी। बैठक में वीर योद्धा रानी अब्बक्का के योगदान पर विशेष वक्तव्य जारी होगा। बैठक के अंतिम दिन रविवार को होसबाले तीन दिवसीय बैठक के संबंध में प्रेस को संबोधित करेंगे। बता दें कि प्रतिनिधि सभा की बैठक में संघ प्रमुख मोहन भागवत के साथ ही संगठन के सभी वरिष्ठ पदाधिकारी, संघ से जुड़े भाजपा सहित 32 संगठनों के पदाधिकारी हिस्सा लेंगे। भाजपा, विहिप, मजदूर संघ, किसान संघ, सेवा भारती जैसे संगठनों के अध्यक्ष, महामंत्री और संगठन मंत्री इस दौरान बैठक में मौजूद रहेंगे। आंबेकर ने इस दौरान पीएम मोदी की प्रस्तावित नागपुर यात्रा पर टिप्पणी करने से इंकार कर दिया। उनसे जब पूछा गया कि संघ मुख्यालय जाने वाले नरेंद्र मोदी देश के पहले प्रधानमंत्री होंगे तो उन्होंने कहा कि उनसे पहले अटल बिहारी वाजपेयी संघ मुख्यालय आ चुके हैं।

खाना एवं सिंघाड़ा की खेती विषयक प्रशिक्षण का शुभारंभ

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)

प्रयागराज। प्रसार निदेशालय सैम हिग्गिनबॉटम कृषि सिंह प्रौद्योगिकी एवं विज्ञान विश्वविद्यालय प्रयागराज दिनांक 1921 मार्च 2025 तक संचालित होने वाले एकत्रित बागवानी विकास मिशन योजना अगस्त जनपद प्रतापगढ़ के कृषि को का में खाद्य सुरक्षा एवं मुख्य आधार कृषि के साथ-साथ आनुसांगिक की फसलों का वैज्ञानिक उत्पादन एवं उपभोग है कृषिको को वैज्ञानिक उत्पादन तकनीकी की जानकारी प्रशिक्षण कार्यक्रम के माध्यम से प्रदान करना प्रसार निदेशालय के मुख्य उद्देश्यों में सम्मिलित है जहां है अपितु इसके उत्पादन के द्वारा कृषक आर्थिक स्तर पर उन्नत हो सकते हैं प्रशिक्षण कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में प्रति कुलपति प्रशासन प्रो डॉक्टर विश्व स्वरूप मेहरा ने किसी को को बताया कि यह विश्वविद्यालय विगत शताब्दी से कृषि को की सेवा में कार्यरत है

तीन दिवसीय कृषक प्रशिक्षण कार्यक्रम का शुभारम्भ किया गया उपरोक्त प्रशिक्षण कार्यक्रम के उद्घाटन समारोह में कृषि को को संबोधित करते हुए निर्देश प्रसाद डॉक्टर प्रवीण चरण ने कृषि को सिंघाड़ा एवं मखाना की खेती में विधि कारण अपनाते हुए संरक्षित खेती को बढ़ावा देने की सलाह दी उन्होंने बताया कि वर्तमान में परिप्रेक्ष्य पर विश्वविद्यालय का ध्येय करो और सीखो है जो न सिर्फ विश्वविद्यालय के छात्रों अपितु प्रशिक्षणार्थी कृषिको बताया जाती है इस अवसर पर उन्होंने मखाना एवं सिंघाड़े की खेती एवं उपभोग पर विशेष बल देते हुए कहा कि दैनिक जीवन में मखाने एवं सिंघाड़े के उपयोग ने सिर्फ स्वास्थ्य संबंधित समस्याओं को दूर की जा सकती एवं शोध शिक्षक एवं प्रसार के माध्यम से कृषि को के बीच अपनी एक अलग पहचान स्थापित कर चुका है यह विश्वविद्यालय भारत की ही नहीं एशिया महाद्वीप एवं सबसे पुराना कृषि संस्थान है जिसमें किसी को को कृषि की प्रयोगिक शिक्षा प्रदान की जा रही है इस संस्था में विश्वविद्यालय के रूप में संस्थापित होने वाले उपरांत उत्तर प्रदेश सरकार के सहयोग से कृषि को का कृषि एवं संबंधित क्षेत्र में प्रशिक्षण का कार्यक्रम का प्रदेश निदेशालय के माध्यम से निरंतर संचालित किया जा रहा है जिसका क्षेत्र में उत्पादकता एवं कृषि कार्य में वृद्धि के रूप में प्रदर्शित होने आरंभ हो चुका है प्रसाद निदेशालय के वैज्ञानिकों के कृषि को हेतु उपयोगी ज्ञान में प्रभावित होकर विंध्याचल एवं प्रयागराज के मंडलों के कृषि एवं विश्वविद्यालय में प्रशिक्षण हेतु सदैव तत्पर रहते हैं प्रशिक्षण संवेग डॉक्टर टीडी मिश्रा ने कृषि को को संबोधित करते हुए बताया कि सिंघाड़े एवं मखाने का उपयोग दैनिक जीवन में प्राय व्रत के समय किया जाता है मखाना एवं सिंघाड़े का प्रयोग से महिलाएं एवं बच्चों के कुपोषण की समस्या का प्रभाव रूप से दूर किया जा सकता है इसके प्रयोग से फाइबर की कमी को पूर्णता दूर किया जा सकता है इसके प्रयोग से महिलाओं बच्चों एवं वृद्धो के प्रचुर मात्रा में पोषक तत्वों की प्राप्ति हो जाती है इस अवसर पर उन्होंने सिंघाड़े एवं मखाने के प्रसंस्कृत उत्पादों को घरेलू एवं व्यावसायिक स्तर पर तैयार करने की तकनीकी जानकारी प्रदान की कार्यक्रम में प्रसार निदेशालय के वैज्ञानिक डॉक्टर सुशील कुमार डॉक्टर मनीष कुमार केसरवानी डॉक्टर योगेश चंद्र श्रीवास्तव डॉक्टर शैलेंद्र कुमार सिंह डॉक्टर मदन सिंह सेन वे मेट मोटीवेटर श्रीमती मीना नेतहाँ उपस्थित रहे एवं प्रतिभागी कृषि को का मार्गदर्शन किया।

मुगल आक्रांता औरंगजेब का महिमा मंडन देश नहीं करेगा बर्दाश्त

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)

प्रयागराज। डिप्टी सीएम केशव प्रसाद मौर्य बुधवार को प्रयागराज पहुंचे। पत्रकारों से बातचीत करते हुए केशव ने कहा कि महाराष्ट्र में जिन लोगों ने हिंसक कृत्य किया है उनके खिलाफ महाराष्ट्र की सरकार कार्रवाई कर रही है। केशव ने कहा कि मुगल आक्रांता औरंगजेब का महिमा मंडन यह देश बर्दाश्त नहीं करेगा। डिप्टी सीएम केशव प्रसाद मौर्य ने नागपुर में हुई हिंसा की घटना को लेकर सपा प्रमुख अखिलेश यादव पर निशाना साधा। उन्होंने कहा कि अगर अखिलेश यादव के मन में सचमुच छत्रपति शिवाजी के लिए सम्मान है तो उन्होंने अब तक औरंगजेब का महिमा मंडन करने वाले अबू आजमी अब तक समाजवादी पार्टी में क्यों हैं। अबू आजमी के खिलाफ कार्रवाई नहीं होना यह साफ करता है कि यह

पार्टी अब भी घटिया और घिनौनी राजनीति में ही यकीन रखती है।प्रयागराज पहुंचे डिप्टी सीएम ने संवाददाताओं से हुई बातचीत में कहा कि औरंगजेब व दूसरे मुगल आक्रमणकारियों का महिमा मंडन न महाराष्ट्र ने बर्दाश्त किया और ना ही यूपी बर्दाश्त करेगा। हिंसा की घटनाओं को रोकने के लिए महाराष्ट्र भी तैयार है और यूपी भी तैयार है। केशव ने कहा कि नागपुर में जो हिंसा हुई उसे लेकर महाराष्ट्र सरकार कड़ी कार्रवाई कर रही है। केशव मौर्य ने कहा कि अखिलेश यादव ने महाकुंभ को लेकर भी लगातार सवाल उठाए थे। अखिलेश यादव ने अभी तक तुष्टिकरण की राजनीति नहीं छोड़ी है।उनकी इस तुष्टिकरण की राजनीति से प्रदेश और देश का बहुत नुकसान हुआ है। नागपुर हिंसा में आरएसएस की भूमिका पर पूछे सवाल के जवाब में केशव मौर्य ने अखिलेश यादव और लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी पर निशाना साधते हुए कहा है कि यह दोनों राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ को लेकर हमेशा गलत बयानी करते हैं। आरएसएस के बारे में विपक्ष को एबीसीडी भी नहीं पता। कहा कि राहुल और अखिलेश को संघ की शाखाओं में जाना चाहिए। एक साल संघ की शाखाओं चले जाएंगे तो उसके बारे में सोच बदल जाएगी ।

एस0 बी0 एस ग्रुप आफ इंस्टीट्यूशन झूंसी प्रयागराज में प्रमाण पत्र वितरण

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)

प्रयागराज। इंस्टीट्यूट आफ लॉ एण्ड सोशल साइंस ,छतनाग, झूंसी प्रयागराज में आज छात्र एवं छात्राओं को इंर्टनशिप का सर्टिफिकेट प्रदान किया गया हैं। यह इंर्टनशिप इलाहाबाद उच्च न्यायालय कराया गया है। इलाहाबाद हाईकोर्ट के स्टैडिंग कौंसिल अनुभव चंद्रा जी के कुशल मार्गदशन में कराया गया हैं एवं उन्होने छात्र एवं छात्राओं के उज्जवल भविष्य की कामना की है। इस इंर्टनशिप के दौरान छात्र एवं छात्राओं को इलाहाबाद हाईकोर्ट की कार्यवाही को देखने का अनुभव प्राप्त हुआ साथ ही साथ छात्र एवं छात्राओं ने बार और बेंच के रिस्ते को अच्छे से समझनें का प्रयास किया। सभी छात्र एवं छात्राओं को सर्टिफिकेट कालेज के प्रचार्य अजीत सिंह के द्वारा प्रदान किया गया इस मौके पर असिस्टेंट प्रोफेसर संदीप श्रीवास्तव, प्रज्ञा श्रीवास्तव, शिवांगी सिंह, अंकिता सिंह एवं राम दीन चौबे उपस्थित रहें।

कमला नेहरू अस्पताल के छात्रावास में लगी भीषण आग, दमकल की कई गाड़ियां मौके पर

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)

प्रयागराज। बालसन चौराहे के पास कमला नेहरू अस्पताल के सामने स्थित छात्रावास में लगी आग लग गई। देखते ही देखते आग ने भीषण रूप धारण कर लिया। इससे अफरा तफरी मच गई। सूचना पाकर दमकल की कई गाड़ियां मौके पर पहुंच गई हैं। बालसन चौराहे के पास कमला नेहरू अस्पताल के सामने स्थित छात्रावास में लगी आग लग गई। देखते ही देखते आग ने भीषण रूप धारण कर लिया। इससे अफरा तफरी मच गई। सूचना पाकर दमकल की कई गाड़ियां मौके पर पहुंच गई हैं। जब तक आग बुझाया जाता तब तक काफी नुकसान हो चुका है।

नगर संसाधन केन्द्र प्रयागराज में हमारा आँगन हमारे बच्चे कार्यक्रम सम्पन्न

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)

प्रयागराज। नगरसंसाधन केन्द्र प्रयागराज में खण्ड शिक्षा अधिकारी नगरक्षेत्र श्रीमती प्रतिभा सिंह एवम आप द्वारा शिक्षकों , आँगनबाड़ी कार्यकत्रियों , एवम बच्चों का मार्गदर्शन एवम प्रोत्साहन किया गया कार्यक्रम में संकुल एलनगंज और कुमार ,श्रीमती अनुरागिनी सिंह ,सुश्री अनीता सोनकर ,श्री अशोक कुमार ,व डा स्मिता श्रीवास्तव , समस्त शिक्षक संकुल, समस्त

सुश्री नीलम शाक्यवार जी की अध्यक्षता में आयोजित किया गया । इस कार्यक्रम में मुख्य अतिथि माननीय महापौर प्रयागराज श्री उमेश चन्द्र गणेश केसरवानी जी व विशिष्ट अतिथि परम आदरणीय जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी प्रयागराज श्री प्रवीण कुमार तिवारी जी की गौरवमयी उपस्थिति रही । सकुल साउथ मलाका से पाँच - पाँच बच्चों को मोमेंटो ,प्रमाणपत्र व स्टेशनरी देकर माला पहनाकर सम्मानित किया गया । इस वर्ष 31 मार्च 2025 को सेवानिवृत्त वाले शिक्षकों को भी शाल व मोमेन्टो देकर सम्मानित किया गया। इस कार्यक्रम में समाज सेवी श्री प्रमिल केसरवानी , एआरपी श्री अजय प्रधानाध्यापक ,नोडल शिक्षक ,आँगनबाड़ी कार्यकत्री ,सुपरवाइज़र ,व बच्चे उपस्थित रहे । कार्यक्रम का संचालन श्री अजय कुमार ए आरपी व श्री अमान उल्ला इंचार्ज प्रधानाध्यापक कम्पोजिट विद्यालय राजापुर 1 नगरक्षेत्र प्रयागराज जी द्वारा किया गया ।

राज्य कृषि सेवा मुख्य परीक्षा 23 मार्च से, प्रवेश पत्र जारी, 268 पदों पर होनी है भर्ती

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)

प्रयागराज। राज्य कृषि सेवा के 268 पदों पर भर्ती के लिए प्रारंभिक परीक्षा में 2029 अभ्यर्थियों को सफल घोषित किया गया था। इनमें से मुख्य परीक्षा के लिए आवेदन करने वाले 44 अभ्यर्थियों की दावेदारी विभिन्न कारणों से निरस्त की जा चुकी है। उत्तर प्रदेश लोक सेवा आयोग (यूपीपीएससी) ने सम्मिलित राज्य कृषि सेवा मुख्य परीक्षा-2024 का कार्यक्रम जारी कर दिया है। यह परीक्षा 23 से 26 मार्च तक दो सत्रों में सुबह 9.30 से दोपहर 12.30 बजे और अपराह्न दो से शाम पांच बजे तक लखनऊ स्थित यूपीपीएससी के शिविर कार्यालय में आयोजित की जाएगी। अभ्यर्थियों के प्रवेशपत्र आयोग की वेबसाइट पर उपलब्ध हैं। राज्य कृषि सेवा के 268 पदों पर भर्ती के लिए प्रारंभिक परीक्षा में 2029 अभ्यर्थियों को सफल घोषित किया गया था। इनमें से मुख्य परीक्षा के लिए आवेदन करने वाले 44 अभ्यर्थियों की दावेदारी विभिन्न कारणों से निरस्त की जा चुकी है।

NAINI INDUSTRIAL TRAINING CENTRE

(Govt. Affiliated, Star Graded, Record Holder, ISO Certified Training Centre)

सर्टिफिकेट इन फायर सेफ्टी एण्ड इण्डस्ट्रीयल सिक्योरिटी

फायर सेफ्टी पर जिसकी कमाण्ड, उसकी ही है ग्लोबल डिमाण्ड

कोर्स के बाद सेफ्टी सुपरवाइजर, फायर प्रोटेक्शन, सिक्योरिटी एडमिनिस्ट्रेटर आदि विभिन्न पदों पर नियुक्ति मिल जाती है। रिलीफ एजेन्सी N.G.O., डिफेन्स सर्विसेज फायर सर्विस आर्डिनेन्स फैक्ट्री, महानगर पालिका, नगर निगम, एयरपोर्ट, पावर प्लांट, स्टील प्लान्ट, माइनिंग इन्डस्ट्रीज, पेट्रोलियम कम्पनी, फूड इण्डस्ट्रीज, रिफाइनरीज, टेक्सटाइल मिल, टावर कम्पनी, इलेक्ट्रानिक कम्पनी, कोयले की खदानों एवं जहाजों आदि क्षेत्रों में फायर सेफ्टी के जानकारों को बहुत अधिक मौका मिलता है

श्री महन्तू

अग्निशमन सुरक्षा अधिकारी नैनी, प्रयागराज

नोटः फायर सेफ्टी कोर्स करें और देश -विदेश, सरकारी और प्राइवेट क्षेत्रों में अच्छे पैकेज के साथ नौकरी पायें।

Visit us at www.nainiiti.com Call: 9415608710, 7459860480

Enjoy Publicity

प्रदेश आस/पास

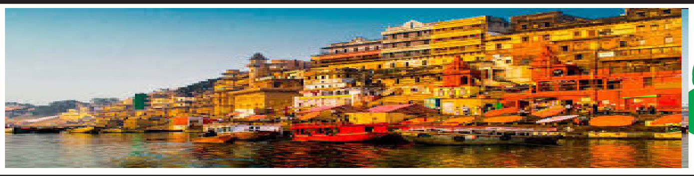

भारत

त्रिस्तरीय पंचायत सामान्य निर्वाचन, 2026 हेतु निर्वाचक नामावली पुनरीक्षण के लिए अधिकारी नियुक्त

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)
रायबरेली। अपर जिलाधिकारी (प्रशासन)/निर्वाचक रजिस्ट्रीकरण अधिकारी पंचायत निर्वाचक नामावली पुनरीक्षण रायबरेली सिद्धार्थ ने बताया है कि राज्य निर्वाचन आयोग, उत्तर प्रदेश लखनऊ के आदेशानुसार एवं जिला मजिस्ट्रेट/जिला निर्वाचन अधिकारी (पंचायत एवं नगरीय निकाय) रायबरेली हर्षिता माथुर के आदेश के क्रम में त्रिस्तरीय पंचायत सामान्य निर्वाचन, 2026 हेतु निर्वाचक नामावली पुनरीक्षण हेतु प्रत्येक तहसील के उप जिलाधिकारी को अपने क्षेत्राधिकार के अंतर्गत सहायक निर्वाचक रजिस्ट्रीकरण अधिकारी, प्रत्येक तहसील में तहसीलदार को अपने क्षेत्राधिकार के अन्तर्गत सहायक निर्वाचक रजिस्ट्रीकरण अधिकारी के सहयोग हेतु अतिरिक्त सहायक निर्वाचक रजिस्ट्रीकरण अधिकारी, प्रत्येक विकास खण्ड में सम्बन्धित खण्ड विकास अधिकारी को समन्वयक अधिकारी एवं सहायक विकास अधिकारी (पंचायत) को सहायक समन्वयक अधिकारी के पद पर नियुक्त किया है। समस्त उपजिलाधिकारी/सहायक निर्वाचक रजिस्ट्रीकरण अधिकारी अपर जिलाधिकारी (प्रशासन)/निर्वाचक रजिस्ट्रीकरण अधिकारी के नियंत्रण और निदेशन में रहते हुए आयोग के निर्देशानुसार निर्वाचक रजिस्ट्रीकरण अधिकारी के समस्त कृत्यों का पालन करने के लिए उत्तरदायी होगा। समस्त खण्ड विकास अधिकारी/समन्वयक अधिकारी एवं समस्त सहायक विकास अधिकारी (पंचायत)/सहायक समन्वयक अधिकारी निर्वाचक रजिस्ट्रीकरण अधिकारी/सहायक निर्वाचक रजिस्ट्रीकरण अधिकारी तथा निर्वाचकों के मध्य समन्वयक का कार्य करेंगे तथा सहायक निर्वाचक रजिस्ट्रीकरण अधिकारी के कार्य में पूर्ण सहायता देंगे। सहायक निर्वाचक रजिस्ट्रीकरण अधिकारी द्वारा इस निमित्त आयोग के आदेशों/निर्देशों के अधीन रहते हुए ग्राम पंचायतों की वार्डवार तथा मतदान स्थलवार निर्वाचक नामावली तैयार किये जाने, उसके पुनरीक्षण और प्रकाशन के लिए ऐसे कर्मचारियों जैसा पर्यवेक्षक, बी0एल0ओ0 आदि को जैसा ये उचित समझें, तैनात किया जाएगा तथा पर्यवेक्षकों और बी0एल0ओ0 को प्रशिक्षण विकास खण्ड स्तर पर सहायक निर्वाचक रजिस्ट्रीकरण अधिकारी, अतिरिक्त सहायक निर्वाचक रजिस्ट्रीकरण अधिकारी, खण्ड विकास अधिकारी एवं सहायक विकास अधिकारी (पंचायत) द्वारा दिया जाएगा।

बीएचयू के चिकित्सा अधीक्षक सहित पांच के खिलाफ केस दर्ज, फर्जी जीएसटी नंबर के मामले में हुई कार्रवाई

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)
वाराणसी। बीएचयू अस्पताल की ओर से डायग्नोस्टिक इमेजिंग सेवाओं के संचालन, रखरखाव और प्रबंधन के सेवा प्रदाता के चयन के लिए टेंडर जारी किया गया था। शिकायतकर्ता का आरोप है कि उसका टेंडर निरस्त कर दिया गया था बीएचयू के सर सुंदरलाल अस्पताल के चिकित्सा अधीक्षक प्रो. कैलाश कुमार, रेडियोलॉजी विभाग के विभागाध्यक्ष डॉ. एनडी द्विवेदी, चिकित्सा अधीक्षक कार्यालय की डिप्टी रजिस्ट्रार रश्मि रंजन और पल्स डायग्नोस्टिक के एमडी मनोज कुमार शाह व निदेशक सुनैना बिहानी के खिलाफ लंका थाने में मुकदमा दर्ज किया गया है। ये कार्रवाई अदालत के आदेश पर की गई है। अदालत ने लंका थानाध्यक्ष को मुकदमा दर्ज करने का आदेश दिया था। केस दर्ज करने का आदेश एसीजेएम तृतीय पवन कुमार सिंह-घ्घ् की अदालत ने रश्मि नगर, लंका के नोबल हेल्थ सर्विस के डॉ. उदयभान सिंह के प्रार्थना पत्र पर दिया है। मामला बीएचयू अस्पताल के एक टेंडर में अनियमितता बरतने के आरोप से संबंधित है।डॉ. उदयभान सिंह के अनुसार, बीएचयू के सर सुंदरलाल अस्पताल की ओर से छह अगस्त 2024 को पीपीपी मोड पर डायग्नोस्टिक इमेजिंग सेवाओं के संचालन, रखरखाव और प्रबंधन के सेवा प्रदाता के चयन के लिए टेंडर जारी हुआ था। 19 सितंबर 2024 को उन्होंने भी टेंडर भरा। टेंडर के तकनीकी मूल्यांकन समिति के अध्यक्ष व समन्वयक प्रो. कैलाश कुमार थे। डॉ. एनडी द्विवेदी और रश्मि रंजन कमेटी की सदस्य थीं। 30 दिसंबर 2024 को उन्हें सूचना दी गई कि तकनीकी मूल्यांकन समिति ने उनका टेंडर निरस्त कर दिया। डॉ. उदयभान सिंह ने बताया कि उनका टेंडर निरस्त होने से निराशा हुई। पता किया तो सामने आया कि टेंडर भरने में पल्स डायग्नोस्टिक के मनोज कुमार शाह और सुनैना बिहानी ने फर्जी जीएसटी नंबर का इस्तेमाल किया है। इसके बावजूद पल्स डायग्नोस्टिक के टेंडर को तकनीकी मूल्यांकन समिति ने अप्रूव कर दिया। डॉ. सिंह ने कहा कि पांचों लोगों ने विश्वविद्यालय के पैसे को हड़पने की नीयत से फर्जी कागजात की मदद से टेंडर की कार्रवाई मनमाने ढंग से की।

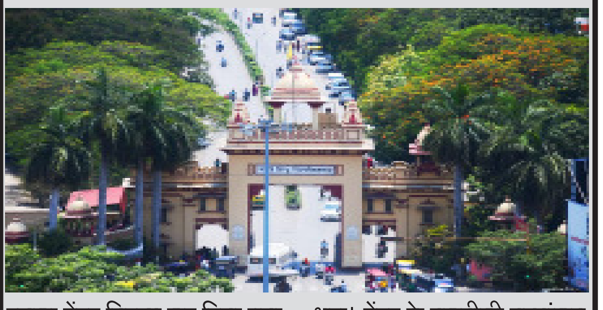

बलिया में पुलिस मुठभेड़ में चार बदमाश गिरफ्तार, एक को लगी गोली एटीएम से करते थे फ्रॉड

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)
बलिया। बलिया जिले की पुलिस को बड़ी कामयाबी मिली है। पुलिस और बदमाशों की मुठभेड़ के दौरान चार बदमाशों को गिरफ्तार किया गया है। एक के पैर में गोली लगी है, जिसे अस्पताल में भर्ती कराया गया है। त्तें ष्गिस नैः पुलिस एवं बदमाशों के बीच बुधवार की रात्रि करीब दो बजे हृदयाचक तिराहे से पीपा पुल पर जाने वाले मार्ग पर मुठभेड़ हो गई। जिसमें एक बदमाश के पैर में गोली लग गई। जिससे वह घायल हो गया। इस दौरान पुलिस ने चार आरोपियों को गिरफ्तार किया। पुलिस सभी से पूछताछ कर रही है। वहीं घायल आरोपी को जिला अस्पताल में इलाज के लिए भर्ती कराया गया। वहीं पकड़े गए आरोपियों के विरुद्ध संबंधित धाराओं में मुकदमा दर्ज कर अग्रिम कार्रवाई की जा रही है।मिली जानकारी के अनुसार हल्दी थाना पुलिस ने मुखबिर की सूचना पर हृदयाचक से पीपापुल जाने वाले मार्ग पर एक कार से जाते हुए चार संदिग्ध लोगों को रोककर चेकिंग करने का प्रयास किया। लेकिन चारों उतरकर पुलिस को चकमा देकर भागने लगे। इस दौरान एक बदमाश ने पुलिस पर अवैध असलहे से फायर कर दिया। जवाबी कार्रवाई में हल्दी पुलिस ने थानाध्यक्ष विश्वदीप के नेतृत्व में कार्रवाई की। जिसमें एक अभियुक्त के दाहिने पैर में गोली लग गई। इसके बाद पुलिस ने चारों आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया। पूछताछ में घायल बदमाश ने अपना नाम व पता बच्चा लाल पुत्र स्व रामचन्द्र महतो निवासी हरदिया थाना रघुनाथपुर जिला मोतीहारी (पूर्वी चम्पारण) बिहार बताया। जिसे इलाज के लिए पुलिस टीम द्वारा जिला चिकित्सालय में भर्ती कराया गया। वहीं अन्य आरोपियों की पहचान साहेब कुमार पुत्र नारद महतो निवासी मढ़िया बरियारपुर थाना पीयरा कोठी जिला मोतीहारी पूर्वी चम्पारण बिहार, मदन महतो पुत्र वासुदेव महतो निवासी पंडीतपुर थाना पीयरा कोठी जिला मोतीहारी (पूर्वी चम्पारण) बिहार, लालबाबू महतो पुत्र श्रवण महतो निवासी पंडितपुर थाना पीयरा कोठी जिला मोतिहारी (पूर्वी चम्पारण) बिहार के रूप में हुई। अभियुक्तों के कब्जे से दो अवैध तमंचा, चार कारतूस, 63 एटीएम कार्ड, एक कार के साथ ही 7688 रुपये नगद बरामद किया। चारों ने पूछताछ में बताया कि इनका एक गैंग है, जो बलिया सहित अन्य स्थानों पर लोगों से एटीएम कार्ड बदलकर उनका पैसा निकाल लेते हैं या ट्रांसफर कर लेते हैं। चारों आरोपी फ्रॉड किए गए पैसे को अपने में बांट लेते हैं। बताया कि सभी बलिया में कई बार आकर घटना को अंजाम दे चुके हैं। इसी तरह यूपी के अन्य जनपदों और दिल्ली में भी इस तरह का काम करते हैं। गिरफ्तार आरोपियों के विरुद्ध बलिया, दिल्ली सहित अन्य जगहों पर विभिन्न मुकदमें दर्ज है। इस बाबत अपर पुलिस अधीक्षक दक्षिणी कृपाशंकर ने बताया कि एटीएम बदलकर फ्रॉड करने वाले चार आरोपियों के आने की पुलिस को सूचना मिली। जिसके बाद पुलिस ने घेराबंदी कर उन्हें पकड़ने का प्रयास किया। लेकिन उन्होंने पुलिस पर फायर झोंक दिया। जवाबी कार्रवाई करते हुए पुलिस ने भी फायर किया। जिसमें बच्चा लाल के पैर में गोली लगी। पुलिस ने घायल समेत चार आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया। वहीं घायल का इलाज जिला अस्पताल में चल रहा है, जो खतरे से बाहर है। सभी आरोपियों के विरुद्ध कार्रवाई की जा रही है।

पुलिस को देख 25 हजार के इनामी बदमाश ने झोंकी फायरिंग, जवाबी कार्रवाई में लगी गोली

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)
गाजीपुर। गाजीपुर पुलिस ने 25 हजार के इनामी बदमाश को मुठभेड़ के दौरान गिरफ्तार किया। पुलिस की जवाबी कार्रवाई में बदमाश को गोली लगी है। गाजीपुर जिले के बरेसर और करीमुद्दीनपुर थाने की संयुक्त पुलिस टीम को बड़ी सफलता हाथ लगी है। मुठभेड़ के दौरान पुलिस ने 25 हजार के इनामी बदमाश महावीर यादव को गिरफ्तार किया। पुलिस की गोली से बदमाश घायल हो गया। थानाध्यक्ष बरेसर संतोष कुमार पाठक मय फोर्स रात में अलावलपुर में गश्त कर रहे थे। इसी दौरान कंट्रोल रूप से सूचना मिली कि प्रभारी निरीक्षक थाना करीमुद्दीनपुर एक बदमाश का पीछा कर रहे हैं। कामुपुर अंडरपास से बाराचवर के रास्ते होते हुए जहूराबाद की तरफ बढ़ रहे हैं। थानाध्यक्ष संतोष कुमार पाठक मय हमराह जैसे ही सिपाह पुलिया के पास पहुंचे कि सामने से तेज रफ्तार में आ रहा बाइक सवार पुलिस को देख वाहन घुमाने लगा। इसी दौरान वह अनियंत्रित होकर गिर गया। पुलिस उसे रोकने के लिए कहा तो फायर करने लगा। जवाबी कार्रवाई में पुलिस ने भी गोली चलाई, जो बदमाश के बांये पैर में लगी, जिसके बाद पुलिस ने उसे दबोच लिया। पुलिस के मुताबिक उसने अपना नाम महावीर यादव (21) निवासी ग्राम गन्धपा थाना करीमुद्दीनपुर बताया। पुलिस ने उसके पास से एक देशी तमंचा 0.315 बोर व एक कारतूस .315 बोर बरामद किया। पुलिस के मुताबिक वह करीमुद्दीनपुर का वांछित है। उसके खिलाफ करीमुद्दीनपुर थाने में गैंगस्टर, नोनहरा, बरेसर में भी मुकदमें दर्ज है।

स्कूल से जा रही प्रधानाध्यापिका पर हमला, बाइक सवार बदमाशों ने गाड़ी का तोड़ा शीशा

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)
मऊ। मऊ जिले की पुलिस को बलिया की महिला ने तहरीर देकर अज्ञात बदमाशों पर हमला करने का आरोप लगाया है। उन्होंने बताया कि मिश्रौली प्राथमिक विद्यालय में प्रधानाध्यापिका पद पर कार्यरत हैं। स्कूल से लौटते समय बदमाशों ने वारदात को अंजाम दिया। बलिया जिले की एक महिला ने मऊ जिले के कोपागंज थाने में अज्ञात बदमाशों के विरुद्ध तहरीर दी। आरोप लगाया कि बुधवार को स्कूल से लौटते समय उसकी चार पहिया गाड़ी पर अज्ञात बदमाशों ने हमला कर दिया। पुलिस मामले की जांच पड़ताल में जुटी है।बलिया जनपद के भीमपुरा थाना क्षेत्र के हसनपुर गांव निवासिनी तारा देवी पत्नी विश्राम यादव ने बताया कि रतनपुरा शिक्षा क्षेत्र के मिश्रौली प्राथमिक विद्यालय में प्रधानाध्यापिका पद पर कार्यरत हैं। बुधवार की देर शाम उन्होंने कोपागंज थाने में तहरीर देकर बताया कि प्रतिदिन की भांति बुधवार को अपने प्राथमिक विद्यालय से छुट्टी होने के बाद चार पहिया गाड़ी से घर जा रही थीं। गाड़ी उनका लड़का आशुतोष यादव चला रहा था। बताया कि जैसे ही कोपागंज थाना क्षेत्र के भाजहंवा कसारा गौशाला के पास सम्हस्ता मोड़ पर गाड़ी मुड़ी। पहले से घात लगाकर बैठे सात अज्ञात लोगों ने गाड़ी के सामने अपनी बाइक लाकर खड़ा कर दिया। जिससे गाड़ी को रोकना पड़ा। गाड़ी रुकते ही अज्ञात लोग हॉकी, बैट, लाठी से ताबड़तोड़ प्रहार करने लगे। जिससे गाड़ी के सभी शीशे टूट गए और उन्हें भी चोटें आईं। जब शोर मचाया गया तो गाड़ी की चाभी निकालकर जान से मारने की धमकी देने लगे। इसके बाद तीन बाइक पर सवार सभी आरोपी फरार हो गए। इस संदर्भ में थानाध्यक्ष कोपागंज विजय प्रकाश मौर्य ने बताया कि मामला संज्ञान में है। पुलिस मामले में छानबीन कर रही है।

सनातनी आस्था का विदेशों में प्रभाव ; आस्ट्रेलिया में पिता की मौत, बेटे ने काशी में किया तर्पण

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)
वाराणसी। सनातनी आस्था का प्रभाव विदेशों में बढ़ रहा है। कहते हैं कि काशी में किया गया पिंडदान और तर्पण पितरों को मुक्ति देने का माध्यम बनता है। घाट किनारे आए मैथ्यू को देखने के लिए तब भीड़ उमड़ी जब उसने तर्पण कर्म की शुरूआत की। जानकारी के अनुसार उसके पिता की मौत आस्ट्रेलिया में हुई थी और उनकी इक्षा थी कि काशी के घाट किनारे उनका तर्पण हो। मोक्ष की भूमि, अर्पण की भूमि और तर्पण की भूमि है काशी। यहां पर पितरों के मोक्ष के लिए पूजन करने के लिए देश-विदेश से लोग आते रहते हैं। पुरखों को नमन और तर्पण करने का काम काशी की इस धरती पर किया जाता है। इस बार आस्ट्रेलिया नागरिक मैथ्यू काशी में चर्चा का विषय हैं। उन्होंने बुधवार को गंगा घाट पर तर्पण किया और कहा अब हर साल बनारस आकर अपने पिता का श्राद्ध कर्म करेंगे। काशी पहुंचे मैथ्यू ने कहा कि वे हर साल काशी में पितृ कार्य करने आयेंगे। उनके पिता की मृत्यु हो गई थी। उन्होंने काशी आने का कारण बताते हुए कहा कि यह एक धार्मिक स्थल है। इसलिए यह किसी भी कर्म-कांड के लिए बेहतर स्थान है। लेकिन, पितृ कार्य और श्राद्ध कार्य यहां पर स्पेशल किए जाते हैं, जिसके लिए यह उत्तम स्थान है। बनारस मोक्ष धाम है। मैथ्यू अपने बातचीत में बताया कि उनके पिताजी एक हिंदू थे। और उन्होंने ऑस्ट्रेलिया में ही शादी की थी उन्होंने बताया कि मेरी माता क्रिश्चियन थी मेरे पिता ने मेरी माता से कहा था कि जब उनका निधन होगा तो उन्हें दफन न करके अग्नि से जलाया जायेगा। लेकिन मेरी माता ने ऐसा नहीं किया उसे समय मैं बहुत छोटा था अब जब हमने सनातन के बारे में जाना उसके बारे में बेहद करीब से जानकारी हासिल की तो मैं अपने पिता के तर्पण के लिए काशी आया हूं। ऑस्ट्रेलिया से वाराणसी मैथ्यू ने बताया कि उन्हें सनातन धर्म से प्रेम हो गया है उन्होंने यह भी बताया कि बहुत से लोगों ने सनातन धर्म को अपनाया है मेरी भी इच्छा है उन्होंने बताया कि मेरे देश में बहुत से ऐसे लोग हैं जो भारत के संस्कृति से प्रेम करते हैं। वह इन दोनों काशी में है उनके गाइड ने बताया कि अब तक उन्होंने काशी के सभी प्रमुख मंदिरों में दर्शन पूजन किया है और अगले एक सप्ताह तक वह काशी में भ्रमण करेंगे। तीर्थ पुरोहित पंडित बलराम मिश्र ने बताया कि यह ऑस्ट्रेलिया से बनारस आए थे इन्हें अपने पिताजी का तर्पण करना था गंगा घाट पर बाकायदा तर्पण कराया गया। इन्होंने उसे दौरान पूरे विधि विधान को समझा उनके साथ मौजूद गाइड ने उन्हें इंग्लिश में सभी पूजा के विधान को समझाया । लगभग 1 घंटे तक विधि विधान से उन्होंने पूजा अर्चना की मां गंगा का प्रणाम किया। बलराम मिश्रा ने बताया कि उनकी इच्छा है कि सनातन धर्म को अपनाए इसलिए वाराणसी में भ्रमण करके उसके बारे में विस्तार से जानकारी हासिल कर रहे हैं।

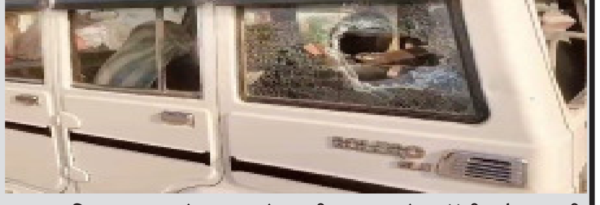

चोरों ने ज्वेलरी की दुकान को बनाया निशाना, सेंध लगाकर उठा ले गए आर्टिफिशियल गहने

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)
मऊ। मऊ जिले में ज्वेलरी की दुकान को चोरों ने निशाना बनाया। दुकान में पीठे से सेंध लगाकर आर्टिफिशियल गहने उठा ले गए। घटना की जानकारी तब हुई जब सुबह बगल की दुकान का मालिक दुकान खोलने पहुंचा। मऊ जिले के मुहम्मदाबाद गोहना कोतवाली क्षेत्र के बरहदपुर पेट्रोल पंप के पास ज्वेलरी की दुकान में सेंध लगाकर चोर आर्टिफिशियल सामान उठा ले गए। दुकान मालिक ने अज्ञात चोरों के खिलाफ पुलिस को तहरीर दी है।कोतवाली क्षेत्र के खैराबाद गांव निवासी अभय वर्मा की बाबा नाम से बरहदपुर पेट्रोल पंप के पास ज्वेलरी की दुकान है। रोज की भांति बुधवार को अपनी दुकान बंद कर अभय वर्मा अपने घर चले गए। बृहस्पतिवार को सुबह बगल के कबाड़ के दुकान मालिक डब्बू निवासी बरहदपुर अपनी दुकान खोलने के लिए गए तो देखा कि ज्वेलरी के दुकान में पीछे से सेंध लगी हुई है। इसकी सूचना अभय वर्मा को दी। मौके पर पहुंचे अभय वर्मा दुकान का ताला खोल कर अंदर घुसे तो सामान बिखरा पड़ा था। दुकान में रखे आर्टिफिशियल सामान जिसकी कीमत लगभग 40 हजार रुपये बताई गई और दुकान में लगे सीसीटीवी का डीसीआर सहित अन्य सामान जिसकी कीमत लगभग 30 हजार रुपये है उसे गायब कर दिया था। दुकान मालिक ने तिजोरी के तरफ देखा तो चोरों द्वारा तिजोरी तोड़ने का पूरा प्रयास किया गया, लेकिन तिजोरी नहीं टूटी। दुकान मालिक ने चोरी की सूचना कोतवाली पुलिस को दी। मौके पर पहुंचे कोतवाल रविंद्र नाथ राय ने घटना की छानबीन की। इस बाबत कोतवाल रवींद्रनाथ राय ने बताया कि पीड़ित द्वारा अज्ञात चोरों के खिलाफ तहरीर मिली है।

आकाशीय बिजली गिरने से तीन की मौत, बाइक से जा रहे थे दंपती व आठ माह का मासूम

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)
गाजीपुर। गाजीपुर जिले में बृहस्पतिवार को दर्दनाक हादसा हुआ। बाइक से जा रहे दंपती व आठ माह का मासूम बिजली की चपेट में आ गए। जिससे तीनों की मौत हो गई। गाजीपुर जिले के दिलदारनगर थाना क्षेत्र के कर्मा गांव के लिंक मार्ग से बृहस्पतिवार को घर जा रहे बाइक सवार पति-पत्नी और पुत्र की आकाशीय बिजली के चपेट में आने से मौत हो गई। सूचना मिलते ही क्षेत्रीय लेखपाल और पुलिस मौके पर पहुंचकर विधिक कार्रवाई में जुट गए। परिजनों की चीख- पुकार से गांव में हड़कंप मचा है। कर्मा गांव निवासी रविशंकर कुशवाहा (32) दिल्ली में रहकर प्राइवेट कंपनी में नौकरी करते थे। रिश्तेदारी में शादी का कार्यक्रम आयोजित होने और होली पर्व पर वह गांव आए थे। बीते 19 मार्च को पत्नी सरोज कुशवाहा (30) और पुत्र अंकुश (8 माह) को लेकर बाइक से नगसर हाल्ट थाना के सरहुला गांव स्थित ससुराल गए थे। बृहस्पतिवार की सुबह वह पत्नी और मासूम पुत्र को लेकर बाइक से घर जा रहे थे। जैसे ही वह मुख्य मार्ग से बाइक गांव के लिंक मार्ग के तरफ लेकर घुमे तेज आवाज के साथ गिरी बिजली के चपेट में आ गए। जिससे पति- पत्नी और मासूम पुत्र अचेत होकर सड़क पर गिर पड़े। आसपास के लोग उन्हें उपचार के लिए दिलदारनगर स्थित निजी अस्पताल ले गए। जहां से चिकित्सकों ने रेफर कर दिया। इसके बाद दूसरे निजी अस्पताल में लेकर पहुंचे, जहां डॉक्टरों ने दंपती और मासूम को मृत घोषित कर दिया गया। इधर, घटना की जानकारी मिलते ही परिवार में कोहराम मच गया। सभी लोग अस्पताल पहुंच गए। तीनों का शव देख घरवाले दहाड़े मारकर रोने-बिलखने लगे। वहीं हादसे की जानकारी मिलते ही क्षेत्रीय लेखपाल और स्थानीय पुलिस अस्पताल पहुंचकर विधिक कार्रवाई में जुट गई। थानाध्यक्ष अशोक मिश्रा ने बताया कि तीनों शवों को कब्जे में लेकर विधिक कार्रवाई की जा रही है।

इकाना स्टेडियम में इन तारीखों पर होंगे सात मैच,ऑनलाइन के साथ मेट्रो स्टेशनों पर भी मिलेंगे टिकट

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)
लखनऊ। आईपीएल 2025 के मैचों के लिए इकाना स्टेडियम में चल रही तैयारियों को अंतिम रूप दिया जा रहा है। यहां पहला मैच एक अप्रैल को और आखिरी मैच 18 मई को होगा। आईपीएल के लिए इकाना स्टेडियम तैयार हो रहा है। बुधवार को जिलाधिकारी विशाख जी ने स्टेडियम, बीसीसीआई, यूपीसीए व अन्य संबंधित एजेंसियों और विभागों के अफसरों के साथ स्टेडियम में बैठक की। बैठक में शामिल पुलिस अफसरों से सुरक्षा व्यवस्था की योजना तैयार की गई। मैचों के दौरान स्टेडियम और उसके आसपास सुरक्षा के पुख्ता इंतजाम किए जाएंगे।इस बार आईपीएल के सात मैच इकाना में होंगे। ये मैच एक, चार, 12, 14 और 22 अप्रैल के साथ ही 9 व 18 मई को होने हैं। मैचों के दौरान खिलाड़ियों, दर्शकों आदि को किसी तरह की कोई दिक्कत का सामना न करना पड़ा इसके लिए डीएम ने सभी अधिकारियों को दिशा-निर्देश दिए।

गोंडा पहुंचे मुख्यमंत्री योगी, युवाओं के हौसले को मिलेगी उड़ान, बांटेंगे 49 करोड़ का ऋण

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)
लखनऊ। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ आज एक दिवसीय दौरे पर गोंडा पहुंचे। इस दौरान वो युवाओं को ऋण वितरित कर उन्हें उद्यम करने के लिए प्रेरित करेंगे। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ एक दिन के भ्रमण पर आज गोंडा पहुंचे। यहां पर वह युवा उद्यमी विकास अभियान के तहत देवीपाटन मंडल के 1,282 युवाओं के हौसले को उड़ान देंगे। इसके चलते ही पुलिस व प्रशासन का पूरा महकमा बुधवार को सीएम के आगमन के दृष्टिगत सुरक्षा इंतजामों को चाकचौबंद बनाने की कवायद में जुटा रहा।प्रशासन से जुड़े अफसरों ने बताया कि सीएम योगी बृहस्पतिवार को दोपहर 12:10 बजे बहराइच के मिहीपुरवा से गोंडा रिजर्व पुलिस लाइन पहुंचेंगे। इसके बाद सीधे गोंडा मेडिकल कॉलेज में मुख्यमंत्री युवा योजना एवं युवा उद्यमियों के स्टार्टअप की प्रदर्शनी का उद्घाटन करेंगे। यहीं पर मुख्यमंत्री युवा उद्यमी विकास अभियान योजना के तहत देवीपाटन मंडल के कुल 1,282 लाभार्थियों को स्वरोजगार शुरू करने के लिए पांच लाख रुपये का ऋण दिया जाएगा।

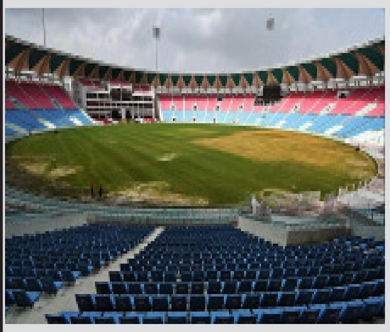

सोनभद्र, मिर्जापुर

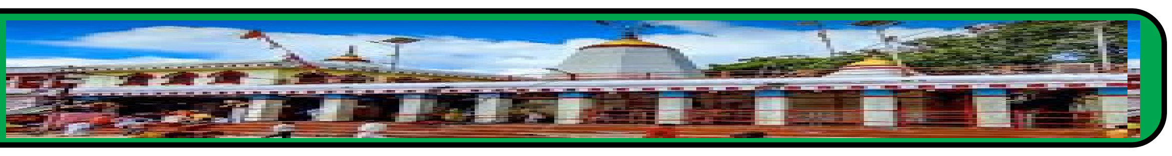

एएसपी ने महिला बीट सुदृढ़ीकरण करने हेतु की बैठक

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)
सोनभद्र। पुलिस लाईन, चुर्क स्थित सभागार में अपर पुलिस अधीक्षक मुख्यालय कालू सिंह द्वारा महिला

बीट सुदृढ़ीकरण के सम्बन्ध में जनपद की समस्त महिला बीट कर्मियों की मीटिंग की गयी। उक्त मीटिंग के दौरान महिला बीट कर्मियों को बीट क्षेत्र में नियमित रूप से भ्रमण करते हुये कार्यक्रम आयोजित कर महिलाओं एवं बालिकाओं को सरकारी योजनाओं जैसे-प्रधानमंत्री मातृ वंदना योजना, बैंकिंग करेस्पोन्डेंट सखी, निराश्रित महिला पेंशन योजना, मुख्यमंत्री सुकन्या समृद्धि योजना, छात्रवृत्ति योजना आदि तथा महिला सम्बन्धी अपराधों से बचाव व रोकथाम, महिला सम्बन्धी कानूनों यथा पोक्सो एक्ट, पोश एक्ट, दहेज प्रतिषेध अधिनियम, बाल विवाह प्रतिषेध अधिनियम आदि के सम्बन्ध में जानकारी प्रदान किये जाने हेतु निर्देशित किया गया। साथ ही बीट क्षेत्र में होने वाले अवैध कार्यों के सम्बन्ध में अभिसूचना संकलन करने तथा अवैध शराब/मादक पदार्थों/छेड़खानी/महिला उत्पीड़न में लिप्त अपराधियों व मनचलों/शोहदों के सम्बन्ध में जानकारी एकत्र किये जाने हेतु निर्देशित किया गया। उक्त के अतिरिक्त महिला बीट कर्मियों से उनके कार्य के सम्बन्ध में प्रश्नोत्तर करते हुये उनसे बीट क्षेत्र के सम्बन्ध में जानकारी प्राप्त की गयी और विभिन्न सरकारी योजनाओं व महिला सम्बन्धी कानूनों के सम्बन्ध में जानकारी प्रदान करते हुये उनकी दक्षता में वृद्धि की गयी। साथ ही महिला बीट में प्रभावी कार्यवाही हेतु उच्चाधिकारीगण से प्राप्त निर्देशों से अवगत कराते हुये ब्रीफ किया गया। इस दौरान अपर पुलिस अधीक्षक मुख्यालय द्वारा महिला बीट कर्मियों से उनकी समस्याओं के बारे में पूछा गया तथा प्रकाश में आने वाली समस्याओं के निस्तारण हेतु सम्बन्धित अधिकारीगणों को निर्देशित किया गया।

घटना के विरोध में गुस्साए लोगों ने सड़क पर लगाया जाम

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)
शहडोल। शहडोल ब्यौहारी में रफ्तार का कहरः अज्ञात वाहन ने पैदल जा रहे शख्स और साइकिल सवार को मारी टक्कर, एक की

मौत, घटना के विरोध में गुस्साए लोगों ने सड़क पर लगाया जाम रफ्तार का कहरः अज्ञात वाहन ने पैदल जा रहे शख्स और साइकिल सवार को मारी टक्कर, एक की मौत, घटना के विरोध में गुस्साए लोगों ने सड़क पर लगाया जाम शहडोल के ब्यौहारी में एक बार फिर तेज रफ्तार का कहर देखने को मिला है। जहां अज्ञात वाहन ने पैदल चल रहे व्यक्ति और साइकिल सवार को जोरदार टक्कर मारी। जिससे साइकल सवार की मौके पर मौत हो गई। वहीं पैदल जा रहे शख्स की हालत गंभीर है। घटना के विरोध में नाराज वकीलों और स्थानीय लोगों ने रीवा शहडोल स्टेट हाइवे पर जाम लगा दिया। ब्यौहारी थाना क्षेत्र के रीवा-शहडोल स्टेट हाइवे स्थित तहसील कार्यालय के सामने एक तेज रफ्तार अज्ञात वाहन ने एक पैदल चल रहे युवक और एक साइकिल सवार व्यक्ति को टक्कर मार दी। जिसमें साइकिल सवार व्यक्ति की मौके पर ही दर्दनाक मौत हो गई। वहीं पैदल चल रहे युवक को गंभीर चोटें आईं। घायल को इलाज के लिए अस्पताल में भर्ती कराया गया। इधर घटना के बाद नाराज वकीलों और स्थानीय निवासियों ने रीवा-शहडोल स्टेट हाइवे पर जाम लगा दिया। तेज बारिश के बावजूद लोग पन्नी लगाकर सड़क पर बैठकर विरोध करते नजर आए। उनकी मांग है कि तहसील के सामने सीसीटीवी कैमरे और ब्रेकर लगाए जाएं। ताकि भविष्य में ऐसी दुर्घटनाएं नहीं हो सके। मौके पर ब्यौहारी पुलिस मौजूद है और घटना की जांच की जा रही है। मामले में शहडोल एडिशनल एसपी अभिषेक ने बताया कि, किसी अज्ञात वाहन ने दो लोगों को टक्कर मारकर फरार हो गया। इस घटना में एक साइकल सवार की मौत हो गई, कुछ लोग अपनी मांगों को लेकर विरोध कर रहे हैं। मामले में मर्ग कायम कर मामले की जांच की जा रही है।

एसडीएम ने शिक्षा विभाग के कार्यों की समीक्षा का

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)
शहडोल। शहडोल 20 मार्च 2025- अनु विभागीय अधिकारी राजस्व श्रीमती अमृता गर्ग ने आज अनु विभागीय अधिकारी राजस्व कार्यालय के सभागार में खंड स्तरीय शिक्षा विभाग के कार्यों की समीक्षा की। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिए कि शिक्षक विद्यालयों में निर्धारित समय में नियमित रूप से उपस्थित रहे। निरीक्षण के दौरान अनुपस्थित पाए जाने पर आवश्यक कार्यवाही की जाएगी। उन्होंने कहा कि शैक्षणिक गुणवत्ता में सुधार हो इसके लिए निरंतर कार्य करें। अनु विभागीय अधिकारी राजस्व श्रीमती अमृता गर्ग ने परीक्षा परिणामो, साइकिल वितरण जैसे अन्य शिक्षा विभाग के कार्यों के संबंध में जानकारी प्राप्त की तथा आवश्यक दिशा निर्देश अधिकारियों को दिए। बैठक में खंड शिक्षा अधिकारी, विद्यालयों के प्राचार्य उपस्थित थे।

महिला थाने का एएसपी ने किया गया अर्द्धवार्षिक निरीक्षण

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)
सोनभद्र। अपर पुलिस अधीक्षक (मुख्यालय) कालू सिंह द्वारा

महिला थाना का अर्द्धवार्षिक निरीक्षण किया गया। सर्वप्रथम महोदय द्वारा गार्द सलामी ली गयी तत्पश्चात सम्पूर्ण थाना परिसर का भ्रमण कर थाना कार्यालय, हवालात, मालखाना, महिला हेल्प डेस्क, कंप्यूटर कक्ष, सीसीटीवी, मेस, बैरक आदि का निरीक्षण किया गया तथा थाना परिसर, बैरक, मेस इत्यादि को साफ व स्वच्छ रखने एवं कार्यालय के अभिलेखों को अद्यावधिक कर बेहतर ढंग से व्यवस्थित रखने हेतु महिला थाना प्रभारी सविता सरोज को आवश्यक दिशा-निर्देश दिया गया, साथ ही अपराध एवं अपराधियों पर प्रभावी अंकुश लगाने, थाने पर आने वाले प्रत्येक पीड़ित/शिकायतकर्ता की शिकायतों को विनम्रता पूर्वक सुनने व उनके प्रार्थना-पत्रों को रजिस्टर में क्रमबद्ध तरीके से अंकित कर उसकी शत-प्रतिशत सुनवाई करते हुए आवश्यक विधिक कार्रवाई करने, शस्त्रों का रख-रखाव/हैण्डलिंग व नियमित साफ-सफाई करने हेतु, मिशन शक्ति कक्ष/महिला हेल्प डेस्क पर नियुक्त पुलिसकर्मी को आने वाली फरियादियों की समस्या को सहानुभूति पूर्वक सुनकर उनका निस्तारण कराने के साथ ही एंटी रोमियो टीम को अपने बीट क्षेत्र में जाकर महिलाओं/बालिकाओं को नारी सुरक्षा, सम्मान व स्वावलंबन के प्रति जागरूक करने के निर्देश दिए गये।

कम्पोजित विद्यालय गड़ौरा पर शारदा संगोष्ठी एवं वार्षिकोत्सव कार्यक्रम सम्पन्न हुआ

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)
सोनभद्र। मुख्य अतिथि श्री धनन्जय कुमार सिंह खण्ड शिक्षा अधिकारी रॉबर्ट्सगंज, विशिष्ट

अतिथि ग्राम प्रधान महोदया, विद्यालय प्रबन्ध समिति के अध्यक्ष श्री प्रहलाद,छलांग से प्रोग्राम मैनेजर संदीप कश्यप व अनूपम केशरी फील्ड कोऑर्डिनेटर विद्यालय प्रबन्ध समिति के सदस्य एवं बच्चों के अभिभावक गण,विद्यालय के सभी शिक्षक एवं बच्चे उपस्थित रहे।कार्यक्रम का शुभारंभ सरस्वती वन्दन से प्रारम्भ हुआ।बच्चों के द्वारा बेहतरीन सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत किया गया।प्राथमिक स्तर पर 50 मीटर व 100मीटर की दौड़ बालक - बालिकाओं की उच्च प्राथमिक स्तर पर 100मीटर व 200मीटर की दौड़ बालक -बालिकाओं की सम्पन्न हुई।दौड़ में प्रथम ,द्वितीय व तृतीय स्थान पाने वाले बच्चों को मेडल पहनाकर खण्ड शिक्षा अधिकारी द्वारा उत्साहवर्धन किया गया।प्रधानाध्यापक कमलेश सिंह द्वारा शारदा अभियान के बारे विस्तार से बताया गया एवं आउट ऑफ स्कूल बच्चे न होने पाए उस पर पर प्रकाश डाला गया।अधिक उपस्थिति वाले बालक बालिकाओं , परीक्षाओं में श्रेष्ठ प्रदर्शन करने वाले बच्चों को एवं सांस्कृतिक कार्यक्रम में प्रतिभागी बच्चों को पुरस्कृत कर उत्साहवर्धन किया गया।

भ्रष्टाचार को लेकर जोरदार प्रदर्शन कर दिया ज्ञापन

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)
सोनभद्र।ब्लाक कांग्रेस कमेटी चतरा के अध्यक्ष निगम मिश्रा के

नेतृत्व में सैकड़ों की संख्या में ग्रामीणों ने ब्लाक चतरा पर आवास और विकास कार्य में हो रहे भ्रष्टाचार को लेकर जोरदार प्रदर्शन कर खण्ड विकास अधिकारी चतरा के नाम ज्ञापन पत्र एडीओ आईएसबी को सौंपा। निगम मिश्रा ने अपने बयान में कहा कि वर्तमान समय में प्रधानमंत्री / मुख्यमंत्री ग्रामीण आवास का सर्वे ग्राम पंचायतों में चल रहा है जिसमें संबंधित अधिकारियों द्वारा अपने एजेंटों के माध्यम से पात्र लोगों से वसूली करायी जा रही है। जो लोग सुविधा शुल्क नहीं दे रहे हैं उन्हें अपात्र घोषित कर दिया जा रहा है। उन्होंने मांग किया कि जो सूची बनी हुई है उसे ब्लाक पर व ग्राम पंचायत सचिवालय पर 25 मार्च तक चस्पा की जाय जिससे ग्रामीणजन सूची को देख सकें। जिनका नाम छूट गया है वे समय रहते अपने नाम को चढ़वा सके और अपात्रों का नाम कटवा सकें। श्री मिश्र ने चेताया कि यदि 25 मार्च तक ग्रामीण आवास सूची ग्राम पंचायत कार्यालय व खण्ड विकास अधिकारी कार्यालय पर चस्पा नहीं करायी जाती है तो हम लोग बड़ा आन्दोलन करने को बाध्य होंगे जिसकी जिम्मेदारी खण्ड विकास अधिकारी की होगी। आगे कहा कि नये खण्ड विकास अधिकारी जब से ब्लाक में आये है यहां के सभी अधिकारी कर्मचारी निरंकुश हो गये है। विकास कार्य में भ्रष्टाचार का बोलबाला हो गया है। यदि यही रवैया बना रहा तो ब्लाक कांग्रेस कमेटी ऐसे खण्ड विकास अधिकारी को निलंबित करने की मांग शासन से करेगी। करमा ब्लाक अध्यक्ष वंशीधर देव पाण्डेय ने कहा कि जब से नये खण्ड विकास अधिकारी आये हुए है तब से ब्लाक में दलाल सक्रीय हो गये है। ग्रामीण आवास का सर्वे करने वाले कर्मचारियों का फोन स्वीच्ड आफ आ रहा है। घर बैठे ग्राम प्रधानों के माध्यम से सर्वे किया जा रहा है जो शासन की मंशा के विपरित है। राबर्ट्सगंज ब्लाक अध्यक्ष अमरेश देव पाण्डेय ने कहा कि खण्ड विकास अधिकारी के रवैये से जनता काफी नाराज दिख रही है। ब्लाक में भ्रष्टाचार इतना बढ़ गया है कि बिना पैसे लिये कोई काम नहीं हो रहा है। इस तरह के भ्रष्टाचारी खण्ड विकास अधिकारी को कोई ब्लाक न दिया जाय क्योंकि जहां भी जायेंगे भ्रष्टाचार ही करेंगे। धरना प्रदर्शन करने वालों में निगम मिश्रा, मोहरमनी पाठक, नागेन्द्र देव पाण्डेय, सलीम खां, लक्ष्मीकांत दूबे, निर्मला भारतीय, रुक्मीना भारती, कमलावती भारतीय, रामवृक्ष विश्वकर्मा, चन्द्रमोहन पाल, सुरेश विश्वकर्मा, अवधनाथ विश्वकर्मा, धीरेन्द्र दूबे, शैलेन्द्र श्रीवास्तव, विफनी देवी, सुगवा देवी समेत सैकड़ो लोग उपस्थित रहे।

रामनवमी शोभा यात्रा की भव्य तैयारी शुरूः डॉ धर्मवीर

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)
सोनभद्र । नगर के मध्य स्थित श्री राम जानकी मंदिर परिसर में श्री राम दरबार अखाड़ा समिति द्वारा रामनवमी के शुभ अवसर पर भव्य

शोभायात्रा निकालने हेतु अति आवश्यक बैठक बुलाई गई जिसमें अखाड़ा परिषद के अध्यक्ष डॉ धर्मवीर तिवारी ने कहा कि इस बार की रामनवमी और भी भव्य तरीके से मनाएंगे इसके लिए नगर के सभी वार्डों में यात्रा वाले मार्ग पर भगवा ध्वज से लेकर साज सज्जा और वार्ड में बार बार संपर्क कर टोली बनाकर प्रभारी तय करके बैठक लेंगे ताकि यात्रा को भव्य स्वरूप दिया जा सके यात्रा की सूचना अधिक से अधिक लोगों तक पहुंच सके जिससे यात्रा में अधिक से अधिक लोग शामिल हो लोकल कलाकारों की प्रतिभाओं को उभारने का काम राम दरबार अखाड़ा करेगा अखाड़ा परिषद के संरक्षक हर्ष अग्रवाल व भाजपा के जिला अध्यक्ष नंदलाल गुप्ता जी ने कहा कि भगवान राम हमारे आराध्या हम उनके जन्मोत्सव परंपरागत तरीके से जैसे मानते आए हैं वैसे ही मनाएंगे अखाड़ा परिषद के महामंत्री प्रमोद गुप्ता जी ने कहा कि रामनवमी की शोभायात्रा अपने निर्धारित मार्ग पूर्व के भांति जैसे चलती थी वैसे ही चलेगी शोभा यात्रा श्री राम जानकी मंदिर विजयगढ़ पेट्रोल पंप से प्रारंभ होकर में शीतलामंदिर होते हुए धर्मशाला से चन्ड्रो होटल चन्डी होटल से शीतला मंदिर चौराहा से स्वर्णजयन्ती चौराहा से कचहरी होते हुए महिला थाना से होते हुए वापस श्री राम जानकी मंदिर पर समापन किया जाएगा।

साहब 11 बज गए है डाक्टर नाही आए है

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)
झूंसी। प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र नगर निगम झूंसी जोन 8 कार्यालय में स्थित स्वास्थ्य केंद्र में चिकित्सकों के समय पर अनुपलब्धता से मरीज परेशान हो रहे है। बताते चलें कि प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र नई झूंसी में सुबह 11 बजे उपचार के लिए पहुंचे आरव पुत्र नीरज निवासी नई झूंसी, बाबा यादव निवासी मुंशी का पूरा, शकुंतला देवी 65 वर्ष निवासी रुद्रा कालोनी सुबह 10 बजे 9 पहुंचे किन्तु 11 बजे तक कोई भी चिकित्सक मौजूद नहीं था जिससे मरीजों में रोष व्याप्त है। अधीक्षक सीएचसी बनी डॉक्टर मनीष मौर्या ने बताया कि चिकित्सकों से स्पष्टीकरण मांगा है, उसके उपरांत कार्यवाही सुनिश्चित किया जाएगा।

उचित मूल्य दुकान के विक्रेता से सम्पर्क कर हितग्राही कराए 31 मार्च तक ई-के. वाई. सी.

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)
शहडोल। शहडोल 20 मार्च 2025- जिला खाद्य आपूर्ति नियंत्रक श्री विपिन पटेल ने जानकारी दी है कि सार्वजनिक वितरण प्रणाली अंतर्गत पंजीकृत हितग्राहियों को उचित मूल्य दुकानों के माध्यम से ईर्ट्र का खाद्यान्न निःशुल्क वितरण किया जा रहा है। प्रधानमंत्री गरीब कल्याण अन्न योजना में प्राथमिकता परिवारों को 05 किलोग्राम खाद्यान्न प्रति सदस्य व अन्त्योदय परिवारों को 35 किलोग्राम खाद्यान्न प्रति परिवार के मान से निःशुल्क वितरण किया जा रहा है साथ ही समस्त हितग्राहियों को नमक का वितरण 1.00 रूपये प्रति किलो की दर से एवं अन्त्योदय परिवारों को शक्कर का वितरण 20.00 रूपये प्रति किलो की दर से किया जा रहा है। उन्होंने कहा है कि ऐसे हितग्राही जिनके परिवार के सभी सदस्यों की ख्ख्ण नही हुई है वे उचित मूल्य दुकान के विक्रेता से सम्पर्क कर दिनांक 31 मार्च 2025 के पूर्व ख्ख्ण अनिवार्य रूप से करा ले अन्यथा हितग्राहियों को खाद्यान्न प्राप्त करने में कठिनाई का सामना करना पड़ सकता है।

सामाजिक समरसता का पर्व है होली बद्री नाथ सिंह

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)
सोनभद्र । रंग , उमंग , उल्लास ,समता ,समरसता और सौहार्द से परिपूर्ण है होली पर्व । यह एक ऐसा उत्सव है जो सामाजिक समरसता को रेखांकित करता है । यह विचार जिलाधिकारी बद्रीनाथ सिंह होटल अरिहंत परिसर बुधवार को होली मिलन समारोह में व्यक्त किए । सोनभद्र इलेक्ट्रानिक एवं डिजिटल मीडिया एसोसिएशन के द्वारा आयोजित होली मिलन समारोह में गायन , वादन और पुष्प

वर्षा से आयोजन स्थल गुलज़ार था । रंग पंचमी के शुभ अवसर पर समरता का उदाहरण प्रस्तुत करने वाले इस उत्सव में पुलिस अधीक्षक अशोक कुमार मीणा ने होली की शुभकामनाएं देते हुए इस कार्यक्रम को उपयोगी बताया तो मातृशक्ति के रूप में उपस्थित मुख्य विकास अधिकारी जागृति अवस्थी ने सभी को होली की शुभकामनाएं दी । मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ अश्विनी कुमार ने होली पर्व को सौहार्द का प्रतीक बताया । स्टैंडअप कॉमेडियन मिमिक्री सुपर स्टार अभय शर्मा ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी , गोरक्ष पीठाधीश्वर योगी आदित्यनाथ और सपा केअखिलेश यादव के बोलने के ढंग से सभी को होली की शुभकामना दे कर मंत्रमुग्ध कर दिया । दूरदर्शन के सुनील तिवारी , कुछ वरिष्ठ पत्रकार और होली गायक कलाकारों के होली गीतों से अरिहंत गुलज़ार था। लोग पुष्प की पंखुड़ियों और गुलाल से होली खेल रहे थे । उदाहरण बन गया आयोजन यह होली मिलन समारोह इस मायने में एक उदाहरण प्रस्तुत कर गया कि इसमें न कोई अध्यक्ष था न ही कोई मुख्य अतिथि और न ही कोई विशिष्ट अतिथि ही था । एक ही सफ़ में खड़े महमूदों अयाज , न कोई बंदा रहा न कोई बंदा नवाज़ । सारस्वत सम्मान डीएम , एसपी , सीडीओ , सीएमओ और अभय शर्मा का कुमकुम , माला पुष्पगुच्छ , अंगवस्त्र , बैज और स्मृतिचिन्ह से वैदिक मंत्रोच्चार के बीच सारस्वत सम्मान किया गया । ऐसे हुआ शुभारंभ विघ्नहर्ता गणेश जी की प्रतिमा के समक्ष दीप प्रज्वलन एवं माल्यार्पण कर डीएम , एसपी , सीडीओ ने होली मिलन समारोह का शुभारंभ किया । डॉक्टर शिवकांत शास्त्री के वैदिक मंत्रोच्चार से आयोजन स्थल आध्यात्मिक चेतना से आच्छादित था । राम , शिव और कृष्ण पर आधारित होली गीतों से वातावरण आध्यात्मिक चेतना का केंद्र बना नजर आ रहा था । आयोजन स्थल दुल्हन की तरह सजा हुआ था । बैठने की व्यवस्थित व्यवस्था थी । आयोजक थे सोनभद्र इलेक्ट्रानिक एवं डिजिटल एमीडिया एसोसिएशन के अध्यक्ष शांतनु विश्वास , महामंत्री कौशलेंद्र पाण्डेय , मीडिया प्रभारी बृजेश पाठक , विवेक श्रीवास्तव , प्रवीण पटेल , मिंटू जी , अरविंद तिवारी संरक्षक मण्डल के थे वरिष्ठ पत्रकार विमल जालान , वरिष्ठ पत्रकार रविन्द्र केसरी , वरिष्ठ पत्रकार संपादक राजेंद्र द्विवेदी ,वरिष्ठ पत्रकार सतीश भाटिया , वरिष्ठ पत्रकार शशिकांत चौबे , वरिष्ठ पत्रकार कौशल शर्मा , वरिष्ठ पत्रकार अजय श्रीवास्तव गीता धर्मशास्त्र पुष्प गुच्छ से पूर्व अध्यक्ष नगर पालिका परिषद और अरिहंत के मालिक विजय जैन ने मंच पर उपस्थित महानुभावों का स्वागत किया । सभी को ठंडाई , गुझिया , कचौड़ी छोला परोसा गया ।इस अवसर पर प्रदीप चौबे , राजन चौबे , प्रमोद चौबे पीयूष त्रिपाठी , विकास द्विवेदी , नीरज शुक्ल , नीरज पाठक , गिरीश प्रताप सिंह चंदेल , चिंता पाण्डेय, दीपक शुक्ल ,राजवंश चौबे , प्रभात जायसवाल , राजकुमार गुप्ता ,अतुलेश राय , अमरेश मिश्र, दिनेश पाण्डेय , रमेश यादव, अंशुमान पाण्डेय, राकेश सिंह , संजय चौबे समेत अन्य वरिष्ठ पत्रकार सफल आयोजन में सक्रिय भागीदारी निभाकर होली मिलन समारोह को यादगार बना दिया । यह भी हुए सम्मानित जीएम रविन्द्र कुमार अग्रवाल ,असिस्टेंट वाइस प्रेसिडेंट राकेश दुबे और मंच संचालक भोलानाथ मिश्र । शांतनु विश्वास ने स्वागत भाषण और आभार व्यक्त किया । सभी पत्रकारों को गुलाब का फूल भेंट कर आयोजन समिति ने होली का शुभकामनाएं दी ।

गौरैया हम तुम्हें जाने नहीं देंगेठ - आशीष पाठक

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)
सोनभद्र । सोनभद्र - उत्सव ट्रस्ट के तत्वाधान में आशीष पाठक एडवोकेट के रॉबर्टसगंज स्थित आवास पर बुधवार को कवि गोष्ठी का आयोजन हिन्दी साहित्यिक पत्रिका असुविधा के सम्पादक रामनाथ शिवेंद्र की अध्यक्षता में संपन्न हुआ। कार्यक्रम का संचालन शहीद स्थल करारी के प्रबंधक

प्रद्युम्न तिवारी एडवोकेट ने किया। कवि सुधाकर पाण्डेय 'स्वदेश प्रेम' ने वाणी वंदना कर दे शारदे मां वर दे से कार्यक्रम का शुभारंभ किया तत्पश्चात उत्सव ट्रस्ट के संरक्षक सिद्धनाथ पाण्डेय ने भोली गौरैया तू छोड़ अंगनईया के कहाँ जाई गइलू लुकाई हो चिरईया, देश-विदेश के ख्यातिलब्ध एवं सुप्रसिद्ध कॉमेडियन एवं मिमिक्री आर्टिस्ट उत्सव ट्रस्ट के संरक्षक अभय कुमार शर्मा ने गौरैया बचाने का शुभ काम हो रहा है उत्सव ये कोशिसों का सुबहो शाम हो रहा है, अशोक तिवारी एडवोकेट ने फिरकापरस्ती परिंदे नहीं करते, हम आदमी होकर भी क्या-क्या नहीं करते, अब्दुल हई परिंदे अब मुंडेरों पर कभी आया नहीं करते, दयानन्द दयालू ने उजड़ल जाता उजड़ल गऊवां बसवार हो, दिलीप सिंह 'दीपक' ने छोटी सी प्यारी सी चिड़िया हूं मैं बचा लो बचा लो गौरैया हूं मैं, धर्मेश चौहान एडवोकेट ने कहाँ गयी गौरैया, फिर से आओ मेरे द्वार, कौशल्या चौहान ने मुझको मेरी चिड़िया रानी लगती बेहद प्यारी हैं, प्रभात सिंह चंदेल ने मनभावन सोन चिरईया हूँ मैं नन्ही गौरईया हूँ, प्रद्युम्न त्रिपाठी एडवोकेट ने चहकन चिरईयन के कहाँ खो गईल, एही से सभे कोई आज रो रहिल, गोपाल कुशवाहा ने आग पानी में लगाते हैं लगाने वाले, चैन से यार रहेंगे न जमाने वाले, अलका केसरी ने मैं नन्ही गौरैया हमको जीने का अधिकार दो, राधेश्याम पाल ने आँगन की मेरी किलकारी, कहाँ गयी गौरैया प्यारी, दिवाकर 'मेघ' आदि ने काव्यपा कर उपस्थित श्रोताओं को मंत्र मुग्ध कर पूरे आयोजन में चार चाँद लगा दिया। इस अवसर पर उत्सव ट्रस्ट के संरक्षकगण डॉ श्री प्रकाश पाठक , स्वामी अरविंद सिंह , संतोष कुमार सिंह , डॉ चंद्र भूषण देव पाण्डेय, देवेंद्र कुमार त्रिपाठी , मनीष पाठक के साथ ट्रस्ट के सदस्य, डॉ संतोष केशरी , संतोष चौबे , मनोज मिश्रा , संजय शर्मा , अनुराग पाण्डेय , अभिषेक चतुर्वेदी , संजय पटेल , हीरालाल , श्रीश पाठक, अविजित, रेयांश गुप्ता, माधव पाठक आदि सहित श्रीमती कलावती, विभा , लक्ष्मी , नमिता गुप्ता आदि की उपस्थिति में गौरैया को समर्पित यह आयोजन पूरी दिव्यता एवं भव्यता के साथ उत्सव ट्रस्ट के ट्रस्टी आशीष पाठक द्वारा संकटग्रस्त गौरैया को बचाने के उपाय, जागरूकता संदेश एवं गौरैया तथा गौरैया जैसी विलुप्त होती तमाम प्रजातियों को बचाने की अपील तथा हमने यह प्रण ठाना है गौरैया को बचाना है के संकल्प के साथ कार्यक्रम समापन हुआ।

स्पोर्ट्स

आईपीएल में सबसे ज्यादा रन बनाने वाले बल्लेबाज विराट, चहल सर्वाधिक विकेट लेने वाले गेंदबाज

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)
नई दिल्ली। आईपीएल के 18वें सत्र की शुरुआत में अब ज्यादा वक्त नहीं बचा है। 22 मार्च से टूर्नामेंट का आगाज होगा, पहला मैच गत विजेता कोलकाता नाइट राइडर्स और रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु के बीच खेला जाएगा। इस साल 10 टीमों के बीच 13 स्थानों पर 65 दिनों में कुल 74 मैच खेले जाएंगे, जिसमें 70 लीग राउंड और चार प्लेऑफ के मुकाबले होंगे। फाइनल समेत प्लेऑफ के सभी मुकाबले 20 से 25 मई तक हैदराबाद और कोलकाता में खेले जाएंगे हैदराबाद 20 मई, 2025 और 21 मई को क्वालिफायर 1 और एलिमिनेटर की मेजबानी करेगा। इसके बाद कोलकाता 23 मई, 2025 को क्वालिफायर 2 की और 25 मई को फाइनल की मेजबानी करेगा। आईपीएल 2025 में कुल 12 डबल हेडर्स हैं। डबल हेडर वाले दिन पहला मैच दोपहर साढ़े तीन बजे से और दूसरा मैच शाम साढ़े सात बजे से खेला जाएगा।आरसीबी के पूर्व कप्तान विराट कोहली भले ही अपनी टीम को कभी ट्रॉफी नहीं जिता पाए लेकिन उनके निजी प्रदर्शन में कभी कमी नहीं आई है। इसकी गवाही आंकड़े दे रहे हैं। दाएं हाथ के बल्लेबाज आईपीएल इतिहास में सबसे ज्यादा रन बनाने वाले बल्लेबाज हैं। उन्होंने 2008 में अपने करियर की शुरुआत की थी। अब तक वह आरसीबी का ही हिस्सा हैं। 252 मैचों में किंग

कोहली ने 131.97 के स्ट्राइक रेट से 8004 रन बनाए। सर्वाधिक रन बनाने के मामले में दूसरे स्थान पर शिखर धवन हैं जिन्होंने पिछले साल ही संन्यास का एलान किया था। 221 मैचों में उनके नाम 6769 रन दर्ज हैं। रोहित शर्मा 6628 रन के साथ तीसरे स्थान पर हैं।स्टार स्पिनर युजवेंद्र चहल भले ही भारतीय टीम में अपनी जगह बनाने के लिए जद्दोजहद कर रहे हैं लेकिन आईपीएल में वह एक बार फिर चमकने के लिए तैयार हैं। इस बार वह पंजाब किंग्स के लिए खेलते नजर आएंगे। इससे पहले वह मुंबई इंडियंस, आरसीबी और राजस्थान रॉयल्स की तरफ से खेल चुके हैं। दाएं हाथ के इस गेंदबाज के नाम आईपीएल में सबसे ज्यादा विकेट चटकाने का रिकॉर्ड दर्ज है। उन्होंने 160 मैचों में 7.84 की इकोनॉमी से 205 विकेट लिए हैं। वेस्टइंडीज के पूर्व बल्लेबाज क्रिस गेल आईपीएल में सबसे ज्यादा छक्के लगाने वाले बल्लेबाज हैं। उन्होंने 142 मैचों में 357 छक्के लगाए। 'यूनिवर्स बॉस' गेल इस लीग में चार टीमों का हिस्सा रहे। इनमें केकेआर, किंग्स इलेवन पंजाब, पंजाब किंग्स और आरसीबी शामिल है। इस मामले में दूसरे और तीसरे स्थान पर क्रमशः रोहित शर्मा (280) और विराट कोहली (272) हैं। किंग कोहली के पास आगामी टूर्नामेंट में हिटमैन को पीछे छोड़ने का सुनहरा मौका है। आईपीएल इतिहास में सबसे ज्यादा रन बनाने वाले दूसरे बल्लेबाज शिखर धवन ने पिछले साल संन्यास का एलान किया था। वह सबसे ज्यादा चौके लगाने वाले खिलाड़ी हैं। उन्होंने 222 मैचों में 764 चौके लगाए। इस मामले में दूसरे स्थान पर विराट कोहली हैं।

एक मैच के प्रतिबंध के कारण 'एल क्लासिको' मैच नहीं खेलेंगे हार्दिक पांड्या, ये खिलाड़ी करेगा कप्तानी

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)
नई दिल्ली। मुंबई इंडियंस के मुख्य कोच महेला जयवर्धने ने कहा कि बीसीसीआई ने पिछले सत्र में उनकी टीम के तीन बार 'धीमी ओवरगति' उल्लंघन के कारण पांड्या पर लगे

एक मैच के प्रतिबंध के बारे में टीम को बता दिया है।मुंबई इंडियंस के नियमित कप्तान हार्दिक पांड्या पिछले इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) सत्र में टीम के धीमी ओवर गति उल्लघंन के लिए एक मैच के लिए निलंबित हैं। इस वजह से वह आईपीएल 2025 का पहला मैच नहीं खेल पाएंगे। ऐसे में इस मुकाबले में कप्तानी की जिम्मेदारी सूर्यकुमार यादव उठाएंगे। मुंबई इंडियंस रविवार को अपने पहले मैच में चेन्नई सुपर किंग्स से भिड़ेगी।इस मैच को आईपीएल का 'एल क्लासिको' भी कहा जाता है, क्योंकि दोनों लीग की सबसे सफल टीमें हैं। एल क्लासिको स्पेनिश शब्द है, जिसका मतलब होता है उत्कृष्ट। स्पेनिश फुटबॉल में बार्सिलोना-रियल मैड्रिड के मैच को एल क्लासिको कहा जाता है, क्योंकि दोनों ला लीगा की सबसे सफल क्लब हैं। वहीं, आईपीएल में चेन्नई और मुंबई दो सबसे सफल टीमें हैं। सीएसके और एमआई, दोनों ही टीमों ने पांच-पांच बार आईपीएल ट्रॉफी अपने नाम की है। सूर्यकुमार राष्ट्रीय टी20 टीम के कप्तान हैं और उन्होंने टीम को घरेलू मैदान पर हाल में इंग्लैंड पर 4-1 से जीत दिलाई। हालांकि उनकी बल्लेबाजी फॉर्म इतनी प्रभावशाली नहीं रही और उन्होंने श्रृंखला के दौरान पांच मैच में सिर्फ 38 रन बनाए। पांड्या ने यहां मुंबई इंडियंस के सत्र पूर्व आयोजित प्रेस कांफ्रेंस के दौरान कहा, 'सूर्यकुमार भारतीय टीम की कप्तानी भी करते हैं। जब मैं नहीं होता हूं तो वह आदर्श विकल्प होते हैं।'मुंबई इंडियंस के मुख्य कोच महेला जयवर्धने ने कहा कि बीसीसीआई ने पिछले सत्र में उनकी टीम के तीन बार 'धीमी ओवरगति' उल्लंघन के कारण पांड्या पर लगे एक मैच के प्रतिबंध के बारे में टीम को बता दिया है। मुंबई इंडियंस को 2024 में 10 हार का सामना करना पड़ा था जबकि वह सिर्फ चार जीत हासिल कर पाई और यह पांड्या का कप्तान के रूप में पहला साल था। पांड्या को रोहित शर्मा की जगह कप्तान बनाया गया जिन्होंने टीम को पांच ट्रॉफी दिलाई हैं।

2008 में कोहली के साथ मिलकर भारत को बनाया था विश्व विजेता, अब लीग में अंपायरिंग करता दिखेगा यह स्टार

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)
नई दिल्ली। उत्तर प्रदेश के कानपुर में जन्में तनमय आईपीएल 2025 में अंपायरिंग करते नजर आएंगे। इसी के साथ वह पहले ऐसे खिलाड़ी बन जाएंगे जिसने आईपीएल में खेलने के अलावा अंपायरिंग भी की है भारत को अंडर-19 विश्व कप का खिताब जिताने वाले तनमय श्रीवास्तव अब वापसी के लिए तैयार हैं। साल 2008 में विराट कोहली के नेतृत्व में भारत ने दक्षिण अफ्रीका को हराकर जीत दर्ज की थी। इस दौरान बाएं हाथ के बल्लेबाज ने छह पारियों में 262 रन बनाए थे और अंडर-19 विश्व कप 2008 में सर्वाधिक रन बनाने वाले बल्लेबाज रहे थे। अब तनमय बतौर अंपायर क्रिकेट में वापसी के लिए तैयार हैं।उत्तर प्रदेश के कानपुर में जन्में तनमय आईपीएल 2025 में अंपायरिंग करते नजर आएंगे। इसी के साथ वह पहले ऐसे खिलाड़ी बन जाएंगे जिसने आईपीएल में खेलने के अलावा अंपायरिंग भी की है। 35 वर्षीय बल्लेबाज किंग्स इलेवन पंजाब (अब पंजाब किंग्स) का हिस्सा रहे। उन्होंने 2008 और 2009 में इस टीम के लिए खेला था।तनमय ने क्रिकेट के सभी प्रारूपों से 2020 में संन्यास की घोषणा कर दी थी। उत्तर प्रदेश के लिए खेलते हुए उन्होंने

90 फर्स्ट क्लास मैचों में 4918 रन बनाए। अपने संन्यास का एलान करते हुए उन्होंने एक्स (पहले ट्विटर) पर लिखा था- 'मुझे लगता है कि मैंने मैदान के अंदर और बाहर क्रिकेट से जुड़ी ऐसी यादें बनाई है जो जीवन भर मेरे साथ जुड़ी रहेंगी। मैंने नये सपने देखे है और उसके लिये बड़ी महत्वकांक्षा है। अब अगले अध्याय का समय है।' तनमय मलयेशिया में 2008 में खेले गए अंडर-19 विश्व कप में 262 रन के साथ टूर्नामेंट के शीर्ष स्कोरर थे।

मुक्केबाजी महासंघ में घमासान, सचिव-कोषाध्यक्ष निलंबित

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)
नई दिल्ली। खेल संहिता के अनुसार अध्यक्ष चार साल के तीन लगातार कार्यकाल पूरे कर सकता है, जबकि महासचिव और कोषाध्यक्ष चार-चार वर्ष के दो कार्यकाल पूरे करने के बाद चार वर्ष के कूलिंग ऑफ पीरियड पर जाएंगे।भारतीय मुक्केबाजी महासंघ (बीएफआई) में चुनाव से पहले घमासान चरम पर पहुंच गया है। बीएफआई ने मंगलवार को महासचिव हेमंत कलिता और कोषाध्यक्ष दिग्विजय सिंह को वित्तीय अनियमितताओं के आरोप में निलंबित कर दिया। साथ ही 28 मार्च को होने वाले चुनाव के लिए कलिता के अध्यक्ष पद पर नामांकन को भी रद्द कर दिया। बीएफआई ने दोनों का निलंबन दिल्ली हाईकोर्ट के पूर्व जज सुधीर कुमार जैन की जांच रिपोर्ट के आधार पर किया है। जैन को बीएफआई ने ही महासंघ में वित्तीय अनियमितताओं की जांच की जिम्मेदारी सौंपी थी।कलिता का नामांकन रद्द होने से अध्यक्ष पद पर मुकाबला अजय सिंह, राजेश भंडारी और डी चंद्रलाल के बीच रह गया है। खेल संहिता के अनुसार अध्यक्ष चार साल के तीन लगातार कार्यकाल पूरे कर सकता है, जबकि महासचिव और कोषाध्यक्ष चार-चार वर्ष के दो कार्यकाल पूरे करने के बाद चार वर्ष के कूलिंग ऑफ पीरियड पर जाएंगे। इसके बाद वे चार साल के एक कार्यकाल के लिए फिर से चुनाव लड़ने के योग्य होंगे। कर्नाटक के एन सतीश का नामांकन भी महासचिव पद पर रद्द किया गया है।

पुरुषत्व के आरोपों में घिरीं बॉक्सर खेलीफ को ट्रंप का डर नहीं, महिला वर्ग में खेलना जारी रखेंगी

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)
नई दिल्ली। खेलीफ का कहना है कि वह ट्रंप से भयभीत नहीं हैं और उनका अगला लक्ष्य लॉस एंजिलिस ओलंपिक में अपने स्वर्ण पदक की रक्षा करना है। पेरिस ओलंपिक में वेल्टरवेट वर्ग का स्वर्ण पदक जीतने वाली और पुरुषत्व के लक्षणों के आरोपों में घिरीं अल्जीरियाई मुक्केबाज इमाने खेलीफ महिला वर्ग में मुक्केबाजी जारी रखेंगी। उनकी यह घोषणा ऐसे समय में आई है, जब अगला ओलंपिक 2028 में लॉस एंजिलिस में होना है और अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने ट्रांसजेंडर एथलीटों के महिला वर्ग में खेलने पर पूरी तरह पाबंदी लगा दी है।खेलीफ का कहना है कि वह ट्रंप से भयभीत नहीं हैं और उनका अगला लक्ष्य लॉस एंजिलिस ओलंपिक में अपने स्वर्ण पदक की रक्षा करना है। खेलीफ वह मुक्केबाज हैं, जो पेरिस ओलंपिक में महिला वर्ग में खेली थीं और दो महिला मुक्केबाजों ने उनके मुक्के की ताकत से बाउट को बीच में छोड़ दिया था। इसके बाद उनके महिला वर्ग में खेलने पर काफी बवाल मचा। आईओसी अध्यक्ष थामस बाख ने हाल ही में कहा था कि खेलीफ और यू टिंग का जन्म एक महिला के तौर पर हुआ है। उनकी परवरिश एक महिला के तौर पर हुई है और उन्होंने महिला वर्ग में हमेशा भागीदारी की है और किसी ने भी आज तक यह साबित नहीं किया है वे ट्रांसजेंडर हैं। हालांकि 2023 की दिल्ली में हुई विश्व चैंपियनशिप में दोनों ही मुक्केबाजों

को योग्यता टेस्ट में फेल होने के बाद डिसक्वालिफाई कर दिया गया था। वर्ल्ड बॉक्सिंग ने खेलीफ के खिलाफ अब तक कुछ नहीं कहा, क्यों कि अल्जीरियाई पासपोर्ट के मुताबिक वह एक महिला हैं। खेलीफ के इस बयान के बाद एक बार फिर विवादों को हवा मिल गई है। खेलीफ के खिलाफ दुनिया भर में महिला वर्ग में पूर्ण रूप से महिलाओं को खिलाए जाने की वकालत करने वाले संगठनों ने अभियान छेड़ रखा है, लेकिन उनका देश उनके साथ दीवार की तरह खड़ा है। खेलीफ ने कहा, ट्रंप ने अमेरिका में ट्रांसजेंडरों के खिलाफ आदेश पारित किया है और वह एक बात साफ कर देना चाहती हैं कि वह ट्रांसजेंडर नहीं हैं। खेलीफ ने कहा, वह न तो इससे चिंतित हैं और न ही भयभीत हैं। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ट्रांसजेंडर एथलीटों के खिलाफ अपनी लड़ाई को अंतरराष्ट्रीय ओलंपिक समिति (घ्ध्ण्) तक ले जाने के लिए तैयार हैं। ट्रंप ने हाल ही में महिला खेलों में ट्रांसजेंडर एथलीटों पर प्रतिबंध लगाने के उद्देश्य से एक कार्यकारी आदेश पर हस्ताक्षर किए थे। इस दौरान उन्होंने कहा कि उनका प्रशासन चाहता है कि लॉस एंजिलिस में 2028 के ग्रीष्मकालीन खेलों से पहले आईओसी (घ्ध्ण्) ओलंपिक और इस बिल्कुल हास्यास्पद विषय से जुड़ी हर चीज को बदल दे। यह आदेश राज्य के सचिव के कार्यालय को आईओसी पर ओलंपिक खेल आयोजनों को नियंत्रित करने वाले मानकों में संशोधन करने के लिए दबाव डालने का अधिकार देता है। इसके मुताबिक, महिला एथलीटों की निष्पक्षता, सुरक्षा और सर्वोत्तम हितों को बढ़ावा देना सर्वोपरि है। साथ ही यह सुनिश्चित करता है कि महिलाओं के खेल आयोजनों में भागीदारी के लिए पात्रता लिंग के मुताबिक निर्धारित की जाती है, न कि लिंग पहचान या टेस्टोस्टेरोन में कमी के अनुसार।

राष्ट्रीय मुक्केबाजी पर चुनावी आंच, लवलीना को खेलने से रोका, बीएफआई अध्यक्ष ने लगाए गंभीर आरोप

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)
नई दिल्ली। अजय सिंह ने आरोप लगाया है कि असम मुक्केबाजी से

जुड़े होने के कारण हेमंत कलिता के कहने पर लवलीना को इस चैंपियनशिप में खेलने से रोका गया है। भारतीय मुक्केबाजी महासंघ (बीएफआई) के चुनाव की आंच शुक्रवार से ग्रेटर नोएडा में शुरू हो राष्ट्रीय महिला मुक्केबाजी चैंपियनशिप पर पड़ गई है। बीएफआई के अध्यक्ष अजय सिंह की ओर से महासचिव हेमंत कलिता और कोषाध्यक्ष दिग्विजय सिंह को निलंबित किए जाने के बाद असम ने इस चैंपियनशिप में टोक्यो ओलंपिक पदक विजेता मुक्केबाज लवलीना समेत सभी मुक्केबाजों की भागीदारी रोक दी है।अजय सिंह ने आरोप लगाया है कि असम मुक्केबाजी से जुड़े होने के कारण हेमंत कलिता के कहने पर लवलीना को इस चैंपियनशिप में खेलने से रोका गया है। दावा यहां तक किया गया है कि हिमाचल प्रदेश के मुक्केबाज भी चैंपियनशिप में शिरकत नहीं करेंगे। अजय सिंह ने बुधवार को दावा किया कि कई मुक्केबाजों से रेल और हवाई यात्रा के टिकट रद्द कराए गए हैं, लेकिन वह इन मुक्केबाजों को खिलाने के लिए पूरा जोर लगा रहे है, चाहें इसके लिए उन्हें अपनी जेब से पैसा क्यों नहीं देना पड़े। वहीं, हेमंत कलिता ने अजय सिंह के इन आरोपों को खारिज कर दिया है। उनका कहना है कि टूर्नामेंट को सिर्फ 15 दिन के नोटिस पर कराया जा रहा है। राज्य इसके लिए तैयार नहीं थे। इस बारे में राज्यों ने बीएफआई को लिखा है। यह सब उन्हें बदनाम करने के लिए हो रहा है। चैंपियनशिप के लिए अब तक 22 राज्यों ने एंट्री भेजी है। लवलीना ने पहले वीडियो जारी कर कहा था कि वह राष्ट्रीय चैंपियनशिप में उतरने जा रही हैं। नई दिल्ली। दिल्ली हाईकोर्ट ने बुधवार को भारतीय मुक्केबाजी महासंघ के चुनाव में केवल निर्वाचित सदस्यों के भाग लेने के आदेश पर रोक लगा दी है। न्यायमूर्ति मिनी पुष्करना ने दिल्ली एमेच्योर मुक्केबाजी संघ की याचिका पर सुनवाई करते हुए आदेश दिया कि बीएफआई की ओर से 7 मार्च के परिपत्र के क्रियान्वयन पर अगली सुनवाई तक रोक लगाई जाती है।बता दें भाजपा सांसद अनुराग ठाकुर को हाल ही में महासंघ की चुनाव प्रक्रिया के लिए अयोग्य घोषित किया गया था, क्योंकि उनका नामांकन 7 मार्च के परिपत्र का उल्लंघन करता था। न्यायालय ने स्पष्ट किया कि चुनाव की प्रक्रिया परिणामों की घोषणा के साथ जारी रहनी चाहिए, लेकिन यह याचिका के परिणाम के अधीन होगी। न्यायालय ने नोटिस जारी कर केंद्र और महासंघ को चार सप्ताह में जवाब दाखिल करने का समय दिया। बीएफआई के 7 मार्च के नोटिस में कहा गया है कि राज्य इकाइयों की वार्षिक आम बैठक के दौरान केवल विधिवत निर्वाचित सदस्यों ही अपने राज्यों का प्रतिनिधित्व करने के लिए अधिकृत हैं।

राशि फल

कुछ कार्य जिसकी पिछले कुछ दिनों से प्लानिंग चल रही है, आज शुरू हो सकता है, जिससे आपको आर्थिक स्थिति में लाभ होगा। व्यापार-व्यवसाय में परिवर्तन की योग बन रहे हैं

आज का दिन अच्छा है। परिवार में कोई नया सदस्य आ सकता है। आपके स्वास्थ्य में उतार-चढ़ाव देखने को मिलेगा। व्यापार आदि में सहयोगी पार्टनर के माध्यम से आय के नए स्रोत बनेंगे

किसी कार्य विशेष को लेकर आज यात्रा आदि पर बाहर जा सकते हैं। यात्रा में सावधानी बरतें, नहीं तो आपको नुकसान हो सकता है। साथ ही परिवार में किसी अपने के स्वास्थ्य से आप चिंतित रह सकते हैं।

आज आप व्यर्थ की भागदौड़ से परेशान हो सकते हैं। आपका मन अशांत रहेगा। कार्य की अधिकता के कारण थकावट आदि महसूस होगी।

आज आप मानसिक रूप से उलझे रहेंगे। किसी बात को लेकर परिवार में परेशानी बढ़ सकती है, लेकिन आप अपनी कुशलता से उसे हल करने में सफल होंगे। स्वास्थ्य ठीक रहेगा।

नौकरी आदि के लिए यदि प्रयास कर रहे हैं तो, आज आपको सफलता मिलेगी। स्वास्थ्य आपका ठीक रहेगा, परंतु परिवार में माता-पिता का स्वास्थ्य बिगड़ सकता है।

आज आपका कोई महत्वपूर्ण कार्य न होने से आप मानसिक तौर से परेशान रह सकते है। आर्थिक स्थिति के कारण आपको किसी से मदद मांगनी पड़ सकती है। व्यापार-व्यवसाय में भी इस समय गिरावट महसूस होगी।

आज आप पतनी के स्वास्थ्य को लेकर कुछ परेशान रहेंगे। परिवार के लोग सहयोग करेंगे। व्यापार-व्यवसाय में अपने साथियों के विरोध के कारण आपको बड़ा नुकसान हो सकता है।

स्वास्थ्य को लेकर आप परेशान हो सकते हैं। साथ ही नौकरी आदि में अधिकारी वर्ग से मतभेद बढ़ने से आपकी परेशानी बढ़ेगी।

आज का दिन आपके लिए लाभदायक रहेगा। किसी अपने के द्वारा आपको कार्यक्षेत्र में बड़ा काम मिल सकता है, जिस कारण मन प्रसनन्‍ रहेगा।

आत्मविश्वास में कमी रहेगी। मानसिंक शांति रहेगी लेकिन असंतोष भी रहेगा। परिवार में शांति बनी रहेगी। पिता का सहयोग मिलेगा।

मान-सम्मान बढ़ेगा। नौकरी में पदोन्नति के योग हैं। आत्मविश्वास बन रहेगा। शिक्षा से जुड़े काम सफल होंगे।

भारत ने मालदीव को 3-0 से हराया, संन्यास से वापसी पर चमके कप्तान सुनील छेत्री

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)
नई दिल्ली। राहुल भेके ने 35वें मिनट में शानदार हेडर के जरिए पहला गोल करके भारत को बढ़त दिलाई। 66वें मिनट में लिस्टन कोलाको ने एक और शानदार हेडर लगाया, जिससे भारत 2-0 से आगे हो गया। फिर 76वें मिनट में भारतीय कप्तान सुनील छेत्री ने बहुप्रतीक्षित गोल किया, वह भी हेडर ही था। इस तरह भारतीय टीम ने यह मुकाबला अपने नाम कर लिया भारत ने मालदीव को 3-0 से हरा दिया। शिलांग में खेले गए इस मुकाबले में संन्यास से वापसी कर पहली बार मुकाबला खेलने उतरे कप्तान सुनील छेत्री ने शानदार प्रदर्शन किया और टीम को जीत दिलाई। राहुल भेके ने 35वें मिनट में शानदार हेडर के जरिए पहला गोल करके भारत को बढ़त दिलाई। 66वें मिनट में लिस्टन कोलाको ने एक और शानदार हेडर लगाया, जिससे भारत 2-0 से आगे हो गया। फिर 76वें मिनट में भारतीय कप्तान सुनील छेत्री ने बहुप्रतीक्षित गोल किया, वह भी हेडर ही था। इस तरह भारतीय टीम ने यह मुकाबला अपने नाम कर लिया। पिछले साल मई में संन्यास लेने के बाद राष्ट्रीय टीम में वापसी करने वाले 40 वर्षीय छेत्री ने इस दिन को यादगार बना दिया। उन्होंने 77वें मिनट में हेडर से भारत के लिए तीसरा गोल करके अपना 95वां अंतरराष्ट्रीय गोल दाग दिया। कप्तान छेत्री 47वें मिनट में भी गोल करने के करीब पहुंचे थे लेकिन मालदीव के गोलकीपर ने उनका प्रयास विफल कर दिया था। 82वें मिनट में मैदान में उनकी जगह दूसरे खिलाड़ी को उतारा गया। यह 16 महीनों में भारत की पहली जीत है और मानोलो मार्केज के मार्गदर्शन में भी पहली जीत है जिन्हें पिछले साल जुलाई में मुख्य कोच बनाया गया था। भारत को इससे पहले आखिरी जीत 16 नवंबर 2023 को कुवैत सिटी में 2026 फीफा विश्व कप क्वालिफाइंग दौर के मैच में कुवैत (1-0) के खिलाफ मिली थी। बुधवार से पहले मार्केज के मार्गदर्शन में भारत एक बार हारा और तीन मैच ड्रॉ खेले। यह मैच एएफसी एशियाई कप क्वालिफायर के लिए एक ड्रेस रिहर्सल था जो 25 मार्च को इसी स्थान पर बांग्लादेश के खिलाफ खेला जाएगा। छेत्री ने इस महीने की शुरुआत में अंतरराष्ट्रीय संन्यास से वापसी करने का फैसला किया ताकि टीम एएफसी एशियाई कप के क्वालिफायर में सफलतापूर्वक आगे बढ़ सके जिसकी शुरूआत 25 मार्च के मुकाबले से होगी। मालदीव विश्व रैंकिंग में 162वें स्थान पर काबिज है जो भारत (126) से 36 स्थान नीचे है। वहीं शिलांग में यह पहला अंतरराष्ट्रीय फुटबॉल मैच भी है।

सम्पादकीय

इंसानों और हाथियों के बीच बढ़ता टकराव

असम में बीते पांच साल के दौरान हाथियों के हमले में तीन सौ लोगों की मौत हो चुकी है। अकेले ग्वालपाड़ा जिले में ही बीते चार साल में 92 लोगों की मौत हो चुकी है। यह आंकड़ा सरकारी है। अब असम सरकार ने हाथी और इंसान के बीच बढ़ते टकराव को रोकने की दिशा में ठोस पहल की है। असम में बीते पांच साल के दौरान हाथियों के हमले में तीन सौ लोगों की मौत हो चुकी है। अकेले ग्वालपाड़ा जिले में ही बीते चार साल में 92 लोगों की मौत हो चुकी है। यह आंकड़ा सरकारी है। अब असम सरकार ने हाथी और इंसान के बीच बढ़ते टकराव को रोकने की दिशा में ठोस पहल की है। इनमें मृतकों के परिजनों को मुआवजे की राशि बढ़ाने के साथ ही खेती को होने वाले नुकसान की स्थिति में मुआवजा भी बढ़ाया है। इसके अलावा कई और उपाय प्रस्तावित हैं। इस साल के बजट में असम सरकार ने इस टकराव पर अंकुश लगाने के लिए कई नए कदम उठाने की बात कही है। वित्त मंत्री अजंता नियोग का कहना था कि ऐसी मौतों की स्थिति में मौजूदा मुआवजे की रकम चार लाख से बढ़ाकर पांच लाख कर दी गई है। इसके अलावा फसलों के नुकसान के मामले में भी मुआवजे की रकम साढ़े सात हजार प्रति बीघे से बढ़ा कर आठ हजार कर दी गई है। उनका कहना था कि इससे किसानों को कुछ राहत मिलेगी। हाथियों के हमले में होने वाली मौतों के मामले में असम देश भर में चौथे स्थान पर है। इस मामले में बीते पांच वर्षो के आंकड़ों के मुताबिक, 624 मौतों के साथ ओडिशा पहले स्थान पर है। उसके बाद 474 और 436 मौतों के साथ क्रमशः झारखंड और पश्चिम बंगाल का दूसरा और तीसरा स्थान है। पूर्वोत्तर के बाकी राज्यों में भी इंसानों और हाथियों के बीच टकराव में मौतों की तादाद लगातार बढ़ रही है। यह तो हुआ जान का नुकसान, खड़ी फसलों और संपत्ति का नुकसान भी करोड़ों में है। सरकार ने राज्य के उन पांच जिलों में गज मित्र योजना शुरू की है, जहां हाथियों के हमले सबसे ज्यादा होते हैं। इन इलाकों में टकराव पर अंकुश लगाने के लिए हाथियों के लिए पर्याप्त भोजन मुहैया कराने के साथ ही आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) से लैस कैमरे लगाए जाएंगे ताकि हाथियों की आवाजाही की सूचना समय रहते मिल सके। इसके साथ ही धान की खरीद भी समय से पहले की जाएगी। ग्रामीण इलाकों में खासकर धान की कटाई के बाद ही हाथियों के झुंड भोजन की तलाश में हमले करते हैं। सरकार ने राज्य के सबसे बड़े नेशनल पार्क काजीरंगा में भी जानवरों के लिए सुविधाएं बढ़ाने और सफारी के लिए पर्यावरण के लिहाज से बेहतर और बिजली से चलने वाले वाहनों का इस्तेमाल किया जाएगा। इसके लिए बजट में 20 करोड़ का प्रावधान रखा गया है। हाल के वर्षो में कई जानवरों की मौत बिजली के झटकों से हुई है। ऐसी घटनाएं रोकने के लिए अब हाथियों की आवाजाही के रास्तों पर सुरक्षा की जाली वाले ब्रिज बनाए जाएंगे और बिजली के खंभों के इर्द-गिर्द कड़ा घेरा बनाया जाएगा। वन विभाग और रेलवे के बीच हाथियों की आवाजाही के रास्ते में ट्रेनों की गति अधिकतम 40 किमी प्रति घंटा रखने पर पहले से ही सहमति बन गई है। इसके साथ ही अब सरकार खासकर नेशनल पार्क से होकर गुजरने वाले हाईवे पर सफर करने वालों की जागरूकता के लिए जगह-जगह साइन बोर्ड लगाती रही है। खासकर काजीरंगा नेशनल पार्क में हाईवे पर कई जानवर सड़क हादसे का शिकार होते रहे हैं। दूसरी ओर, हाल में डिब्रूगढ़ में मीडिया कार्यशाला आयोजित की गई। इसमें इस संघर्ष को कम करने और सह-अस्तित्व को बढ़ावा देने में मीडिया की भूमिका पर प्रकाश डाला गया। साथ ही इसके लिए स्थानीय समुदायों को साथ जोड़ने की जरूरत पर भी जोर दिया गया। वन्यजीव कार्यकर्ताओं ने सरकार की इस पहल का स्वागत किया है। कोलकाता के एक ऐसे कार्यकर्ता दीपेन विश्वास कहते हैं कि असम सरकार की यह पहल सकारात्मक है। पश्चिम बंगाल में भी यह समस्या बेहद गंभीर है। यहां भी इसी तरह की पहल की जानी चाहिए।

क्या भाजपा के लिए गेम चेंजर होगा, माता सीता का मंदिर

बिहार में विस चुनाव यूं तो इस साल अक्टूबर या नवंबर में संभावित हैं, लेकिन राजनीतिक गोटियां अभी से चली जाने लगी हैं। इनमें भी सबसे अहम है केन्द्रीय मंत्री अमित शाह द्वारा राज्य में सीता माता का मंदिर बनाने का एलान और नीतीश पुत्र निशांत की सियासत के रिंग में पेश कदमी। घनघोर जातिवाद के चक्रव्यूह में घिरे बिहार में सीता माता का भव्य मंदिर बनाने की घोषणा क्या आगामी विधानसभा चुनाव में भाजपा के लिए 'गेमचेंजर' साबित होगी? क्या राम मंदिर आंदोलन की तरह सीता मंदिर का मुद्दा भी बिहार में जातीय गोलबंदी को तोड़ने में कामयाब होगा? क्या भाजपा इसे लहर में बदल कर राज्य में अपना वोट बैंक 20 फीसदी से ज्यादा बढ़ा पाने में कामयाब होगी?क्या नीतीश की अगुवाई में फिर एनडीए और प्रकारांतर से भाजपा की सरकार बनेगी? भाजपा के हिंदुत्ववादी एजेंडे के मद्देनजर क्या नीतीश चुनाव बाद भी एनडीए में रहेंगे या फिर पहले ही पाला बदलकर लालू के साथ हो जाएंगे? यह भी कि कल तक खुद को परिवारवाद से ऊपर बताने वाले नीतीश कुमार पिछले दरवाजे से अपने इकलौते बेटे निशांत की ताजपोशी की जो जमावट कर रहे हैं, उसका नतीजा क्या होगा? और क्या अब तक हाशिए पर पड़ी कांग्रेस कन्हैया कुमार की अगुवाई में अपनी खोई जमीन फिर पाने में कामयाब होगी? ये कुछ ऐसे अहम सवाल हैं, जिन पर राजनीतिक विश्लेषकों की गहरी नजर है। बिहार में विस चुनाव यूं तो इस साल अक्टूबर या नवंबर में संभावित हैं, लेकिन राजनीतिक गोटियां अभी से चली जाने लगी हैं। इनमें भी सबसे अहम है केन्द्रीय मंत्री अमित शाह द्वारा राज्य में सीता माता का मंदिर बनाने का एलान और नीतीश पुत्र निशांत की सियासत के रिंग में पेश कदमी बिहार में अपने दम पर सत्ता में आना या कम से कम अपनी अगुवाई में सरकार बनाना भाजपा का पुराना सपना है। लेकिन बिहार का जातीय और राजनीतिक गणित कुछ ऐसा जटिल है कि जाति के आगे वहां हर मुद्दा फेल हो जाता है यह शायद अकेला राज्य है, जहां व्यक्ति की पहचान उसकी योग्यता से ज्यादा उसकी जाति से होती है। हालांकि भाजपा की यही कोशिश रही है कि बिहार के लोग जातीय गोलबंदी से निकलकर धार्मिक छतरी में लामबंद हो जाएं। राज्य के 82 फीसदी बहुसंख्यक हिंदू समाज भगवा रंग में रंगकर एकजुट हो। इसकी जमीन तैयार का जिम्मा बाबा बागेश्वर जैसे कथा वाचकों को सौंपा गया है। संघ भी इसी मिशन में लगा है। लेकिन अगड़े, पिछड़े, अति पिछड़े, दलित और महादलित में बुरी तरह बंटा हिंदू समाज भगवा रंग में रंग में कितना रंग पाएगा, कहना मुश्किल है। क्योंकि अयोध्या में राम मंदिर का उद्घाटन भी लोकसभा चुनाव के दौरान बिहार में बहुत ज्यादा असर नहीं दिखा पाया। भाजपनीत एनडीए को जो कामयाबी मिली, वो वोटों की सटीक जातीय गोलबंदी के कारण ज्यादा थी। बिहार में जाति के साथ राजनीतिक वर्चस्व और दबंगई की लड़ाई भी साथ चलती है। ऐसे में भाजपा ने इस बार अपने तरकश से 'सीता माता मंदिर' का ब्रह्मास्त्र निकाला है। अगर अयोध्या सीताजी की ससुराल है तो बिहार के मिथिलाचंल का सीतामढ़ी सीता मैया का मायका है। हालांकि, सीता मंदिर को लेकर कोई धार्मिक तनाव और जमीन का झगड़ा नहीं है (एक धोबी, जिसे तबका सोशल मीडिया मानें तो उसके द्वारा रावण की कैद में सीता के चरित्र पर उठाई उंगली को छोड़ दें)। अलबत्ता 'सीताराम चरित अति पावन' होने की वजह से यह मुद्दा हिंदू महिलाओं को गहरे तक प्रभावित कर सकता है। सीता माता एकनिष्ठ पत्नी और अपने चरित्र की निष्कलंकता सिद्ध करने के लिए अग्नि परीक्षा से गुजरने वाली दिव्य स्त्री के रूप में पूजनीय है और पुरूष प्रधान समाज में आदर्श भारतीय नारी की परिकल्पना का मूर्तिमंत स्वरूप हैं।गौरतलब है कि केन्द्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने गुजरात की राजधानी गांधीनगर में पिछले दिनो आयोजित 'शाश्वत मिथिला महोत्सव 2025' में एलान किया कि मिथिला (बिहार का मिथिलांचल) में जल्द ही माता सीता का भव्य मंदिर बनेगा। उन्होंने कहा कि 'संवाद से समाधान' की परंपरा मिथिला की भूमि से ही विकसित हुई है शाह ने यह भी कहा कि मिथिलांचल मां सीता की जन्मभूमि और उनके पिता जनक जैसे विद्वान राजर्षि की भूमि है। उल्लेखनीय है कि मिथिला के राजा जनक की पुत्री और राजकुमारी होने के कारण सीताजी को मैथिली भी कहा जाता है। मिथिलांचल दरअसल बिहार का उत्तर-पूर्वी इलाका है, जिसमें राज्य के 21 जिले आते हैं। इसमें नेपाल से लगा सीतामढ़ी जिला भी शामिल है।सीतामढ़ी जिले का पुनौरा धाम माता सीता का जन्म स्थान माना जाता है। यहां हर साल फाल्गुन माह के कृष्णपक्ष की अष्टमी को सीता जयंती मनाई जाती है। माना जाता है कि सीताजी राजा जनक को खेत में हल चलाते समय मिली थीं। धार्मिक पर्यटन के नक्शे में सीतामढ़ी रामायण सर्किट का हिस्सा है, जो रामायण में वर्णित 15 महत्वपूर्ण स्थानों का एक समूह है। सीतामढ़ी में एक प्राचीन जानकी (सीता) मंदिर पहले से है। वैसे अमित शाह ने इसका एलान अभी किया हो, लेकिन सीतामढ़ी में सीता माता का मंदिर बनाने के प्रयास पहले से जारी हैं। राज्य सरकार ने मौजूदा मंदिर के आसपास 50 एकड़ जमीन का अधिग्रहण किया है।यह जमीन उस 16.63 एकड़ के अतिरिक्त है, जिसे बिहार सरकार ने मौजूदा मंदिर परिसर के आसपास पुनर्विकास के लिए पहले से अधिग्रहित किया हुआ है। इसके लिए बिहार सरकार ने 72 करोड़ रू. आवंटित भी किए थे। कहा जा रहा है कि सीता मंदिर का निर्माण राम मंदिर की तर्ज पर एक सार्वजनिक ट्रस्ट के जरिए पैसे जुटाकर किया जाएगा। अयोध्या राम मंदिर के आर्किटेक्ट आशीष सोमपुरा प्रस्तावित मंदिर स्थल का दौरा पहले ही कर चुके हैं। सीता मंदिर के लिए 51 शक्ति पीठों से मिट्टी मंगवाई जाएगी। मंदिर में माता सीता की 251 फीट ऊंची भव्य प्रतिमा स्थापित होगी। मंदिर निर्माण की कार्यवाही रामायण रिसर्च काउंसिल के तत्वावधान में हो रही है। काउंसिल के ट्रस्टी राजीव कुमार सिंह के अनुसार मां जानकी (सीता) के मंदिर का निचला भाग वृत्ताकार होगा। उसके चारों ओर से मां के 108 विग्रह (स्वरूपों) को प्रदर्शित किया जाएगा। यूं सीताजी का जन्मस्थान और मायके को लेकर और भी मान्यताएं हैं। मसलन पटना के बक्सी मोहल्ला में भी सीता माता का मंदिर है। माना जाता है कि श्रीराम से विवाह के बाद ससुराल जाते समय माता सीता की पालकी (डोला) इसी स्थान पर रखी गई थी। सीताजी का एक मंदिर उत्तराखंड में चमोली जिले के जोशीमठ क्षेत्र में स्थित चांई गांव में भी है। जहां केवल सीताजी की ही मूर्ति है। इसी प्रकार नैनीताल में जिम कॉर्बेट पार्क में सीतावनी मंदिर है।मान्यता है कि निर्वासन के बाद सीता माता ने यहां भी कुछ साल व्यतीत किए थे। इसी तरह नेपाल के जनकपुर धाम को भी सीता का मायका माना जाता है। यही कारण है कि श्रीराम का ससुराल पक्ष होने के कारण जनकपुर वासियों ने अयोध्या में राम मंदिर में भगवान राम की प्रतिमा निर्माण के लिए नेपाल से काली गंडकी नदी से निकाली गई राम शिला भेजी थी। वैसे सीतामढ़ी और जनकपुर में करीब 53 किमी की दूरी बताई जाती है। सीतामढ़ी में ही सीताजी का मंदिर बने, इस पर विपक्ष की राजनीतिक आपत्ति के अलावा शायद ही किसी को ऐतराज हो। लेकिन क्या यह मंदिर भाजपा की राजनीतिक रामायण का सुंदरकांड भी साबित होगा, इसको लेकर कई सवाल हैं। सीता मंदिर निर्माण के एलान में छिपे राजनीतिक बारूद को भांपते हुए बिहार में विपक्षी दल राजद ने कहा कि 'बिहार को मंदिर से ज्यादा अस्पताल, सड़क और रोजगार की जरूरत है।' बिहार में 18 फीसदी मुस्लिम वोट हैं। राजद व अन्य सहयोगी पार्टियां मंदिर निर्माण का खुलेआम समर्थन कर इस वोट बैंक को फिसलने देना नहीं चाहतीं। राजद का मुख्य जनाधार 27.12 फीसदी ओबीसी और 18 फीसदी मुस्लिम वोट हैं। जबकि राज्य में 36.01 प्रतिशत अति पिछड़े यानी ईबीसी की का बड़ा हिस्सा नीतीश कुमार के साथ हैं। यही नीतीश की ताकत है और इसी कारण भाजपा नीतीश का दामन चाह कर भी छोड़ नहीं पा रही है। नीतीश की पार्टी जद यू को भी थोड़ा बहुत मुस्लिम वोट मिल जाता है। जबकि भाजपा का वोट बैंक तमाम कोशिशों के बाद भी 20 प्रतिशत से आगे नहीं बढ़ पा रहा है और यह वोट भी मुख्यतः अगड़ी जातियों का है।दूसरी तरफ कांग्रेस का वोट बैंक कुछ अगड़े और कुछ मुस्लिम वोटों से बनता है। राज्य में कन्हैया कुमार को आगे कर कांग्रेस ने यह संदेश देने की कोशिश की है कि वह विस चुनाव दमदारी से लड़ेगी और राजद के मुस्लिम वोटो में भी सेंध लगाएगी। चाहे उसे अकेले ही क्यों न लड़ना पड़े। जानकारों के अनुसार अगर ऐसा हुआ तो ज्यादा नुकसान भाजपा को होगा, क्योंकि अगड़ा वोट दोनो पार्टियों में बंट सकता है। सो भाजपा को लग रहा है कि सीता मैया की कृपा रही तो कम से कम अगड़ा वोट तो उसके साथ रहेगा ही और पिछड़ों में भी सेंध लग सकती है। हालांकि, पिछड़ों में भी यादव लगभग पूरी तरह से राजद के साथ हैं। हालांकि सीता मंदिर का समर्थन जद यू ने और चिराग पासवान की दलित पार्टी लोजपा ने भी किया है। जिनकी आबादी प्रदेश में 19.65 प्रतिशत है। पासवान इस बार एनडीए के साथ ही चुनाव लड़ेंगे। राज्य में एनडीए का सम्मिलित वोट 45 फीसदी से ज्यादा है।

बायोसिमिलर दवाओं के इस्तेमाल को बढ़ावा देना जरूरी, ताकि कम हो सके इलाज का खर्च

बायोसिमिलर दवाएं बहुत प्रभावशाली और सस्ती सिद्व होती हैं जो सुरक्षा और प्रभावशीलता में आम बायोलोजिक्स की दवाओं से कोई विशेषतः भिन्न नहीं होती और इसके जांच के लिए भी कड़े मानक बनाए हुए हैं। भारत में करोड़ों लोगों को अपने घरेलू खर्च का बहुत बड़ा हिस्सा पारिवारिक बीमारियों के इलाज में खर्च करना पड़ता है, उनके बजट का कभी-कभी तो 50 से 70झ् तक का हिस्सा अस्पतालों और दवाइयों के चक्कर में खर्च हो जाता है। इससे गरीब और औसत परिवारों पर बहुत बोझ पड़ता है और इसके लिए कभी-कभी तो लोगों को अपने घर या जमीन को बेचना पड़ता है या परिवार के गहने गिरवी रखने पड़ते हैं।कुल मिलाकर इसके कारण देश में 3 से 4 करोड़ लोग सालाना गरीबी रेखा के जाल में फंस जाते हैं। कई बार तो इन गरीब परिवारों के बच्चों की पढ़ाई और रहन-सहन आदि पर भी बहुत दुष्प्रभाव पड़ता है। बढ़ती बीमारियों में ज्यादा किफायती इलाज के लिए प्रभावी उपायों की जरूरत है। वैसे तो सरकार द्वारा अनेक प्रभावी कदम उठाए गए हैं जिनमें आयुष्मान भारत आदि शामिल हैं, फिर भी गरीब और निचले औसत दर्जे के करोड़ों परिवारों को दवा और इलाज में होने वाले बढ़ते खर्च का डर हमेशा सताता रहता है। इस संबंध में बायोसिमिलर दवाएं बहुत प्रभावशाली और सस्ती सिद्व होती हैं जो सुरक्षा और प्रभावशीलता में आम बायोलोजिक्स की दवाओं से कोई विशेषतः भिन्न नहीं होती और इसके जांच के लिए भी कड़े मानक बनाए हुए हैं। यदि आम भाषा में कहा जाए, बायोलोजिक्स की दवाएं वही होती हैं जो बड़ी-बड़ी कंपनियों द्वारा बनाई जाती हैं और पेटेन्ट द्वारा सुरक्षित होती हैं। अक्सर इनकी कीमत काफी ज्यादा होती है, परन्तु एक बार पेटेन्ट समाप्त होने के बाद इन्हें उसी प्रकार की गुणवत्ता के अनुरूप बायोसिमिलर प्रणाली से बनाया जा सकता है।बायोसिमिलर दवाइयां तकरीबन वैसी ही होती हैं जैसी मूलतः बायोलोजिक दवाइयां, और उनका फायदा भी वैसा ही होता है, अलबत्ता उन्हें क्वालिफाइड डॉक्टरों की सलाह पर ही देना चाहिए। इस समय देश में लगभग 100 बायोसिमिलर दवाओं के उत्पादन को स्वीकृति मिल चुकी है और हमारा देश दुनिया में बायोसिमिलर दवाओं के उत्पादन में अग्रणी है। एक अनुमान के अनुसार देश में 118 बायोलोजिक्स की ऐसी दवाएं हैं जिनका पेटेन्ट 2015 से 2034 के बीच समाप्त हो रहा है। लेकिन उनमें से केवल 10ः दवायें ऐसी हैं जिनका बायोसिमिलर प्रणाली में विकसित करने की योजना है। इस प्रकार कुल मिलाकर यह एक ऐसा स्वर्णिम अवसर है जिसके अन्दर हमारे यहां बहुत तेजी से बायोसिमिलर दवायें बनाई जा सकती हैं। इन दवाओं की कीमत अनुमानतः बायोलोजिक्स की संबंधित दवाओं से लगभग 50 से 75झ् तक कम हो सकती हैं जिससे आम आदमी के दवाओं के खर्च में काफी बचत हो सकती है। यह बचत न सिर्फ भारत के आम लोगों के लिए लाभप्रद है बल्कि विश्व के अनेक देशो के लिए भी बहुत फायदेमंद है। भारत को दुनिया की फार्मेसी समझा जाता है जो इन देशों में अच्छी और सस्ती दवायें भेजने के लिए जाना जाता है। यह सिर्फ अफ्रीका, लेटिन अमेरिका आदि देशों के लिए ही नहीं बल्कि धनी देशों के लिए भी अत्यन्त महत्वपूर्ण है। 2022 में अमेरिका में भारतीय दवाओं की कंपनियों द्वारा 40झ् जेनेरिक दवाओं के निर्यात से वहां के हेल्थकेयर में 219 बिलियन डॉलर की अनुमानित बचत हुई थी। आज इसी प्रकार की बचत इन देशों में किफायती बायोसिमिलर दवाओं के निर्यात से भी हो सकती है इस संबंध में एक समस्या यह है कि बड़ी-बड़ी बहुराष्ट्रीय कंपनियां जिनके पास दवाइयों के पेटेन्ट हैं, और जिनके आधार पर वे भारी मुनाफा कमाते हैं, उनका प्रयत्न होता है कि वें अपने पेटेन्ट को दवा के निर्माण में छोटी-मोटी तब्दीली करके रिन्यू करा लें, जिसे पेटेन्ट की एवरग्रीनिंग कहा जाता है। हमारी कोशिश यह रहती है कि पुराने पेटेन्ट को रिन्यू करने के लिए जब तक कोई नई दवा या उसमें कोई विशेष सुधार न हो, नए पेटेन्ट की अनुमति नहीं दी जाए। इसके फलस्वरूप कई बार इन कंपनियों द्वारा पेटेन्ट कानून के अर्न्तगत कानूनी दावपेंच भी आजमाये जाते हैं। इसके लिए यह भी जरूरी है कि इस बारे में पेटेन्ट के रिन्यूवल के मामलों में कड़ी दृष्टि रखी जाए। साथ ही देश के पेटेन्ट के कानून और ड्रग कन्ट्रोलर इत्यादि रेगूलेटरी संस्थाओं द्वारा नियमों की सख्त अनुपालना की जाए इस समय देश में बायोसिमिलर दवाओं के अधिक प्रचलन को बढ़ाने के लिए अस्पतालों में इलाज और जन औषधी के कार्यक्रमों, जैसे आयुष्मान भारत इत्यादि में अधिक प्रयोग की आवश्कता है। इसका एक लाभ जो यह होगा कि सरकार को इन कार्यक्रमों में मंहगी बायोलोजिक दवाओं के स्थान पर, उतनी ही प्रभावशाली परन्तु किफायती बायोसिमिलर दवाओं के ज्यादा प्रयोग से होने वाली बचत को जन-स्वास्थ्य के अन्य कार्यकलापों में लगाया जा सकता है इसके अलावा इनकी बढ़ती हुई मांग के कारण देश में इनका निर्माण बढ़ाया जा सकता है जिसके फलस्वरूप इन दवाईयों की कीमत में और कमी होगी।कुल मिलाकर इन दवाओं को देश के सरकारी अस्पतालों और जन-स्वास्थ्य केन्द्रों में प्रयोग के लिए अनुमति देने की जरूरत है, जिसके लिए इनकी जांच भी कड़ाई से की जानी चाहिए ताकि आम लोगों को इसपर विश्वास बना रहे। सरकार को इस प्रकार की बायोसिमिलर दवाओं के थोक में खरीदने के लिए भी कदम उठाने के लिए जरूरत है ताकि देश मे इनका उत्पादन बढ़ सके और इनका निर्यात भी हो सके। देश की कानूनी प्रणाली जो पेटेन्ट और ड्रग कन्ट्रोल इत्यादि को देखती है को सुदृढ़ करने की जरूरत है। कम्पटीशन कमीशन द्वारा भी यह देखा जा सकता है कि कम्पटीशन कानून के अर्न्तगत बहुराष्ट्रीय कंपनियों द्वारा कम्पटीशन कानून की सख्ती से अनुपालना की जाये यदि सारांश में कहा जाए, आज आवश्यकता है कि सरकार द्वारा उठाए गए अनेक प्रभावी कार्यक्रमों जैसे आयुष्मान भारत आदि के अतिरिक्त, इनके अर्न्तगत अस्पतालों में दवाइयों के खर्च में बचत के लिए बायोसिमिलर दवाओं का उत्पादन ओर प्रचलन बढ़ाया जाए ताकि इससे आम आदमी को इलाज के बढ़ते हुए खर्च में राहत मिल सके।

किसान सभा के बैनर तले यमुना एक्सप्रैसवे के किसानों ने यमुना प्राधिकरण पर किया जोरदार धरना प्रदर्शन-गंगेश्वर दत्त शर्मा

(आधुनिक समाचार नेटवर्क)

नोएड। 64.7 फ़ीसदी अतिरिक्त प्रतिकर (मुआवजा) वितरण शुरू करवाने की मांग पर अखिल भारतीय किसान सभा उत्तर प्रदेश के संयुक्त सचिव कामरेड दिगंबर सिंह के नेतृत्व में यमुना एक्सप्रेसवे से प्रभावित सैकड़ो किसानों ने यमुना एक्सप्रेसवे औद्योगिक विकास प्राधिकरण पर जोरदार तरीके से धरना प्रदर्शन किया। धरना-प्रदर्शन को सीटू नेता गंगेश्वर दत्त शर्मा, किसान सभा के नेता कामरेड दिगंबर सिंह, डॉक्टर रुपेश वर्मा, गवरी मुखिया, सुरेश यादव, सुले यादव, सुनील कुमार, धर्मवीर सिंह, पूरन सिंह, प्रताप सिंह, अमर सिंह, मंगल सिंह, श्याम सुंदर, तेजपाल सिंह, सुखबीर सिंह, उमेश सिंह, लक्ष्मण सिंह, करन सिंह, भूदेव सिंह, ओमवीर सिंह, जनवादी महिला समिति की नेता गुड़िया देवी, इशरत जहां आदि ने संबोधित किया। और प्राधिकरण की किसान विरोधी सोच/ कार्यों को रेखांकित किया। धरनारत किसानों को प्राधिकरण के अधिकारियों ने वार्ता के लिए आमंत्रित किया। जिस पर उत्तर प्रदेश किसान सभा के संयुक्त सचिव कामरेड दिगंबर सिंह, किसान सभा गौतम बुध नगर जिलाध्यक्ष डॉ रुपेश वर्मा, सीटू जिलाध्यक्ष गंगेश्वर दत्त शर्मा के नेतृत्व में दर्जनों किसानों का प्रतिनिधिमंडल प्राधिकरण के मुख्य कार्यपालक अधिकारी श्री अरुण वीर सिंह व ओएसडी श्री शैलेंद्र सिंह से मुलाकात कर उन्हें समस्याओं से अवगत कराते हुए ज्ञापन दिया। प्राधिकरण के मुख्य कार्यपालक अधिकारी अरुणवीर सिंह ने किसानों को बताया कि 64.7 अतिरिक्त मुआवजा वितरण की सभी कानूनी प्रक्रियाएं पूरी कर ली गई है शासन स्तर से स्वीकृति भी मिल गई है 10- 15 दिनों के अंदर शासनादेश जारी हो जाएगा उसके तुरंत बाद मुआवजा वितरण का कार्य शुरू कर दिया जाएगा।

एम्स में बेहोश किए बिना हृदय तक पहुंचाया कृत्रिम वॉल्व, प्रदेश के किसी सरकारी अस्पताल में पहला केस

(आधुनिक समाचार नेटवर्क)

नई दिल्ली। एम्स भोपाल ने एक और बड़ी उपलब्धि हासिल कर ली है। प्रदेश में पहली बार किसी शासकीय अस्पताल में मरीज को बेहोश किए बिना कृत्रिम हृदय वॉल्व को उसके हृदय तक पहुंचाया गया। ट्रांसकैथेटर एऑर्टिक वाल्व इंप्लांटेशन (टीएवीआई) किया गया है। राजधानी भोपाल स्थित एम्स में स्वास्थ्य सेवाओं का लगातार विस्तार किया जा रहा है। अब एम्स ने एक और बड़ी उपलब्धि हासिल कर ली है। प्रदेश में पहली बार किसी शासकीय अस्पताल में मरीज को बेहोश किए बिना कृत्रिम हृदय वॉल्व को उसके हृदय तक पहुंचाया गया। खास बात यह है कि इस तकनीक में न तो किसी तरह का चीरा लगाने की जरूरत होती है और न ही मरीज को एनेस्थीसिया देने की आवश्यकता होती है। मरीज को बेहोश किए बिना ही शल्य चिकित्सा पूर्ण हो जाती है और ऐसे मामलों में मरीज की रिकवरी तेज गति से होने लगती है। गौरतलब है कि एम्स भोपाल में मध्य प्रदेश में पहली बार ट्रांसकैथेटर एऑर्टिक वाल्व इंप्लांटेशन (टीएवीआई) किया गया। यह तकनीक आर्थिक रूप से कमजोर वर्ग के लोग जो एम्स के चिकित्सकों का कहना है कि जो लोग हार्ड संबंधित बीमारियों से पीड़ित है उनके लिए उनके लिए यह प्रक्रिया बहुत ही लाभदायक है। डॉक्टरों के अनुसार यह शल्य चिकित्सा उन्नत हृदय देखभाल सेवाएं प्रदान करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। टीएवीआई हृदय वॉल्व प्रतिस्थापन की ऐसी तकनीक है, जो उच्च जोखिम वाले रोगियों के लिए ओपन हार्ट सर्जरी का अच्छा विकल्प है।

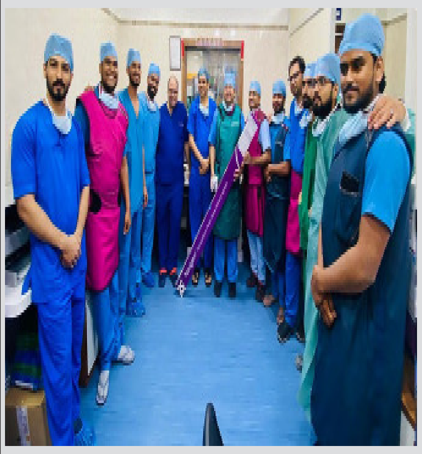

नोएडा पब्लिक लाइब्रेरी में साइबर सुरक्षा जागरूकता सत्र आयोजित

(आधुनिक समाचार नेटवर्क)

नोएड। नोएडा पब्लिक लाइब्रेरी में रीडिंग रूम के छात्रों के लिए एक विशेष साइबर सुरक्षा जागरूकता सत्र आयोजित किया गया। इस सत्र में डीआईजी राम बदन सिंह जी, डीसीपी प्रीति यादव जी और इंस्पेक्टर समर पाल सिंह जी ने छात्रों को साइबर अपराध, ऑनलाइन सुरक्षा और डिजिटल सावधानियों के बारे में जागरूक किया। सत्र के दौरान विशेषज्ञों ने ऑनलाइन फ्रॉड, फिशिंग अटैक, मजबूत पासवर्ड के महत्व, सोशल मीडिया सुरक्षा, उन्होंने विभिन्न हेल्पलाइन नंबर, मोबी आर्मर, टफकॉप, एम आर्मर के उपयोग और साइबर क्राइम रिपोर्टिंग जैसे अहम विषयों पर जानकारी दी। डीआईजी राम बदन सर ने बताया कि साइबर अपराध के मामलों में लगातार वृद्धि हो रही है, जिससे सतर्क रहना जरूरी है। डीसीपी प्रीति यादव ने छात्रों को सुरक्षित डिजिटल व्यवहार अपनाने की अपील की, जबकि इंस्पेक्टर समर पाल सिंह ने साइबर अपराध से जुड़ी कानूनी जानकारी साझा की। सत्र के अंत में छात्रों ने अपने सवाल पूछे, जिनका अधिकारियों ने विस्तार से उत्तर दिया। इस अभियान का उद्देश्य छात्रों को साइबर सुरक्षा के प्रति जागरूक बनाना और उन्हें सुरक्षित ऑनलाइन व्यवहार की सीख देना था। श्री महेश सक्सैना, श्री सुभाष सिंघल, श्री कुशाग्र अवस्थी, श्रीमती गिरजा सिंह, श्रीमती लीका सक्सेना, श्री मुकुल बाजपेयी और अन्य स्टाफ उपस्थित थे।

बड़े बदलाव के संकेत, नवरात्र में नई कैबिनेट, धामी मंत्रिमंडल से तीन मंत्रियों की होगी विदाई

(आधुनिक समाचार नेटवर्क)

नई दिल्ली। धामी मंत्रिमंडल से तीन वरिष्ठ मंत्रियों की विदाई होगी। जबकि खाली पांच कुर्सियां भरेंगी। तीनों मंत्रियों की विदाई का आधार उनकी परफारमेंस बनेगी। कैबिनेट में पंजाबी समाज के विधायक को जगह मिल सकती है। प्रदेश की धामी सरकार एक ओर अपने तीन साल पूरे होने के जश्न की तैयारी कर रही है, वहीं दूसरी ओर नवरात्र पर कैबिनेट नए रूप में दिखाई देगी। कैबिनेट में पांच खाली पद भरे जाने के साथ ही तीन कैबिनेट मंत्रियों की विदाई के संकेत मिल रहे हैं। नए मंत्रिमंडल का जो ड्राफ्ट तैयार हो रहा है, उसमें जातीय और क्षेत्रीय समीकरणों का खास ध्यान रखा गया है। इस ड्राफ्ट पर केंद्रीय नेतृत्व की मुहर लगनी है। हालांकि मुख्यमंत्री दिल्ली दौरे को कैबिनेट में बदलाव की संभावना के तौर पर देखा गया। लेकिन सूत्रों के मुताबिक, धामी का यह दौरा एक विवाह समारोह में शामिल होने को लेकर था। कैबिनेट में फेरबदल को लेकर केंद्रीय नेतृत्व से चर्चा करने के लिए धामी बाद में दिल्ली जाएंगे। बहरहाल सूत्रों का कहना है कि नई कैबिनेट का जो ड्राफ्ट तैयार किया गया है, उसमें तीन वरिष्ठ मंत्रियों की विदाई की संभावना जताई जा रही है। तीनों मंत्रियों की विदाई का आधार उनकी परफारमेंस बनेगी। कैबिनेट में पंजाबी समाज के विधायक को जगह मिल सकती है। क्षेत्रीय व जातीय संतुलन के हिसाब से वरिष्ठता व अनुभव के आधार पर मंत्री बनाया जा सकता है। कैबिनेट में बदलाव को लेकर केंद्रीय नेताओं से पहले बातचीत होगी। चर्चा का यह सिलसिला राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के बंगलूरू में 21 से 23 तक होने वाली प्रतिनिधि सभा के बाद शुरू हो सकता है पार्टी के राष्ट्रीय महामंत्री संगठन बीएल संतोष प्रतिनिधि सभा में शामिल होंगे। 23 मार्च को सरकार के तीन साल पूरे हो जाएंगे। इसके बाद सीएम धामी केंद्रीय नेतृत्व से बातचीत करने के लिए दिल्ली जा सकते हैं। तब तक केंद्रीय नेताओं के आरएसएस की प्रतिनिधि सभा से लौट आने की संभावना है। इन सभी परिस्थितियों के आधार पर अब यही माना जा रहा है नवरात्र में कैबिनेट में फेरबदल की कवायद को अंजाम दिया जा सकता है।उत्तराखंड में प्रदेश मंत्रिमंडल में बदलाव से पहले भाजपा के नए प्रदेश अध्यक्ष का एलान हो सकता है। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी के बुधवार को दिल्ली में होने के बाद सियासी हलकों में कैबिनेट में फेरबदल की संभावना को लेकर चर्चाओं का बाजार गरमाता रहा। हालांकि मुख्यमंत्री बृहस्पतिवार को लौट आएंगे। भाजपा के नए प्रदेश अध्यक्ष की दौड़ में कई नामों की चर्चा है। इनमें भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष सांसद महेंद्र भट्ट को दोबारा अध्यक्ष बनाए जाने चर्चाएं भी खासी गर्म रही हैं। पिछले कुछ दिनों से भट्ट अपने बयानों और बेटे के भूमि सौदे को लेकर सोशल मीडिया में विरोधियों के निशाने पर हैं। भाजपा के प्रदेश महामंत्री आदित्य कोठारी का नाम की भी चर्चा है।

विधानसभा बजट सत्र का सातवां दिन, संदन में गूंजेगा परिवहन घोटाले और सौरभ शर्मा का मुद्दा

(आधुनिक समाचार नेटवर्क)

नई दिल्ली। मध्यप्रदेश विधानसभा के बजट सत्र में आज परिवहन घोटाले और सौरभ शर्मा के मुद्दे पर हंगामा होने के आसार है। सदन में नेता प्रतिपक्ष उमंग सिंघार, हेमंत कटारे, प्रताप ग्रेवाल के ध्यानाकर्षण पर चर्चा होगी। मध्य प्रदेश विधानसभा के बजट सत्र का गुरुवार को सातवां दिन है। आज परिवहन घोटाले और सौरभ शर्मा के मुद्दे पर सदन में हंगामा होने के आसार हैं। नेता प्रतिपक्ष उमंग सिंघार, उप नेता प्रतिपक्ष हेमंत कटारे और सदस्य प्रताप ग्रेवाल ने प्रदेश के परिवहन नाको/ चेक पोस्टों में अवैध वसूली होने की ओर परिवहन मंत्री का ध्यानकर्षण किया है।इसके अलावा बृजेंद्र प्रताप सिंह ने पन्ना जिले के पहाडीखेरा क्षेत्र को भी केन-बेतवा लिंक परियोजना में शामिल किए जाने का ध्यानकर्षण लगाया है। सत्र की शुरुआत प्रश्नकाल के साथ होगी। 60 याचिकाएं भी लगाई गई हैं। साथ ही आज सदन में प्रदेश सरकार के वर्ष 2025-26 के मांगों पर मतदान होगा। इसके बाद वित्त मंत्री जगदीश देवड़ा मध्य प्रदेश विनियोग विधेयक-2025 को पुरःस्थापन करेंगे। मध्यप्रदेश विधानसभा द्वारा आज शाम 7:30 बजे विधानसभा के मानसरोवर सभागार में फाग महोत्सव का आयोजन किया जा रहा है। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि मुख्यमंत्री डॉ मोहन यादव रहेंगे, कार्यक्रम की अध्यक्षता विधानसभा अध्यक्ष नरेंद्र सिंह तोमर करेंगे। यह कार्यक्रम रंगारंग संगीत प्रस्तुतियों और मनोभावन कार्यक्रमों से सराबोर रहेगा। कार्यक्रम में संसदीय कार्य मंत्री कैलाश विजयवर्गीय, प्रदेश के अन्य वरिष्ठ मंत्रीगण, नेता प्रतिपक्ष उमंग सिंधार एवं विधानसभा के माननीय सदस्यगण विशेष रूप से उपस्थित रहेंगे।

युवा स्पोर्ट्स शक्ति के खिलाड़ियों ने राष्ट्रीय स्तर पर किया नाम रोशन

(आधुनिक समाचार नेटवर्क)

नोएड। नोएडा वाईएसएस फाउंडेशन के खेल प्रकोष्ठ युवा स्पोर्ट्स शक्ति के प्रतिभाशाली खिलाड़ियों ने कयाकिंग, ड्रैगन बोट, कैनोइंग और अन्य जल क्रीड़ा स्पर्धाओं में उत्कृष्ट प्रदर्शन कर अपनी अकादमी और देश का नाम रोशन किया है। युवा स्पोर्ट्स शक्ति के अध्यक्ष विनोद सिंह रावल ने बताया कि उन्होंने बीएसएफ से वीआरएस लेकर इन युवा खिलाड़ियों को प्रशिक्षित किया और समाज एवं राष्ट्र के प्रति उनका लगाव बढ़ाया। उनके मार्गदर्शन में खिलाड़ियों ने बिना किसी सरकारी सहायता के देश के लिए पदक जीते और जल क्रीड़ा में नई ऊंचाइयों को छुआ। **खिलाड़ियों की प्रमुख उपलब्धियां:** कुलसुम (2 साल प्रैक्टिस) - 12 पदक निक्की (3 साल प्रैक्टिस) - 8 पदक अंशु (2 साल प्रैक्टिस) - 4 पदक नवीन (3 साल प्रैक्टिस) - 8 पदक अमन (3 साल प्रैक्टिस) - 8 पदक राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय प्रतियोगिताओं में शानदार प्रदर्शन इंटर कॉलेज प्रतियोगिता (7-8 मार्च 2025): नवीन: 3 स्वर्ण, 2 रजत, 2 कांस्य अमन: 3 स्वर्ण, 2 रजत, 2 कांस्य ऑल इंडिया इंटर यूनिवर्सिटी कयाकिंग, कैनोइंग और ड्रैगन बोट चैम्पियनशिप (11-17 मार्च 2025): नवीन: 4-200 मीटर - कांस्य पदक ड्रैगन बोट 1000 मीटर - कांस्य पदक अमन: 4-500 मीटर - रजत पदक 4-200 मीटर - कांस्य पदक ड्रैगन बोट 500 मीटर - कांस्य पदक युवा स्पोर्ट्स शक्ति के खिलाड़ियों ने अपने कठिन परिश्रम और समर्पण से साबित कर दिया कि यदि सही मार्गदर्शन और संकल्प हो तो किसी भी बाधा को पार किया जा सकता है। वाईएसएस फाउंडेशन इन युवा खिलाड़ियों को आगे बढ़ाने और और भी बेहतर अवसर प्रदान करने के लिए प्रतिबद्ध है।

सीएम सुक्खू बोले- चिट्टा तस्करी में शामिल 60 अधिकारियों, कर्मचारियों पर होगी बड़ी कार्रवाई

(आधुनिक समाचार नेटवर्क)

नई दिल्ली। मुख्यमंत्री सुखविंद्र सिंह सुक्खू ने कहा कि सरकार इसी सत्र में एंटी ड्रग एक्ट को सदन में लाएगी। इस एक्ट के लागू होते ही नए कानून में कार्रवाई की जाएगी। मुख्यमंत्री सुखविंद्र सिंह सुक्खू ने कहा कि चिट्टे की तस्करी के प्रति जागरूकता के पाठ शामिल करने का भी एलान किया। पूर्व सरकार पर पिट एनडीपीएस एक्ट का सख्ती से पालन नहीं करने का मुख्यमंत्री ने आरोप भी लगाया। इसको लेकर नेता विपक्ष जयराम ठाकुर ने आपत्ति जताई। बुधवार को विस सदन में चिट्टे को लेकर हैं। मुख्यमंत्री सुक्खू ने कहा कि पूर्व मुख्यमंत्री को सनसनी फैलाने की आदत है। इन्होंने अपने कार्यकाल में पिट एनडीपीएस एक्ट के तहत कार्रवाई नहीं की। सच कड़वा होता है। सच सुनने की आदत होनी चाहिए। इस मामले में राजनीति नहीं की जानी चाहिए।

में शामिल 60 सरकारी अधिकारियों और कर्मचारियों पर विधानसभा सत्र समाप्त होने के बाद बड़ी कार्रवाई की जाएगी। सरकार इसी सत्र में एंटी ड्रग एक्ट को सदन में लाएगी। इस एक्ट के लागू होते ही नए कानून में कार्रवाई की जाएगी। दोषियों को बचाने की सिफारिश करने वाले राजनेताओं, अधिकारियों सहित अन्य लोगों के खिलाफ भी कार्रवाई होगी। पंचायत स्तर पर सरकार ने नशा करने वालों की पूरी मैपिंग कर ली है। अब इन्हें नशे से बाहर निकालने को अभियान चलेगा। स्कूलों, कॉलेजों सहित कई शिक्षण संस्थानों में भी मैपिंग की जाएगी। कौन चिट्टा तस्करी में शामिल है, कौन यह कर रहा है। इसकी जानकारी जुटाई जाएगी। स्कूल-कॉलेजों के पाठ्यक्रम में नशे प्रश्नकाल के दौरान खूब हंगामा हुआ। भाजपा विधायक डीएस ठाकुर ने कहा कि एक ग्राम चिट्टे के साथ पकड़े जाने वालों को जमानत नहीं मिलनी चाहिए। कांग्रेस विधायक मलेंद्र राजन ने कहा कि जिन क्षेत्रों में चिट्टे के मामले बढ़े हैं, वहां पुलिस स्टाफ को बदला जाना चाहिए।नेता विपक्ष जयराम ठाकुर ने अनुपूरक प्रश्न करते हुए कहा कि यह बहुत चिंता का विषय है। चिट्टे के कारोबार में 30 फीसदी कमी आने की बात की गई है। सरकार बताए कि इसे कैसे तोला गया है। उड़ता पंजाब हमने सुना था, रेंगता हिमाचल दिख रहा है। सरकार श्रेय ले रही है, मगर हालात खराब हैं। 10 से ज्यादा लोग सड़कों पर चिट्टा लेकर मर गए। इतना पहले कभी नहीं हुआ। यह तो रिपोर्ट किए गए मामले हैं। जो रिपोर्टेड नहीं हैं, वे अलग सरकार अंतरराज्यीय बैठकों में भी शामिल हो रही है। हम भारत सरकार का भी सूचना देने के लिए धन्यवाद करते हैं। मुख्यमंत्री ने कहा कि जबसे कांग्रेस सरकार बनी है, तबसे नशा कारोबार में 30 प्रतिशत की कमी आई है। नशा तस्कर हाईकोर्ट से जमानत ले रहे हैं। इसी सत्र में ड्रग्स के खिलाफ कानून लाया जा रहा है। पिछली सरकार ने सलाहकार बोर्ड नहीं बनाया। वर्तमान सरकार ने बनाया। जितने भी सप्लायर है, उन्हें छह से नौ महीने तक जमानत न मिलने से भी रोका जा रहा है। सरकार एसटीएफ बनाने की दिशा में आगे बढ़ रही है। सोलन के कोटला बेहड़ में नशा निवारण केंद्र बनाया जा रहा है। केंद्र 150 बीघा भूमि में खोला जा रहा है।

पिंजरे में कैद गुलदार को जिंदा आग के हवाले था किया, प्रधान सहित पांच ग्रामीणों को एक-एक साल कारावास

(आधुनिक समाचार नेटवर्क)

नई दिल्ली। 24 मई 2022 को पिंजरे में कैद गुलदार को आक्रोशित भीड़ ने जिंदा आग के हवाले कर दिया था। प्रकरण में वन दरोगा की तहरीर पर कोतवाली पौड़ी में तत्कालीन ग्राम प्रधान सहित पांच नामजद व 150 अज्ञात के खिलाफ वन्यजीव संरक्षण अधिनियम, लोक सेवक के कामकाज में बाधा सहित विभिन्न धाराओं में मुकदमा दर्ज किया गया था। मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट पौड़ी की अदालत ने पिंजरे में कैद गुलदार को जिंदा आग के हवाले करने वाले तत्कालीन ग्राम प्रधान सहित पांच ग्रामीणों को एक-एक साल कारावास की सजा सुनाई है। अदालत ने पांचों दोषियों को एक-एक साल के साधारण कारावास की सजा के साथ 3500-3500 का अर्थदंड भी लगाया है। अर्थदंड जमा करने पर दोषियों को 15 दिन के अतिरिक्त कारावास की सजा भुगतनी होगी। पाबौ ब्लॉक के सपलोड़ी गांव में बीते 24 मई 2022 को पिंजरे में कैद गुलदार को आक्रोशित भीड़ ने जिंदा आग के हवाले कर दिया था। प्रकरण में वन दरोगा की तहरीर पर कोतवाली पौड़ी में तत्कालीन ग्राम प्रधान सहित पांच नामजद व 150 अज्ञात के खिलाफ वन्यजीव संरक्षण अधिनियम, लोक सेवक के कामकाज में बाधा सहित विभिन्न धाराओं में मुकदमा दर्ज किया गया था।विकास खंड पाबौ के भट्टी गांव, सरणा, कुलमोरी व सपलोड़ी सहित क्षेत्र के कई गांवों में वर्ष 2022 में गुलदार की लगातार आमद से दहशत बनी हुई थी। सपलोड़ी गांव निवासी सुषमा देवी अपनी सहेली के साथ बीते 15 मई 2022 की शाम को हरियालीसैंण के जंगल में काफल लेने गई थीं। घर लौटते समय शाम साढ़े छह बजे गुलदार ने सुषमा पर हमला कर दिया। जिसमें सुषमा की मौत हो गई थी। घटना के बाद से क्षेत्र के ग्रामीणों में भारी आक्रोश था। ग्रामीणों की मांग पर वन विभाग ने 16 मई 2022 को सपलोड़ी गांव में दो पिंजरें लगाए थे। जिनमें से एक पिंजरें में 24 मई 2022 की सुबह एक गुलदार कैद हो गया था। इस दौरान वनकर्मी गुलदार को लेने के लिए गांव पहुंचे, तो क्षेत्र के ग्रामीणों की भारी संख्या में भीड़ जुट गई थी। अनियंत्रित भीड़ ने पिंजरें में कैद गुलदार को जिंदा आग के हवाले कर दिया था। वन विभाग ने घटना को वीभत्स व अमानवीय बताते हुए प्रकरण में एक तहरीर कोतवाली पौड़ी में दी थी। तत्कालीन वन दरोगा बुआखाल अनुभाग सतीश लाल की तहरीर पर पुलिस ने तत्कालीन ग्राम प्रधान सहित पांच ग्रामीणों के खिलाफ वन्यजीव संरक्षण अधिनियम, लोकसेवक के कामकाज में बाधा, आपराधिक हमला सहित विभिन्न धाराओं में मुकदमा दर्ज किया था।पुलिस ने जांच के बाद अदालत में 20 जुलाई 2023 को आरोप पत्र दाखिल किया था। मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट पौड़ी लक्ष्मण सिंह की अदालत ने सपलोड़ी के तत्कालीन ग्राम प्रधान अनिल कुमार नेगी, चोपड़ा के देवेंद्र सिंह व सरणा गांव की सरिता देवी, भुवनेश्वरी देवी व कैलाशी देवी को पिंजरें में कैद गुलदार को जिंदा जलाने का दोषी पाया है।

बीसीएस में चक्का जाम से खलीनी और पंथाघाटी तक लगीं वाहनों की कतारें

(आधुनिक समाचार नेटवर्क)

नई दिल्ली। पावर कॉरपोरेशन के चीफ इंजीनियर विमल नेगी की मौत के मामले में देररात तक कर्मचारियों और परिजनों ने चक्का जाम किया। वहीं, बीसीएस से पंथाघाटी और खलीनी तक वाहनों की कतारें लगीं रहीं। पावर कॉरपोरेशन के चीफ इंजीनियर विमल नेगी की मौत के मामले में राजधानी शिमला के बीसीएस में शाम 4:00 बजे से लेकर देररात तक कर्मचारियों और परिजनों ने चक्का जाम किया। इस वजह से बीसीएस-न्यू शिमला सड़क पर वाहनों की आवाजाही पूरी तरह से अवरुद्ध रही।जाम के कारण बीसीएस से पंथाघाटी और खलीनी तक वाहनों की कतारें लगीं रहीं। बसों और छोटे वाहनों की आवाजाही बंद होने से सेक्टर चार से लोग दो से तीन किलोमीटर पैदल चलकर बीसीएस पहुंचे। इसके बाद खलीनी-पंथाघाटी मार्ग पर भी वाहनों की आवाजाही बुरी तरह से प्रभावित हो गई। लोगों को इसके बाद बस अड्डे तक पैदल चलना पड़ा। इसमें सबसे ज्यादा परेशानी दफ्तरों में काम करने वाले कर्मचारियों को हुई जो छुट्टी के बाद घर जाने के लिए निकले थे। इसके अलावा स्कूली छात्र भी परेशान रहे। इसके बाद मजबूरी में लोग पैदल ही गंतव्य की ओर रवाना हुए।वाहनों की आवाजाही प्रभावित होने से बीसीएस-न्यू शिमला में लोग घंटों फंसे रहे। पुलिस विभाग ने यातायात व्यवस्था को बहाल करने के लिए बड़ी संख्या में पुलिस कर्मचारियों की तैनाती की थी। इसके बावजूद वाहनों की आवाजाही बुरी तरह से प्रभावित रही। मार्ग अवरुद्ध रहने से सरकारी कर्मचारियों के साथ ही बीसीएस में कोचिंग सेंटरों में पढ़ने वाले बच्चों और आसपास के स्कूलों के विद्यार्थियों को भी परेशानी का सामना करना पड़ा। एक घंटा किया बस का इंतजार, अब पैदल जा रहे न्यू शिमला सेक्टर तीन में रहने वाले राकेश ने बताया कि वह एक घंटे तक बस का इंतजार करते रहे। इसके बाद पता चला कि बीसीएस में यातायात बंद है। अब पैदल बीसीएस पहुंचे हैं, लेकिन यहां भी वह आधे घंटे से बस स्टैंड जाने के लिए बस का इंतजार कर रहे हैं। बीसीएस के रहने वाले विमल ठाकुर ने बताया कि वह बाइक से न्यू शिमला से बीसीएस आ रहे थे लेकिन यहां जाम लगा था। काफी देर इंतजार करने के बाद वह बाइक साइड में लगाकर पैदल ही काम के लिए जा रहे हैं। इसी तरह से सैकड़ों लोग ऐसे थे जो कि ट्रैफिक जाम में फंसकर घंटों देरी से अपने घर तक पहुंचे। बीच में कोई बस किसी तरह से निकली भी तो वह ओवरलोड होकर बस स्टैंड तक पहुंची।एचआरटीसी समेत कई निजी बसों भी घंटों जाम में फंसी रही।

बॉलीवुड/टेली मसाला

बेटी एशा की फिल्म 'तुमको मेरी कसम' देख क्या बोलीं हेमा मालिनी अनुपम खेर ने किया खुलासा

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)
नई दिल्ली। अभिनेत्री एशा देओल लंबे अरसे बाद फिल्म 'तुमको मेरी कसम' से वापसी कर रही हैं। हाल

ही में हेमा मालिनी ने बिटिया की फिल्म देखी और रिव्यू किया।एशा देओल फिल्म 'तुमको मेरी कसम' में नजर आएंगी। इस फिल्म के जरिए वे लंबे समय बाद परदे पर वापसी कर रही हैं। फिल्म का निर्देशन विक्रम भट्ट ने किया है। इसमें अनुपम खेर भी अहम भूमिका में हैं। इस फिल्म की स्क्रीनिंग में एशा देओल की मां, चर्चित बॉलीवुड अभिनेत्री और भाजपा सांसद हेमा मालिनी भी पहुंचीं। अनुपम खेर ने यह बात साझा की है।अनुपम खेर ने सोशल मीडिया पोस्ट के जरिए बताया कि उनकी इस आगामी फिल्म की स्क्रीनिंग में ड्रीम गर्ल हेमा मालिनी भी पहुंचीं। उन्हें यह फिल्म अच्छी लगी। आज गुरुवार को अनुपम खेर ने इंस्टाग्राम पर एक पोस्ट शेयर किया है। उन्होंने लिखा है, 'अच्छी फिल्म की खुशबू हर कोई महसूस करता है'।अनुपम खेर साझा किए गए वीडियो में एशा देओल से फिल्म पर चर्चा करते नजर आ रहे हैं। उन्होंने इसके साथ कैप्शन में लिखा है, 'फिल्म 'तुमको मेरी कसम' की स्पेशल स्क्रीनिंग देखने खुद हेमा मालिनी जी और हमारी फिल्म इंडस्ट्री के कुछ दोस्त आए थे। उनको फिल्म बहुत अच्छी लगी। हेमा जी वाकई कितनी गरिमामयी महिला हैं। उनको हमारी फिल्म पसंद आना हमारी पूरी यूनिट के लिए मायने रखता। बहुत बहुत धन्यवाद! जय हो यह फिल्म 21 मार्च को रिलीज होगी। इसमें अदा शर्मा और इश्वाक सिंह भी हैं। एशा साल 2015 के बाद अब फिल्मों में वापसी कर रही हैं। यह फिल्म आईवीएफ किंग डॉ. अजय मुर्डिया पर आधारित है। डॉ. अजय मुर्डिया ने देश में सबसे बड़ी आईवीएफ चेन इंदिरा आईवीएफ शुरू की। यह इमोशंस से भरपूर फैमिली फिल्म है।

न्यूजीलैंड के पीएम ने आमिर खान और भारतीय फिल्म निर्माताओं से की मुलाकात, शेयर की ग्रुप सेल्फी

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)
नई दिल्ली।बुधवार को न्यूजीलैंड के प्रधानमंत्री क्रिस्टोफर लक्सन ने आमिर खान, विद्या बालन समेत कई लोगों से मुलाकात की। इस दौरान दोनों देशों के बीच फिल्म डेस्टिनेशन कोलैबोरेशन को लेकर को बढ़ाते हैं। मैं इसे और अधिक देखना चाहता हूं। इसलिए कुछ बॉलीवुड सितारों से मिलना और उनके विचार जानना बहुत अच्छा रहा कि हम और क्या कर सकते हैं! न्यूजीलैंड के प्रधानमंत्री आरएच क्रिस्टोफर द्वारा साझा की गई फोटो

चर्चा हुई।बुधवार को न्यूजीलैंड के प्रधानमंत्री क्रिस्टोफर लक्सन के साथ बॉलीवुड के दिग्गज आमिर खान, विद्या बालन और अन्य लोगों ने मुलाकात की। सिद्धार्थ रॉय कपूर, रोनी स्क्रूवाला और आशुतोष गोवारिकर सहित अन्य ने न्यूजीलैंड के प्रधानमंत्री क्रिस्टोफर लक्सन से फिल्म डेस्टिनेशन कोलैबोरेशन के लिए अवसरों की तलाश पर चर्चा की। न्यूजीलैंड के प्रधानमंत्री आरएच क्रिस्टोफर ने भी अपने आधिकारिक ट्विटर अकाउंट पर बॉलीवुड के दिग्गजों के साथ एक तस्वीर साझा की और लिखा, ठफिल्म सीन हमारी अर्थव्यवस्था में पैसा लाते हैं, जो नौकरियां पैदा करते हैं और आय में आमिर खान, विद्या बालन, सिद्धार्थ रॉय कपूर, रोनी स्क्रूवाला और आशुतोष गोवारिकर को पोज देते हुए देखा जा सकता है, जबकि क्रिस्टोफर लक्सन को ग्रुप सेल्फी लेते हुए देखा गया। रिपोर्ट्स के मुताबिक इस बैठक में भारतीय फिल्म उद्योग और न्यूजीलैंड के बीच संबंधों को बढ़ाने पर चर्चा की गई। इस चर्चा में देश को फिल्म निर्माण के लिए एक प्रमुख डेस्टिनेशन बनाने पर भी चर्चा हुई। प्रधानमंत्री के रूप में लक्सन की यह पहली भारत यात्रा है। 16 मार्च को क्रिस्टोफर लक्सन ने 110 सदस्यीय प्रतिनिधिमंडल के साथ नई दिल्ली में बीएपीएस स्वामीनारायण अक्षरधाम का दौरा भी किया था।

31 सालों से पति से अलग रह रहीं अलका याग्निक, विरासत में मिली गायकी

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)
नई दिल्ली। गायक अलका याग्निक की लव लाइफ काफी फिल्मी है। वह 31 सालों से अपने पति से दूर रह रही हैं। अलका ने 6 साल की

उम्र में गाना शुरू किया। उन्हें कई अवॉर्ड मिले।अलका याग्निक किसी पहचान की मोहताज नहीं। अलका याग्निक की मकबूलियत का आलम ये है कि लोग उन्हें बिना देखे ही उनकी आवाज से पहचान लेते हैं। उन्होंने बॉलीवुड को कई बेहतरीन गाने दिए हैं। अलका याग्निक प्रोफेशनल के साथ अपनी पर्सनल लाइफ को लेकर सुर्खियों में रहती हैं। आइए जानते हैं उनकी निजी जिंदगी के बारे में। अपनी सुरीली आवाज से दुनिया पर राज करने वाली अलका याग्निक का करियर 90 के दशक में शुरू हुआ था। उन्होंने हिंदी फिल्मों को बेशुमार गाने दिए। अलका याग्निक की लव लाइफ काफी फिल्मी है। अलका याग्निक ने कारोबारी नीरज कपूर से साल 1989 में से शादी की थी। दोनों से एक बेटी है जिसका नाम सायशा कपूर है। साल 2024 में बेटी ने सुनने की क्षमता खो दी। अलका याग्निक और उनके पति नीरज पिछले 31 सालों से अलग रह रहे हैं और लॉन्ग डिस्टेंस मैरिज निभा रहे हैं। उनके पति नीरज का कारोबार शिलॉन्ग बेस्ड है। इसलिए दोनों एक दूसरे से अलग रह हैं। शादी के बाद ही नीरज ने अपना बेस मुंबई शिफ्ट कर लिया था, लेकिन यहां उन्हें काफी नुकसान हुआ। इसके बाद अलका याग्निक ने नीरज को शिलॉन्ग शिफ्ट होने के लिए कहा। ऐसे में दोनों एक दूसरे से अलग रहते हुए रिश्ता निभा रहे हैं। अलका याग्निक आज के दिन यानी 20 मार्च 1966 को गुजराती परिवार में कोलकाता में पैदा हुईं। उनके पिता का नाम धर्मेंद्र सिकंदर है। उनकी मां शुभा भारतीय शास्त्रीय संगीत की गायिका थीं। साल 1972 में अलका याग्निक ने छह साल की उम्र में कलकत्ता में आकाशवाणी (ऑल इंडिया रेडियो) के लिए गाना शुरू किया। 10 साल की उम्र में उनकी मां उन्हें चाइल्ड सिंगर के तौर पर मुंबई लेकर आईं। उनसे कहा गया कि वह बेटी की आवाज परपक्व होने तक रुकें। इसके बाद अलका याग्निक को कोलकाता के एक जानकार से राज कपूर का परिचय मिला। राज कपूर ने अलका याग्निक की आवाज सुनी और उन्हें संगीत निर्देशक लक्ष्मीकांत शांताराम कुडालकर के पास भेजा। लक्ष्मीकांत याग्निक की आवाज से बहुत खुश हुए। उन्होंने अलका याग्निक को दो विकल्प दिए। एक तो यह कि वह डबिंग में अभी से शुरुआत कर दें या फिर वह रुकें और सीधे एक गायक के तौर पर अपनी शुरूआत करें। अलका याग्निक की मां रुकीं। वह अपनी बेटी को एक गायक के तौर पर लांच करना चाहती थीं। अलका याग्निक ने सबसे पहले भजन गाना शुरू किया। साल 1980 में आई फिल्म 'पायल की झनकार' में पहला गाना गाया। अलका याग्निक ने 'तेजाब' फिल्म का 'इक दो तीन' गाना गाया। इसके लिए उन्हें सर्वश्रेष्ठ गायक के लिए 'फिल्मफेयर अवॉर्ड' मिला। इसके बाद अलका याग्निक ने पीछे मुड़कर नहीं देखा।

तेलंगाना में होगा मिस वर्ल्ड पीजेंट, 120 सुंदरियां लेंगी हिस्सा, कब होगा ग्रैंड फिनाले

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)
नई दिल्ली। इस साल 72वी मिस वर्ल्ड प्रतियोगिता का आयोजन होने जा रहा है। इस बार भी ब्यूटी पीजेंट होगा। साल 2024 की मिस वर्ल्ड विजेता क्रिस्टीना पिस्जकोवा ने भारत में होने जा रहे 72वें मिस वर्ल्ड पीजेंट पर खुशी जताई है। क्रिस्टीना ने मंदिर गई, जो मेरे लिए एक जादुई अनुभव रहा। मैं हमेशा हिंदू मंदिर में जाने का सपना देखती थी और सोचती कि यह कैसा होगा। कल

भारत में होगा। तेलंगाना इसकी मेजबानी करने जा रहा है। इवेंट 4 मई से शुरू होगा। जानते हैं ग्रैंड फिनाले की तारीखप्रतिष्ठित सौंदर्य प्रतियोगिता 'मिस वर्ल्ड' के लिए तैयारियां शुरू हो गई हैं। इस बार 72वें मिस वर्ल्ड ब्यूटी पीजेंट का आयोजन तेलंगाना में होने जा रहा है। तैयारियां शुरू हो गई हैं। कहा जा रहा है कि पीजेंट में दुनियाभर के देशों की 120 सुंदरियां हिस्सा लेंगी। पूर्व मिस वर्ल्ड क्रिस्टीना पिस्जकोवा विजेता को ताज पहनाएंगी। 'मिस वर्ल्ड' के भारत में आयोजन को लेकर क्रिस्टीना ने खुशी जताई है।मिस वर्ल्ड पीजेंट 2025 का आयोजन हैदराबाद में कहा, 'मुझे भारतीय चमक बेहद पसंद है, जो पीजेंट के पिछले एडिशन में दिखाई दी। मुझे यकीन है कि यहां इस बार भी आयोजन शानदार होगा। भारत के पास इस बार देने के लिए बहुत कुछ है' क्रिस्टीना ने आगे कहा, 'जैसा कि आप जानते और सुनते होंगे, मिस वर्ल्ड का मतलब केवल बातें करना नहीं, बल्कि वास्तव में कुछ करना है, इसलिए हम जिन राज्यों में जा रहे हैं, वहां हम कोई न कोई प्रोजेक्ट खोजने की कोशिश कर रहे हैं। हम मददगार बनने की कोशिश कर रहे हैं'। क्रिस्टीना ने आगे कहा कि वे मंदिरों में भी जा रही हैं। 2024 की मिस वर्ल्ड ने कहा, 'भारत में मैं मेरा सपना सच हो गया। मुझे बहुत सारे आशीर्वाद मिले'। बता दें कि बीते वर्ष 71वें मिस वर्ल्ड 2024 का आयोजन भी भारत में दिल्ली और मुंबई में हुआ। साल 2024 में चेक रिपब्लिक की क्रिस्टीना पिस्जकोवा के सिर ताज सजा था। इस बार भारत की ओर से फेमिना मिस इंडिया 2023 नंदिनी गुप्ता प्रतियोगिता में भाग लेंगी। भारत छह बार मिस वर्ल्ड का खिताब जीत चुका है। रीटा फारिया (1966), ऐश्वर्या राय (1994), डायना हेडन (1997), युक्ता मुखी (1999), प्रियंका चोपड़ा (2000) और मानुषी छिल्लर (2017) भारत के लिए यह खिताब जीत चुकी हैं।

सलमान की 'सिकंदर' में नजर आएंगी काजल अग्रवाल, इन हिंदी फिल्मों में भी दिखाए अदाकारी के रंग

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)
नई दिल्ली। ईद के खास मौके पर सलमान खान की फिल्म 'सिकंदर'

रिलीज होगी। इस फिल्म में काजल अग्रवाल भी एक अहम किरदार में नजर आएंगी। जानिए, दक्षिण भारतीय फिल्मों का जाना-माना नाम रहीं काजल अग्रवाल ने 'सिकंदर' से पहले किन हिंदी फिल्मों में काम किया है। जल्द ही सलमान खान की फिल्म 'सिकंदर' रिलीज होगी। इस फिल्म में हीरोइन के तौर पर रश्मिका मंदाना नजर आएंगी। लेकिन साउथ फिल्मों की जानी-मानी अभिनेत्री काजल अग्रवाल का भी 'सिकंदर' में अहम रोल है। काजल ने पहले भी कुछ चुनिंदा बॉलीवुड फिल्में की हैं। जानिए, काजल अग्रवाल की हिंदी फिल्मों और किरदारों के बारे में। काजल अग्रवाल ने अपने करियर की शुरुआत हिंदी फिल्म 'क्यों हो गया ना' से की थी, इसमें वह ऐश्वर्या राय बच्चन के किरदार की बहन के रोल में दिखीं। यह फिल्म 2004 में रिलीज हुई। समीर कार्णिक निर्देशित इस फिल्म में अमिताभ बच्चन और विवेक ओबेरॉय जैसे अभिनेता भी थे। लेकिन फिल्म चली नहीं ऐसे में काजल ने दक्षिण भारतीय फिल्मों का रुख किया वह तेलुगू, तमिल फिल्में करनी लगीं, हीरोइन के तौर पर वहां मशहूर हुईं। फिर साल 2011 में काजल अग्रवाल, अजय देवगन की फिल्म 'सिंघम' में काव्या के किरदार में दिखीं। इस फिल्म को रोहित शेट्टी ने निर्देशित किया। साल 2013 में काजल अग्रवाल अक्षय कुमार के साथ फिल्म 'स्पेशल 26' में दिखीं। फिल्म को नीरज पांडे ने निर्देशित किया था। अक्षय ने फिल्म में नकली सीबीआई ऑफिसर का रोल किया, वहीं काजल उनकी प्रेमिका के रोल में दिखींकाजल अग्रवाल ने रणदीप हुड्डा के साथ एक लव स्टोरी फिल्म 'दो लफ्जों की कहानी(2016)' की थी। इस फिल्म में वह एक अंधी लड़की के रोल में दिखीं। दीपक तिजोरी निर्देशित फिल्म 'दो लफ्जों की कहानी' एक कोरियन फिल्म 'ऑलवेज' का रीमेक थी। फिल्म बॉक्स ऑफिस पर तो नहीं चली लेकिन दर्शकों को रणदीप हुड्डा और काजल अग्रवाल की जोड़ी जरूर पसंद आई।संजय गुप्ता निर्देशित फिल्म 'मुंबई सागा(2021)' की कहानी में 80-90 के दशक में बदलते हुए मुंबई को दिखाया गया, साथ ही कैसे अपराध के शिकंजे में यह शहर फंस गया है। इस फिल्म में काजल अग्रवाल ने जॉन अब्राहम के किरदार की पत्नी की भूमिका निभाई।

छावा' पर 34वें दिन भी झमाझम बरसे नोट, बॉक्स ऑफिस पर छोटे छोटे कदम भर रही 'द डिप्लोमैट

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)
नई दिल्ली। विक्की कौशल की 'छावा' बॉक्स ऑफिस पर कब्जा जमाए है। वहीं जॉन अब्राहम की 'द डिप्लोमैट' सुस्त गति से आगे बढ़ रही है।फिल्म 'छावा' सिनेमाघरों में महीनेभर से राज कर रही है। अब भी इसकी कमाई करोड़ों में हो रही है। आलम ये है कि विक्की कौशल की फिल्म जॉन अब्राहम की होली पर रिलीज 'द डिप्लोमैट' से ज्यादा कलेक्शन कर रही है। जानते हैं कल बुधवार को दोनों फिल्मों ने कैसा प्रदर्शन किया जॉन अब्राहम की फिल्म 'द डिप्लोमैट' को 'छावा' से कड़ी चुनौती मिल रही है। 'द डिप्लोमैट' होली के मौके पर 14 मार्च को रिलीज हुई। फिल्म की कहानी मजबूत है। क्रिटिक्स से अच्छी प्रतिक्रिया मिली है। फिल्म देखकर लौटे दर्शकों ने भी इसे सराहा है। लेकिन, कमाई के मामले में इसका प्रदर्शन औसत है। कम बजट की यह फिल्म छोटे-छोटे डग भर रही है।शिवम नायर के निर्देशन में बनी इस फिल्म ने ओपनिंग डे पर चार करोड़ रुपये का कलेक्शन किया था। मंगलवार को पांचवे दिन फिल्म ने 1.45 करोड़ रुपये की कमाई की। वहीं, कल बुधवार को छठे दिन फिल्म ने 1.40 करोड़ रुपये का कारोबार किया है। यानी

पांचवे दिन के मुकाबले मामूली गिरावट दर्ज हुई है। फिल्म का टोटल नेट कलेक्शन 17.65 करोड़ रुपये हो चुका है। 'द डिप्लोमैट' का बजट करीब 20 करोड़ रुपये बताया जा रहा है। लक्ष्मण उतेकर के निर्देशन में बनी विक्की कौशल, रश्मिका मंदाना और अक्षय खन्ना जैसे सितारों से सजी फिल्म 'छावा' 14 फरवरी 2025 को रिलीज हुई। सिनेमाघरों में लगे इसे एक महीने से ऊपर हो गया है, लेकिन कमाई के मामले में इसके कदम पीछे नहीं हट रहे। अपने बाद रिलीज हुईं सभी फिल्मों को 'छावा' ने पानी पिला दिया।

फिल्मी परिवार में जन्म, फिल्मी माहौल में परवरिश फिर भी नहीं चला इन सितारों का करियर

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)
नई दिल्ली। कई फिल्मी सितारे ऐसे हैं, जिनके बच्चों ने भी इंडस्ट्री में अच्छा नाम कमाया। वहीं, कुछ स्टारकिड्स ऐसे भी हैं, जिनके सितारे इंडस्ट्री में नहीं चमक सके।

जानते हैं..इन दिनों फिल्म 'नादानियां' में इब्राहिम अली खान और और खुशी कपूर को उनकी एक्टिंग के लिए काफी ट्रोल किया जा रहा है। कई सितारे उनके बचाव में आए हैं। आने वाली फिल्मों में इन दोनों स्टारकिड्स का करियर कैसा होगा और फिल्में बॉक्स ऑफिस पर कैसा प्रदर्शन करेंगी, इसका जवाब तो समय के साथ मिलेगा। मगर, इस बहाने फिलहाल उन कुछ स्टारकिड्स के बारे में भी जान लेते हैं, जिनका सिक्का फिल्मी दुनिया में नहीं चला। फिल्मी परिवार में जन्म, फिल्मी माहौल में परवरिश के बावजूद दर्शकों को ये लुभा नहीं पाए। जानते हैं उदय चोपड़ा दिवंगत निर्माता-निर्देशक यश चोपड़ा के बेटे हैं। उनके यशराज फिल्म्स के बैनर तले कितने ही कलाकार सुपरस्टार बने, मगर उदय चोपड़ा का करियर नहीं चल पाया। उदय चोपड़ा ने अपना करियर फिल्म 'मोहब्बतें' से शुरू किया था। फिल्म सुपरहिट थी, लेकिन यह मल्टीस्टारर फिल्म थी। शाहरुख खान, अमिताभ बच्चन और ऐश्वर्या राय जैसे सितारे अहम रोल में थे। इस फिल्म के बाद उदय चोपड़ा की कोई भी फिल्म दर्शकों पर जादू नहीं चला सकी। सुपरस्टार जितेंद्र और शोभा कपूर के बेटे तुषार कपूर का नाम भी इस लिस्ट में है। ऐसा नहीं है कि तुषार कपूर को फिल्में नहीं मिलीं, वे कई चर्चित फिल्मों का हिस्सा रहे हैं। लेकिन, बतौर लीड एक्टर यूजर्स उन्हें स्वीकार नहीं कर पाए। तुषार ने फिल्म 'मुझे कुछ कहना है' से डेब्यू किया था। इसके बाद भी वो कई फिल्मों में नजर तो आए, लेकिन अपनी एक्टिंग की छाप नहीं छोड़ पाए। दिग्गज अदाकारा तनुजा की बड़ी बेटी अभिनेत्री काजोल की अदाकारी के दर्शक कायल हैं। परदे से लेकर ओटीटी तक उनका जलवा है। वहीं, उनकी छोटी बहन तनीषा मुखर्जी का करियर खास नहीं रहा। उनकी पहली फिल्म 'ऐप्प्...' थी। इसके बाद तनीषा ने अपने करियर में कई बड़ी फिल्मों में काम किया, लेकिन बतौर अभिनेत्री उनकी कोई भी फिल्म परदे पर जादू नहीं चला सकी। तनीषा को अक्सर बॉलीवुड पार्टियों और इवेंट में देखा जाता है। इसी तरह अभिनेत्री रिंकी खन्ना का करियर भी रहा। हिंदी सिनेमा के पहले सुपरस्टार राजेश खन्ना और दिग्गज अभिनेत्री डिंपल कपाड़िया की छोटी बेटी रिंकी खन्ना को दर्शकों का प्यार नहीं मिला। उनकी बड़ी बहन ट्विंकल खन्ना ने कई फिल्मों में काम किया और सफल रहीं। हालांकि, अब ट्विंकल भी इंडस्ट्री से दूर हैं और राइटर बन गई हैं। दिग्गज एक्टर फिरोज खान के बेटे फरदीन खान का फिल्मी करियर भी सुस्त रहा।

आधी रात को रिलीज हुआ 'एल2: एम्पुरान' का ट्रेलर, पुराने अवतार में दिखे मोहनलाल, रिलीज डेट आई सामने

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)
नई दिल्ली। मोहनलाल की बहुप्रतीक्षित फिल्म 'एल2: एम्पुरान' का आधिकारिक ट्रेलर रिलीज हो चुका है। अभिनेता अपने पुराने अवतार में नजर आए हैं। आइए जानते हैं फिल्म कब होगी रिलीजपृथ्वीराज सुकुमारन निर्देशित और मोहनलाल अभिनीत बहुप्रतीक्षित फिल्म 'एल2: एम्पुरान' का ट्रेलर आधी रात को रिलीज हुआ। इस सरप्राइज रिलीज ने फैंस को चौंका दिया। कुछ दिनों पहले फिल्म का टीजर रिलीज किया गया था। जिसने फैंस की उत्सुकता को बढ़ा दिया था। अभिनेता और निर्माताओं ने अलग-अलग भाषा में अपने सोशल मीडिया हैंडल पर ट्रेलर को शेयर भी किया है। ट्रेलर में मोहनलाल खुरेशी अब्राम या स्टीफन नेदुमपल्ली के रूप में नजर आए। उनकी प्रभावशाली मौजूदगी चौंकाने वाली है। खुरेशी के बीते हुए कल की झलक भी इसमें मिलती है। ट्रेलर में एक राजनीतिक दल के भीतर के भयंकर सत्ता संघर्ष को भी देखा जा सकता है। यह ट्रेलर एक पूर्व विधायक से इतने सारे लोग क्यों डरते हैं? उसके अतीत में कौन से रहस्य छिपे हैं? जैसे सवाल फैंस के लिए छोड़ता है, जिसका जवाब बड़े पर्दे पर ही मिल सकता है ट्रेलर में मोहनलाल खुरेशी के किरदार में नजर आए। पृथ्वीराज ने जायद मसूद के रूप में स्क्रीन प्रजेंस पर दमदार उपस्थिति दर्ज की। टोविनो थॉमस के जथिन रामदास, मंजू वारियर की प्रियदर्शिनी रामदास और इंद्रजीत सुकुमारन के गोवर्धन के रूप में नजर आए। ट्रेलपर के साथ फिल्म की रिलीज डेट भी सामने आ चुकी है। यह फिल्म 27 मार्च को मलयालम, तमिल, तेलुगु, कन्नड़ और हिंदी में रिलीज होगी। फिल्म को लेकर काफी लंबे समय से चर्चा थी। बीच में इसके रिलीज की तारीख बदलने की भी अफवाह उड़ी थी, लेकिन अब निर्माताओं ने ट्रेलर के साथ फिल्म के आधिकारिक रिलीज की भी घोषणा कर दी है।

स्वत्वाधिकारी एवं मुद्रक डा0 दीपक अरोरा द्वारा रामा प्रिन्टर्स 53/25/1 ए बेली रोड न्यू कटरा प्रयागराज (उ.प्र.) 211002 से मुद्रित एवं सी-41 यूपी एसआईडीसी औद्योगिक क्षेत्र नैनी प्रयागराज। (उ.प्र.) 211010 से प्रकाशित।
सम्पादक/प्रकाशक
डा0 पुनीत अरोरा
मो0न0 09415608710
RNI No. UPHIN/2015/63398
website:www.adhuniksamachar.com

नोटः- इस समाचार पत्र में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं सम्पादन हेतु पी.आर.बी. एक्ट के अन्तर्गत उत्तरदायी तथा इनसे उत्पन्न समस्त विवाद इलाहाबाद न्यायालय के अधीन ही होगे।